फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 247 प्रभात जयपुर, गुरुवार 10 अप्रैल, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

ARBiT

Do WE Really Have Dire Wolves Now?

The company Colossal Biosciences is behind the headlines. It announced that it used 'deft genetic engineering and ancient DNA' to breed three dire wolf puppies and to 'de-extinct' the species, or did they?

Pani Puri, Puchka, Gol Gappa : One Snack, A Thousand Stories

पायलट को और अधिक महत्व देने की राह में एक और मजबूत कदम उठाया हाईकमान ने

पायलट को एआईसीसी सत्र का मुख्य प्रस्ताव डैलीगेट्स के समक्ष पेश करने का मौका दिया, शशि थरुर ने प्रस्ताव को सैकण्ड किया

- अशोक गहलोत पूरे समय मंच पर उपस्थित रहे, पर, एक भी शब्द नहीं बोले दिन भर।
- पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपने भाषण में काफी पुराने वरिष्ठ नेताओं पर तीखी टिप्पणी की और कहा, जो वरिष्ठ नेता काम नहीं कर रहे, उन्हें घर बैठ जाना चाहिये तथा "रिटायरमैंट" ले लेना चाहिये, क्योंकि अच्छा नहीं लगता कि ये लोग सत्ता मोह नहीं छोड़ पा रहे हैं तथा अभी भी पद व जिम्मेवारी पाने के इच्छुक दिखते हैं।
- क्या मल्लिकार्जुन खड़गे के व्यंगात्मक इशारे में गहलोत भी शामिल हैं। बहरहाल, उपस्थित डैलीगेट्स ने भारी तालियाँ बजाकर व वाहवाही करके खड़गे की टिप्पणी का स्वागत किया।
- विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता टीकाराम जूली ने भी, एक एससी नेता के रूप में अपना अनुभव सुनाया तथा राहुल गांधी व खड़गे ने उनके भाषण का उल्लेख किया अपने उद्बोधन में तथा राहुल गांधी ने उन्हें मंच पर बुलाने के लिये तीन-चार बार घोषणा भी करवायी, पर, जूली तब तक जा चुके थे। यह ही अनुभव प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा के बारे में हुआ।
- राहुल गांधी ने यह दोहराया कि डी.सी.सी. को मजबूत बनाने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है तथा डी.सी.सी. अध्यक्षों के चयन के लिए पहली बैठक 15 अप्रेल को अहमदाबाद और दूसरी 28 अप्रेल को जयपुर में आयोजित की गई है, जिसमें राहुल गांधी भी मौजूद रहेंगे।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

अहमदाबाद, 9 अप्रेल। सचिन पायलट को विशेष प्रतिष्ठा एवं तवज्जोह देने की कांग्रेस नेतृत्व की सोच के अनुरुप, पायलट से "न्याय पथ" पर मुख्य प्रस्ताव पेश करने के लिए कहा गया। इस अवसर पर, एआईसीसी अधिवेशन में पहुँचे एआईसीसी डेलिगेट्स तथा कांग्रेस के शीर्षस्थ नेताओं के समक्ष इस 12 पृष्ठ के प्रस्ताव की व्याख्या करते हुये, सचिन पायलट ने एक सशक्त एवं प्रभावपूर्ण भाषण दिया।

इस प्रस्ताव का समर्थन केरल के शशि थरूर ने किया। वे, सचिन पायलट के हिन्दी भाषण के विपरीत, अंग्रेजी में बोले।

रोचक बात यह है कि जब पायलट ने भाषण दिया, उस समय राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत मंच पर मौजूद थे, लेकिन वे पूरे दिन चुप बैठे रहे तथा मंच से कुछ नहीं बोले।

इससे ठीक पहले, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपने भाषण के अंत में, वरिष्ठ नेताओं पर निशाना साधते हुये, एक खुली एवं व्यंग्यात्मक टिप्पणी की और कहा कि जो लोग काम नहीं कर रहे हैं, उन्हें रिटायर होकर घर बैठना चाहिये तथा विश्राम करना चाहिये। खड़गे की इस तीखी टिप्पणी का निशाना निश्चित रूप से गहलोत तथा ऐसे कुछ अन्य वरिष्ठ नेता हो सकते हैं, जो पीछे हटने को तैयार नहीं हैं तथा अब भी किसी न किसी पद की तलाश में हैं।

वहाँ एकत्रित प्रतिनिधियों ने इन टिप्पणियों का स्वागत किया व जोर से तालियाँ बजाईं।

राजस्थान से आये कई डेलिगेट्स ने भाषण दिये। खड़गे और राहुल गांधी को टीकाराम जूली का भाषण बहुत पसंद आया।

जूली ने अपने भाषण में एक घटना का जिक्र करते हुये कहा कि जब वे एक मंदिर में गये तो भाजपा नेताओं ने उस मंदिर को गंगाजल से पवित्र कराया। खड़गे और राहुल गांधी दोनों ने ही अपने भाषण में इस घटना का उल्लेख किया।

भाषण के दौरान, राहुल ने जूली की तलाश में चारों ओर नजरें घुमाईं, कई बार उनका नाम लेकर पुकारा तथा पूछा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रिज़र्व बैंक ने ब्याज दर में 25 पॉइन्ट्स की कटौती की

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 अप्रेल। डॉनल्ड ट्रंप के व्यापक शुल्कों से ग्लोबल इकॉनमी बुरी तरह टूट गई है, इस परिदृश्य में रिज़र्व बैंक ऑफ इण्डिया ने आज अपनी बेसिक पॉलिसी ब्याज दर में 25 बेसिक

- डॉनल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति से वैश्विक अर्थव्यवस्था में मची खलबली से तालमेल बिठाने के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक ने रैपो रेट में मामूली कटौती की।

पॉइन्ट की कमी की। भारी अनिश्चितता के मौजूदा माहौल में पॉलिसी रेट में मामूली कटौती का कोई खास असर नहीं पड़ने वाला है।

लेकिन इस कदम का एक संकेत है। रैपो रेट में यह छोटी सी कटौती अब

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल गांधी रणथम्भौर गये

जयपुर, 9 अप्रेल। अहमदाबाद में कांग्रेस अधिवेशन का कार्यक्रम पूरा होने के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी

- अधिवेशन समाप्त होने के बाद वे विमान से जयपुर पहुँचे थे।

विमान से जयपुर रवाना हो गये।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, वे रात्रि विश्राम रणथम्भौर में करेंगे तथा कल जंगल में घूमने भी जा सकते हैं।

'अब दांव पर वाणिज्य और व्यापार नहीं, वरन् आत्मसम्मान, पावर व सामरिक रणनीति है

चीन के वरिष्ठ इकॉनमिस्ट शू तिआनचेन ने पुरजोर शब्दों में कहा, टैरिफ 50 प्रतिशत हो या 500 प्रतिशत, अब फर्क नहीं पड़ता, अमेरिका की "ब्लैकमैलिंग' के खिलाफ पूरी लड़ाई लड़ने को तैयार हैं

- पर, चीन ने हर रास्ता बंद नहीं किया है बातचीत के लिये। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने कहा, "ट्रेड वॉर (वाणिज्य व व्यापार के युद्ध में) कोई भी विजेता नहीं होता।"
- साथ में चीन ने अपने ऑफिशियल मीडिया में जनता के मनोबल के लिये यह भी कहा कि "ट्रेड वॉर" से कुछ पत्ते व शाखाएं जरूर टूट के गिर सकती हैं। पर, हमारी इकॉनमी का मुख्य तना, मजबूती से खड़ा रहेगा।

- सुकुमार साह -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 9 अप्रेल। "यह ब्लैकमेल है", बंदूक की गोली की तरह गूंजे इन दो शब्दों के साथ चीन ने उस समय अपना आक्रोश दर्शाया जब अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने चीन के माल पर 50 प्रतिशत का नया क्रूर टैरिफ लगाने की धमकी दी और चौबीस घंटों का अल्टीमेटम दिया।

ट्रम्प ने कहा कि यदि बीज़िंग अमेरिका के माल पर लगाया गया अपना नवीनतम 34 प्रतिशत प्रतिशोधी शुल्क वापस नहीं लेता है तो टैरिफ वॉर और अधिक तेज होगा।

दोनों पक्ष यदि पीछे नहीं हटे तो अमेरिका के बाज़ार में आने वाले चीनी माल पर चौंकाने वाला 104 प्रतिशत टैरिफ एक सच्चाई बन सकता है – एक ऐसी धमाकेदार वृद्धि जिसके परिणामस्वरूप पहले से चल रहा व्यापारिक टकराव पूर्ण आर्थिक भूकंप का रूप ले सकता है।

चीन की प्रतिक्रिया साहसी, स्पष्ट व क्रोध से भरी थी। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने कहा, "चीन के विरूद्ध टैरिफ बढ़ाने की अमेरिका की धमकी एक गलती के ऊपर दूसरी गलती है, जो एक बार फिर यू.एस. के ब्लैकमेल करने के स्वभाव को उजागर करती है।"

मंत्रालय ने अपने संदेश के अंत में कहा, "यदि अमेरिका अपनी ही चलाएगा, तो चीन भी अंत तक लड़ेगा।" फिर भी, बीज़िंग ने बातचीत के लिए दरवाजा खुला छोड़ा और विनाश के बदले "संवाद" को प्राथमिकता देने की बात को दोहराया तथा विश्व से ज्यादा वॉशिंगटन को चेतावनी दी कि "व्यापार युद्ध में किसी की जीत नहीं होती।"

इन शब्दों के पीछे एक तेज रणनीति छुपी है। चीन अब रक्षात्मक मुद्रा में नहीं खेल रहा है। वह अमेरिका की "एकतरफा दादागिरी" के वातावरण को राजनीतिक दृष्टि से संतुलित करने के लिए प्रतिद्वंदी विकल्प के रूप में उभरना चाहता है। सप्ताहांत के दौरान, राज्य मीडिया ने फिर से जोर दिया, नागरिकों को आश्वस्त किया कि व्यापार युद्ध शाखाओं को तो हिला सकता है लेकिन तना मजबूती से खड़ा रहेगा। कम्युनिस्ट पार्टी के प्रमुख अखबार, पीपल्स डेली, में एक जोशीले संपादकीय में कहा गया "आसमान नहीं गिरेगा।"

हालांकि ट्रंप अप्रभावित दिखते हैं। मंगलवार को बोलते हुए उन्होंने कहा कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत ने बाँग्लादेश को अब तक दी जा रही "ट्रांज़िट फैसिलिटी" रद्द की

इस फैसिलिटी के अंतर्गत, बाँग्लादेश, भारतीय लैण्ड एण्ड कस्टम स्टेशन पर ट्रांसशिपमैंट की सुविधा का उपयोग कर भूटान और नेपाल को माल भेजा करता था

- पर, अब यह सुविधा रद्द करने के बाद, बाँग्लादेश के साथ-साथ भूटान व नेपाल को भी भारी असुविधा होगी। अतः अब भूटान व नेपाल को भारत को काफी होशियारी से समझाना होगा कि भारत का टारगैट बाँग्लादेश है, भूटान व नेपाल नहीं।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 अप्रेल। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और बाँग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस के बीच हुई हालिया वार्ता से लगता है दोनों देशों के संबंधों में कोई सुधार नहीं हुआ है, जिसकी वज़ह से भारत ने बाँग्लादेश से एक प्रमुख "ट्रांज़िट" (पारगमन) सुविधा वापस ले ली है, जिसके जरिए बाँग्लादेश भारतीय क्षेत्र से अपना माल अन्य देशों को भेजता है। ऐसा करने में वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गनाइज़ेशन के नियमों के उल्लंघन का खतरा है।

भारत सरकार ने मंगलवार को एक सर्कुलर जारी कर उस मार्ग का अवरूद्ध कर दिया, जहाँ से बाँग्लादेश भूटान व नेपाल का सामान भेजता हैं, इसमें वह भारत के लैंड कस्टम स्टेशनों से लेकर बंदरगाहों व हवाई अड्डों तक का इस्तेमाल करता है।

जो कार्गो पहले से रास्ते में हैं, उन्होंने मौजूदा प्रक्रिया के तहत बाहर निकलने की अनुमति दी जाएगी, लेकिन इस सुविधा को तत्काल बंद कर दिया गया है।

गत कुछ माह से भारत–पाक संबंध में काफी तनाव है और यूनुस की हालिया चीन यात्रा के बाद तो संबंध और बिगड़ गए हैं, क्योंकि वहाँ उन्होंने कहा था कि भारत के लैंडलॉक्ड (चारों तरफ जमीन से घिरे) पूर्वोत्तर राज्यों के विपरीत बाँग्लादेश समुद्र तक जाने का एकमात्र द्वार है।

भारत सरकार के पारगमन सुविधाओं को वापस लेने के निर्णय को बाँग्लादेश के उस निर्णय की सीधी प्रतिक्रिया के रुप में देखा जा रहा है,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पेपर लीक में फतेहगढ़ एसडीएम गिरफ्तार

जैसलमेर, 9 अप्रेल (नि.सं.)। जैसलमेर जिले के फतेहगढ़ एसडीएम हनुमानाराम को बुधवार तड़के जयपुर से आई एसओजी की टीम ने पकड़ा। सूचना है कि हनुमानाराम को एस आई भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले में पकड़ा गया है। एसओजी अब जयपुर मुख्यालय पर एसडीएम हनुमानाराम से पूछताछ करेगी।

सूत्रों से मिली जानकारी के

- जयपुर से आई एसओजी टीम पकड़कर जयपुर मुख्यालय ले गई।

अनुसार, जोधपुर रेंज पुलिस की टीम द्वारा 3 दिन पहले पकड़े गए पेपर लीक के सूत्रधार नरपतराम और उसकी पत्नी इंद्रा ने पूछताछ में एसडीएम हनुमानाराम का नाम लिया है। शायद इसी शक पर हनुमानाराम को एसओजी जयपुर की टीम ने पकड़ा है। अब पूछताछ के बाद ही पकड़े जाने के मामले में खुलासा हो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेस अधिवेशन में प्रियंका गांधी की कमी खली

उनका चित्र मंच के पीछे बैकड्रॉप के रुप में जरुर था, तथा सभी डैलिगेट्स राहुल की प्रशंसा में ही जुटे रहे, तथा दो डेलिगेट्स के अलावा किसी ने प्रियंका गांधी का जिक्र भी नहीं किया

- दूसरी उल्लेखनीय बात थी, पश्चिम बंगाल पर केवल एक ही डैलिगेट बोला मंच से। क्या, यह इस बात का संकेत था, कि कांग्रेस अगले चुनाव में ममता बनर्जी के साथ मिलकर लड़ेगी और अभी आक्रमक भाषणबाजी करके, ममता बनर्जी से बातचीत के सभी रास्ते बंद नहीं करना चाहती।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 अप्रेल। सारे दिन चले अधिवेशन में बहुत सारे डेलिगेट्स ने अलग –अलग बिन्दु उठाये, लेकिन उन सभी भाषणों में एक बात सामान्य थी, और वही थी –राहुल गांधी की प्रशंसा। प्रियंका गांधी अधिवेशन में मौजूद भले ही नहीं थीं लेकिन उनका फोटो मंच की पृष्ठभूमि में दिखाई दे रहा था। दो वक्ताओं के अलावा, अन्य किसी वक्ता ने अपने भाषण में उनका जिक्र नहीं किया।

अपने प्रस्ताव "न्याय पथ" में कांग्रेस ने कहा है कि वह इंडिया गठबंधन को जारी रखने के लिये संकल्पित है तथा इसकी सफलता सुनिश्चित करने के अपने प्रयास जारी रखेगी।

सचिन पायलट ने प्रस्ताव पेश करते हुये कहा कि कांग्रेस अपने गठबंधन को जारी रखने के लिये संकल्पित है, ताकि विभाजनकारी भाजपा–आरएसएस का सामना किया जा सके, जिन्होंने संविधान पर हमला बोला है।

जहाँ वक्फ विधेयक ने विपक्ष को एकजुट किया था, वहीं कल "डेटा प्रोटैक्शन एक्ट" पर दिल्ली में इंडिया गठबंधन की एक संयुक्त प्रैस कॉन्फ्रैंस आयोजित की जा रही है। इस संबंध में इंडिया गठबंधन ने यह स्पष्ट कर दिया है कि संसद के अगले सत्र में, गठंधन इस मुद्दे का संयुक्त रूप से उठायेगा। डेटा प्रोटेक्शन बिल का उपयोग आरटीआई को कमज़ोर करने के लिये किया जा रहा है। दरअसल, मोदी सरकार आरटीआई (सूचना का अधिकार) एक्ट को कमज़ोर करना चाह रही है।

रोचक बात यह है कि एआईसीसी अधिवेशन में पश्चिम बंगाल से केवल एक ही वक्ता थे। इससे ऐसी अटकल लगाई जा रही है कि नेतृत्व ममता बनर्जी के साथ गठबंधन के विकल्प खुले रखे हुये है। यही कारण रहा है कि अधिवेशन में ममता बनर्जी तथा तृणमूल कांग्रेस पर कोई कड़ा प्रहार नहीं किया गया। राज्य के विधानसभा चुनाव अभी एक वर्ष दूर हैं तथा पार्टी किसी भी प्रकार के समझौते की अपनी कोशिशों को लेकर आशान्वित है। राहुल गांधी ने अपने भाषण के दौरान अपने दो प्रिय विषयों – भाजपा–आरएसएस की "हेट" राजनीति और विभाजनकारी राजनीति का एजेंडा, तथा जातिगत जनगणना पर फोकस किया।

तेलंगाना, जहाँ रेवन्त रेड्डी सरकार ने जातिगत जनगणना करायी है, का उदाहरण देते हुये, राहुल गांधी ने कहा कि तेलंगाना में पिछड़े, दलित, आदिवासी लोग कूल जनसंख्या का 90 प्रतिशत है लेकिन कॉर्पोरेट्स में तथा ऊँची नौकरियों में उनका कोई स्थान नहीं है। उन्होंने कहा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

253 सिख श्रद्धालु पाकिस्तान रवाना

नयी दिल्ली, 09 अप्रैल। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति ने गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी से 253 श्रद्धालुओं के जत्थे को बैसाखी और खालसा दिवस मनाने के लिए पाकिस्तान रवाना किया।

गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब से अरदास करने के बाद जत्था रवाना किया गया। यह पाकिस्तान स्थित गुरुद्वारों के दर्शन करने के बाद वापस लौटेगा।

- ये सभी बैसाखी व खालसा दिवस मनाने जा रहे हैं तथा पाकिस्तान के सभी गुरुद्वारों के दर्शन करके लौटेंगे।

इस अवसर पर दिल्ली समिति सलाहकार परमजीत सिंह चढ़्ोक ने सभी श्रद्धालुओं का सम्मान किया। समिति के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका और महासचिव जगदीप सिंह काहलों भी मौजूद रहे।

चढ़्ोक ने बताया कि इस बार देश भर से 6751 श्रद्धालुओं को पाकिस्तान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'हम पनामा कैनाल को चीन के प्रभाव से मुक्त करायेंगे'

अमेरिका के रक्षा मंत्री का यह दंभपूर्ण वक्तव्य प्रतीकात्मक जरुर है, व्यवहारिक नहीं

- पहली बात तो यह है कि पनामा कैनाल न तो चीन के नियंत्रण में है और न ही अमेरिका के कंट्रोल में, और दोनों के बीच लड़ाई की जड़ वाणिज्य है न कि प्रशासनिक मैनेजमैंट।
- 31 दिसम्बर, 1999 को टोरीजोस-कार्टर संधि व समझौते के बाद, अपने पनामा की सार्वभौमिकता का सम्मान करते हुए, पनामा कैनाल पर से अपने सारे दावे स्वयं निरस्त कर दिये थे और अब उन्हें पुनः जीवित करना असंभव है।
- अब अमेरिका किसी भी कानूनी व व्यवहारिक तरीके से पनामा कैनाल का कंट्रोल प्राप्त नहीं कर सकता।
- और अभी लड़ाई कैनाल के "फिज़िकल" कंट्रोल के बारे में नहीं, बल्कि, दो सुपर पावर को यह जताने की है, कि किसका विश्व में प्रभाव ज्यादा है और अमेरिका अपने मित्र व गुट के देशों को यह जताना चाहता है कि वह चीन की हर चाल को ध्यान से देख रहा है और कार्यवाही कर सकता है।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 अप्रेल। अमेरिका के डिफैंस सैक्रेटरी ने हाल ही में यह घोषणा की थी कि अमेरिका पनामा नहर को चीन के प्रभाव से वापस लेगा, तो यह बयान रणनीतिक व कूटनीतिक क्षेत्रों में चर्चा का विषय बन गया। यह बयान चीन के विश्व में बढ़ते प्रभाव के प्रति अमेरिका की चिंता को दर्शाता है, खासकर पश्चिमी गोलार्द्ध में, लेकिन यह बयान प्रतीकात्मक ज्यादा है, क्योंकि इस पर कोई एक्शन नहीं हो सकता है, क्योंकि नहर चीन के नियंत्रण में नहीं है और न ही अमेरिका के नियंत्रण में है। यह पूरी तरह से पनामा के स्वामित्व में है और वहीं इसका संचालन भी करता है।

पनामा नहर पर पनामा का नियंत्रण 31 दिसंबर 1999 से है, जब टॉरिजो–कार्टर संधियों के तहत, अमेरिका ने नहर क्षेत्र पर अपनी सभी दावों को छोड़ दिया था, जो पनामा की संप्रभुता का सम्मान करने का प्रतीक था।

हालाँकि, चीन की लिप्तता वाणिज्यिक है, न कि शासन संबंधित चीनी कंसोर्टियम, खासकर हचिसन वामपोआ, नहर के पास के बंदरगाहों–बालबोआ (प्रशांत महासागर की साइड पर) और कोलोन (अटलांटिक महासागर की साइड पर) का संचालन करते हैं, जिससे उन्हें भारी लॉजिस्टिक लाभ मिलता है। इसके अलावा बीज़िंग के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के तहत, पनामा में चीन का निवेश लगातार बढ़ा है। वर्ष 2017 में पनामा ने चीन के पक्ष में ताईवान से संबंध तोड़ लिए थे, जिससे बीज़िंग का क्षेत्रीय प्रभाव और मजबूत हुआ।

कानूनी दृष्टिकोण से ऐसा कोई अंतरर्राष्ट्रीय तंत्र या संधि नहीं है जो संयुक्त राज्य अमेरिका को पनामा की संप्रभुता का उल्लंघन किए बिना नहर को फिर से कब्जे में लेने या चीनी कंपनियों को बाहर करने की अनुमति देती हो। पनामा भी मौजूदा समीकरण बदलने की इच्छा नहीं दर्शा रहा है। कैनाल अथॉरिटी (एसीपी) पनामा में राष्ट्रीय नियंत्रण का एक गर्वित प्रतीक है, और पनामा के लोग शायद ही विदेशी शक्तियों– अमेरिका या चीन, को शर्तें निर्धारित करने की अनुमति देंगे।

व्यावहारिक रूप से, हालांकि वॉशिंगटन अधिक सूक्ष्म तरीकों से प्रभाव डाल सकता है। एक तरीका है, आर्थिक काउंटरऑफर के माध्यम से– अमेरिकी या सहयोगी देशों के बुनियादी ढांचा निवेशों का समर्थन करके, अमेरिका चीनी–निधित परियोजनाओं के लिए व्यवहार्य विकल्प प्रस्तुत कर सकता है। एक अन्य रास्ता सुरक्षा साझेदारी बनाने का है, सैन्य सहयोग या खुफिया जानकारी साझा करने की पेशकश पनामा के नीति निर्माताओं को आकर्षित कर सकती है, जो रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखने के लिए चिंतित हैं। इसके अतिरिक्त, अमेरिका कूटनीतिक दबाव डाल सकता है, बहुपक्षीय मंचों या क्षेत्रीय संधियों के माध्यम से दबाव डाल सकता है, जिनका लक्ष्य पनामा की चीन की पूंजी पर निर्भरता का कम करना है।

रक्षा सचिव के शब्दों को नीति के प्रारुप के रूप में पढ़ने से बेहतर है, उन्हें रणनीतिक संकेत के रूप में समझा जाए। जैसे–जैसे चीन के साथ तनाव बढ़ रहे हैं–सेमीकंडक्टर, शिपिंग मार्ग, दुर्लभ पृथ्वी तत्व और सैन्य गठबंधनों के क्षेत्रों में पनामा का महत्व काफी ज्यादा बढ़ जाता है।

असल में यह सारी चर्चा पनामा के बारे में कम और दो महाशक्तियों के बीच दबदबे के लिए चल रही प्रतियोगिता के बारे में ज्यादा है। वॉशिंगटन अपने सहयोगियों और प्रतिद्वंदियों से यह कह रहा है कि हम चीन की हर चाल पर नज़र रख रहे हैं, यहाँ तक कि हमारे पारंपरिक क्षेत्र में भी।

संयुक्त राज्य अमेरिका पनामा नहर को किसी कानूनी या व्यावहारिक तरीके से वापस नहीं ले सकता। लेकिन वह चीन के बढ़ते प्रभाव को चुनौती दे सकता है। सिर्फ नहर में ही नहीं, बल्कि उसके आस–पास की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

मैं ही आग हूँ, मैं ही कूड़ा-करकट। अगर मेरी आग कूड़ा-करकट जलाकर भस्म कर दे तो मैं अच्छा जीवन पाउँगा। –खलील जिब्रान

मोबाइल बच्चों की जिज्ञासा, आत्मविश्वास और रचनात्मकता खत्म कर रहा है

बच्चों की सफलता और श्रेष्ठता की चाहत प्रत्येक माता-पिता को होती हैं। और उसके लिए वह हर संभव प्रयास भी करते हैं। उनके प्रयास सार्थक हों और बच्चे उनके अनुरूप सफलता प्राप्त करें, इसके लिए वे कोई कोर-कसर नहीं छोड़ते। बच्चों की परवरिश में माता-पिता जी जान लगा रहे हैं। अपने बनाए लक्षय की पूर्ती के लिए उनके जीवन का पूरा नक्शा भी अधिकतर हम ही बनाते हैं। अपने सपनों को पूरा करने के लिए बच्चों को गलतियां करने दें, खूब खेलने दें, खूब पढने-लिखने दें। और फिर उन्हें अपना रास्ता आपके माध्यम से खुद तलाशने दीजिए। हर समय हम चिंतित रहते हैं कि उनका बच्चा वर्तमान समय में हर क्षण का सदुपयोग नहीं कर रहा हैं। यह माता-पिता के लिए चिंता का विषय भी बना हुआ हैं। हमारा बच्चा अधिकतर समय मोबाइल कि दुनिया में खोया रहता हैं। मैं अनेक स्कूलों में जब अपनी बात रखने जाता हूं, तो अध्यापिकाएं चिंतित होते हुए सवाल करती है कि कैसे बच्चों से मोबाइल छुडवाया जाए। उन्हें इसका उपाय किसी सिरे से दिखाई नहीं देता। और मुझसे उसका निराकरण करने का आठाह भी करती हैं। मैं भी मानता हूं बच्चों के मोबाइल देखने की प्रवृत्ति से माता-पिता चिंतित हैं। लेकिन मेरा यह मानना है कि वह केवल चिंतित है चिंतन नहीं कर रहे। कैसे बच्चों को मोबाइल से दूर किया जा सके, इस पर वह थोड़ा बहुत चिंतन कर ले तो बच्चे मोबाइल से दूर हो सकते हैं। बच्चों को मोबाइल से चिपके रहने में माता-पिता और विद्यालय दोनो का बड़ा योगदान हैं। इस पर चिंतन-मनन करने से बच्चों को मोबाइल से दूर किया जा सकता हैं।

पिछले दिनों मैं कुछ अभिभावकों से बात कर रहा था, उन्होंने तर्क दिया की बच्चों का होमवर्क मोबाइल पर आता है। इसलिए बच्चों को मोबाइल देना पड़ता हैं। बदलते समय में स्कूल प्रशासन को गंभीरतापूर्वक सोचना होगा कि यह प्रवृत्ति उचित नहीं हैं। इस पर रोक लगाई जानी चाहिए अगर हम थोड़ा पीछे जाएंगे तो प्रत्येक बच्चें की अभ्यास पुस्तिका में अध्यापक अपने हाथ से होमवर्क लिखते थे, अथवा ब्लैक बोर्ड पर लिख देते, जिससे प्रत्येक बच्चा अपनी अभ्यास पुस्तिका में गृहकार्य उतार लेता।

स्कूल प्रशासन को इस विषय पर गंभीरता से मंथन करना होगा। क्योंकि बच्चे जब मोबाइल से होमवर्क करने लगते हैं तो वह अपने दिमाग और पुस्तक को काम में नहीं लेते और सीधे गूगल बाबा से सवाल का उत्तर प्राप्त करते हुए अभ्यास पुस्तिका में लिख डालता हैं जो बच्चों को आगे बढ़ने और सोचने-समझने की पृवर्ती से पूरी तरह बाधित करता हैं।

> **बच्चे जितना अधिक मोबाइल से चिपके रहेंगे, वह सुनना, कहना और बातें करना भी कम कर देंगे। उनकी जिज्ञासा आत्मविश्वास और रचनात्मकता खत्म होने लगेगी। और तो और मोबाइल के कारण सामाजिक और भाषाई विकास से भी वंचित रहेंगे। इस समस्या के समाधान में हमारे अध्यापक और स्कूल प्रशासन इस प्रवृत्ति पर रोक लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं**

बच्चे जितना अधिक मोबाइल से चिपके रहेंगे, वह सुनना, कहना और बातें करना भी कम कर देंगे। उनकी जिज्ञासा आत्मविश्वास और रचनात्मकता खत्म होने लगेगी। और तो और मोबाइल के कारण सामाजिक और भाषाई विकास से भी वंचित रहेंगे। इस समस्या के समाधान में हमारे अध्यापक और स्कूल प्रशासन इस प्रवृत्ति पर रोक लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। मोबाइल की प्रवृत्ति को रोकने में स्कूल को भी धैर्य से मंथन करना होगा।

माता-पिता खुद भी बच्चों के मोबाइल की प्रवृत्ति को अधिक बढ़ा रहे हैं, छोटे बच्चों को खाना खिलाते समय, बच्चा अगर रो रहा है तो मोबाइल देकर के चुप कराने की प्रारंभिक प्रवृत्ति ही खतरे की घंटी बजा रही है। मोबाइल की दुनिया में बच्चों को इतना अधिक गोता लगाया जा रहा है, जिसका निराकरण ऐसा ना हो कि बच्चा डूबता ही चला जाए। न तो घर के आंगन में बचपन की किलकारी सुनाई दे रही है और ना बचपन उछल-कूद कर रहा हैं। बच्चें गौडाळिया भी नहीं चल रहे । बच्चों का बचपन मोबाइल तक सिमट कर रह गया हैं।

जब बच्चा बड़ा होता है, स्कूल जाने लगता है, घर आते ही खाने के समय मोबाइल और वहा पर माता-पिता भी उसके पास बैठे हुए अपना मोबाइल चलाते रहते हैं। अनेक बार माता-पिता को पता ही नहीं चलता कि बच्चा मोबाइल देखते-देखते किस दुनिया में चला गया है, कौन सी पिक्चर देख रहा है, कौन सी रील देख रहा है। धीरे-धीरे यह समस्या बड़ा रुप धारण कर लेती है।

इसका निदान यह हो सकता है कि जब बच्चा घर में हो उस समय माता-पिता खुद भी मोबाइल ना देखें, मोबाइल पर बात बहुत अधिक जरूरी हो तभी करें, क्योंकि हम ऐसी स्थिति में बच्चों को विद्रोही भी बना देते हैं, जब बच्चा यह कहने लगता है कि आप भी तो हर समय मोबाइल देखते हैं।

बच्चें प्यार की भाषा समझते हैं। मेरी दादी कहां करती थी की भूख किसी की सगी नहीं होती, जब भूख लगेगी तो वह स्वयं रोटी मांगेगा। माता-पिता को थोड़ा ना कहना भी सीखना होगा। बेहतरीन पैरंट्स बनने की अगर कोशिश की जाए तो बच्चों को मोबाइल के लिए ना कहना चाहिए, वर्तमान दौर में असल चुनौती पेरेंट्स की यही है कि वह बच्चों को मोबाइल की दुनिया से दूर कैसे करे। पहले खुद भी ऐसे समय मोबाइल का उपयोग करें जब बच्चे घर में न हो ।

जब बच्चें घर में हो तो उनके साथ खेले, उनसे खूब बतियाएं, एक दूसरे के अनुभव से रूबरू हो।

धैर्य और अनुशासन से परवरिश स्वाभाविक होती है। हम उसके साथ स्कूल की बातों को सुने, उनके दोस्तों की बातों को सुने, उनको पार्क में ले जाएं, खेल मैदान में ले जाएं। अनेक बार तो हम बच्चे को खेल के मैदान में ले जाते हुए बच्चों को मैदान में छोड़कर हम खुद मोबाइल की दुनिया में खो जाते हैं। अगर हमें हमारे बच्चे को स्वाभाविक रूप से विकसित करना है तो हम भी पहले मोबाइल की दुनिया में गोता लगाना कम करें तभी इस प्रवृत्ति पर रोक लगाई जा सकेगी।

बच्चों के चरित्र निर्माण में माता-पिता ही वास्तविक रूप से काम करते हैं।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र जोशी,
साहित्यकार-शिक्षाविद

राशिफल गुरूवार 10 अप्रैल, 2025

पंडित अनिल शर्मा

चैत्र मास, शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2082, पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र दिन 12:25 तक, वृद्धि योग सायं 6:59 तक, कौलव करण दिन 11:58 तक, चन्द्रमा सायं 7:05 से कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मीन, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-कर्क, बुध-मीन, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज रवियोग दिन 12:25 से आरम्भ होगा। आज प्रदोष व्रत, अनंग त्रयोदशी, श्री महावीर जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:46 तक, चर 10:54 से 12:28 तक, लाभ-अमृत 12:28 से 3:36 तक, शुभ 5:10 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:12, सूर्यास्त 6:44

मेष

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

कर्क
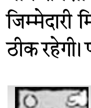
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
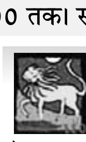
नौकरीपेशा व्यक्तियों पर प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे।

कन्या

आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

तुला

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्य सुगमता से सम्पन्न होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

वृश्चिक
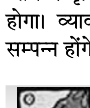
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

धनु

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर
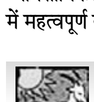
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कुंभ
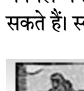
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मीन
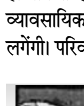
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

वर्तमान समय में भगवान महावीर के सिद्धांतों की प्रासंगिकता –2

भागचन्द जैन मित्रपुरा

(गतांग से आगे जारी.....)

उत्तम सत्य वचन मुख बोले, सो प्राणी संसार न डोले। सत्य वचन बोलने वाले का आत्म कल्याण निश्चित है, वह संसार में आवागमन से मुक्ति का पात्र बन जाता है। जैन दर्शन में सत्य का अर्थ मात्र ज्यों का त्यों बोलने का नाम नहीं है, बल्कि हित-मित-प्रिय वचन बोलने से है। हितकारी वचन यानि जिसमें जीव मात्र की भलाई हो, कहने का अभिप्राय ये है कि जिन वचनों से यदि किसी जीव का अहित होता हो तो वे वचन सत्य होते हुये भी असत्य के बराबर ही है।

5. अचौर्य – अचौर्य का सीधा अर्थ है चोरी नहीं करना। किसी वस्तु को भौतिक रूप से चुराने से ही नहीं है, बल्कि व्यक्ति की गलत भावना, प्रयोजन, इरादा भी है। बिना पूछे किसी की वस्तु का उपयोग भी चोरी की श्रेणी में आता है। टैक्स चोरी, जमाखोरी, मिलावट छात्र द्वारा परीक्षा में नकल करना, डिजिटल उपकरण का प्रयोग करना आदि सभी चोरी करना ही है। लालच एवं लोभ से चोरी करने की आदत बलवती होती जाती है। यदि सभी लोग चोरी करने लगे तो यह समाज ही नष्ट जायेगा। चोरी करना अपराध ही नहीं, पाप भी है।

6. अपरिग्रह – अपनी जरूरी आवश्यकता से अधिक संग्रह नहीं करने की भावना रखना या संग्रह नहीं करना को अपरिग्रह कहा गया है। अपरिग्रह भावना से अहिंसा एवं जरूरतमंद के प्रति दया, परोपकार की भावना स्वत: जागृत होती है। संसार में किंचित मात्र भी मेरा कुछ नहीं है, यह भावना अपरिग्रह का अंग है। शास्त्रों में कुल चौबीस प्रकार के अपरिग्रह माने गए हैं। भगवान महावीर का अपरिग्रह सिद्धान्त सीमित संसाधनों के साथ जीवन यापन करना सिखाता है।

7. ब्रह्मचर्य – या ब्रह्मिण स्वात्मनि शुद्धबुद्धे चर्या परद्रव्यमुचप्रवृत्ति: तद् ब्रह्मचर्यम। पर द्रव्यों से रहित शुद्वबुद्ध अपनी आत्मा में जो चर्या अर्थात् लीनता होती है, उसे ब्रह्मचर्य कहते है। साधु संतो को सर्वथा स्त्री संसर्ग का त्याग एवं गृहस्थों के लिए स्वपत्नी संतोष व्रत ही व्यवहार में ब्रह्मचर्य है। महावीर स्वामी ब्रह्मचर्य को तपस्या में एक महत्वपूर्ण हिस्सा मानते थे। महावीर के अनुसार जो ब्रह्मचर्य का कड़ाई से पालन करते है, वे मोक्षमार्ग की और बढ़ते है।

8. अनेकांतवाद – स्यादवाद : इस संसार में प्रत्येक वस्तु अनेकांतात्मक है। प्रत्येक वस्तु में अनेक गुणों और धर्मो का समावेश होता है। प्रत्येक वस्तु प्रतिक्षण गतिमान एवं परिवर्तनशील है। उसके रूप, भाव, आकार तथा परिमाण में प्रतिपल न्यूनाधिक परिवर्तन होता रहता है। ¬

9. क्षमा– तीर्थंकर महावीर ने क्षमा को मनुष्य की आत्मा का स्वाभाविक धर्म कहा है। उसके विभाव रूप परिणाम से ही जीव क्रोधी हो जाता है। क्रोध आत्मा का स्वभाव नहीं हो सकता। क्रोध को कम करना या छोड़ना क्षमा है। क्षमा करने एवम मांगने से अपनी आत्मा की शुद्धि होती है। मनमुटाव, कटुता, बदले की भावना दूर हो सकती है। ऐसा होने पर मानव अपने कर्तव्य पथ पर निडर होकर आगे बढ़ सकता है।

10. महावीर जीवन ने जीने की कला की तरह ही मृत्यु को एक उत्सव में परिवर्तित कर दिया। संलेखना आत्महत्या नहीं, मोक्ष की साधना है। हम अंतिम लक्ष्य संलेखना के माध्यम से अपनी जीवन यात्रा निर्वहन का संकल्प लेकर धर्म की पराकाष्ठा की ओर बढ़ सकते है।

1. विभिन्न देशों के बीच युद्ध एवं तनाव : रूस– यूक्रेन, इजराइल–हमाश, लेबनान, ईरान आदि के बीच जारी युद्ध, चीन-ताइवान, उत्तरी कोरिया – दक्षिणी कोरिया, भारत – चीन, पाकिस्तान आदि विश्व के विभिन्न देशों के बीच जारी तनाव को दूर करने का एक मात्र उपाय महावीर के अहिंसा, अपरिग्रह, अनेकांतवाद, क्षमा के सिद्धांत को समझना एवं क्रियान्वित करना है। युद्ध से विनाश के अतिरिक्त कोई उपलब्धि नहीं मिलने वाली है। इस सिद्धांत के अनुसार अब कई देश शांति की ओर अग्रसर होने का प्रयास कर रहे है।

2. सम्प्रदायवाद एवं आतंकवाद वैश्विक शांति के समक्ष सबसे बड़े अवरोधक हैं। विविध प्रकार की आतंकी गतिविधियों से दुनिया के किसी न किसी कोने में हर रोज अस्थिरता देखने को मिलती है। अपना देश इसका सटीक उदाहरण है। मुंबई, पठानकोट, कश्मीर, जयपुर, पुलवामा आदि एवं अमेरिका सहित अन्य देश भी आतंकवाद का शिकार है। महावीर के सिद्धांत मन मस्तिष्क, हृदय परिवर्तन करने में सक्षम है।

3. असंतुलित आर्थिक विकास भी संपूर्ण विश्व के समक्ष एक प्रमुख चुनौती है। विश्व के कुछ ही देश विकसित राष्ट्र की श्रेणी में आते है। कई देशों में भुखमरी, कुपोषण की विकराल समस्या है। महावीर का सर्वोदयी एवं अपरिग्रह का सिद्धांत इन सब से निपटने में कारगर है। संपन्न एवं आधिक्य परिसंपत्ति वाले देश जरूरत मंद देशों की आवश्यक सहायता कर अपने समकक्ष लाने का प्रयास कर सकते है एवं विश्व समृद्धि एवं शांति का मार्ग प्रशस्त कर सकते है।

4. स्वास्थ्यपूर्ण जीवन शैली की समस्या महावीर के अहिंसा के सिद्धांत से शाकाहार, योग ध्यान द्वारा शारीरिक एवम मानसिक रूप से स्वास्थ्यपूर्ण जीवन जिया जा सकता है। पहला सुख निरोगी काया है। कोरोना काल में महावीर के सिद्धान्त व जैन जीवन शैली पूर्णतया कारगर रही है।

5. पर्यावरण एवं प्रदूषण की समस्या जल, वायु, ध्वनि, मृदा प्रदूषण वैश्विक स्तर पर बढ़ता ही जा रहा है। इस कारण हम जानते है कि वर्तमान में ग्लोबल वार्मिंग की समस्या विकराल रूप लेती जा रही है। जगह-जगह ग्लेशियर पिघल रहे है, महा सागरो का जल स्तर बढ़ रहा है।

6. महामारियों से बचाव-कोविड, बर्ड फ्लू, मैड काऊ एड्स आदि महामारियो से बचाने का उपाय महावीर के सिद्धांतो में निहित है। ये सब बीमारियां, महामारियां मांसाहार की देन है। अहिंसा, शाकाहार, संयम, ब्रह्मचर्य का पालन करने से हम इन सब आपदाओं, विपत्तियों से विमुक्त हो सकते है।

7. संयुक्त परिवारों के विघटन की समस्या : बढ़ते अनाचार एवं व्यभिचार से संयुक्त परिवार के माध्यमं से सहज ही नियंत्रण हो जाता है। अपने जन्म दाता माता पिता की वृद्धावस्था में आसानी से देखभाल हो जाती है। महावीर द्वारा देव शास्त्र गुरु की पूजा की शिक्षा दी जाती है। प्रथम गुरु हमारे माता पिता ही होते है। संयुक्त परिवार में रहकर हम अपनी संस्कृति की रक्षा भी कर सकते है।

8. धर्म में विघटन एवं शिथिलता : आज श्रावक एवं श्रमण महावीर के सिद्धांत से विमुख होते जा रहे है। सभी की चर्यायों में शिथिलता घर कर गई है। दिखावा, आडंबर अपनी चरम पर है। महावीर के सिद्धांत पालन में श्रावको द्वारा छट आवश्यक, सप्त व्यसनों का त्याग, अष्ट मूलगुणों का पालन दूर की कोड़ी हो गया है।

9) जैन धर्म स्थल, तीर्थ क्षेत्र, पुरातन धरोहर अभी सब खतरे में दिखाई दे रहे है। श्री सम्मेद शिखर जी, गिरनार जी, पांवागढ, केसरियाजी, खारवेल की गुफाएं, ग्वालियर मंदिर आदि क्षेत्र पर विघटनकारी शक्तियां अपना कार्य कर रही है। हमे महावीर के सिद्धांतो की पालना करते हुए इन सब समस्याओं से मुक्ति मिल सकती है। सिद्धांतों के साथ समझौता वादी प्रक्रियाओं का स्कोप नहीं है। इनके पालन से अन्य धर्म स्थल भी सुरक्षित रह सकते है। आपसी सद्भावना का वातावरण पनप सकता है।

10) जैन संस्थाओं, ट्रस्ट कमेटियों में व्याप्त शिथिलाचार, धर्म प्रभावना में बाधक है। दिगंबर मुनियों से ही जैन धर्म की पहचान है। उनके आहार, विहार, प्रवास, निहार की समुचित व्यवस्था में कोताही बरती जा रही है। इसी तरह समाज के जरूरतमंदो के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, खानपान की समुचित व्यवस्था नहीं है। महावीर के सिद्धांत हमे इस बारे में सही रास्ता दिखा सकते है। अन्य धर्मों की संस्थाएं भी इन्हे अपना सकती है।

11. आज सामान्य व्यक्ति का जीवन इस प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण में चुनौतीपूर्ण हो गया है। छोटी-छोटी बातों से लोग एक दूसरे के दुश्मन बन रहे है। महावीर का क्षमा का, अपरिग्रह का, अनेकांतवाद का सिद्धांत अपनाकर ही सब कठिनाइयों का निवारण आसनी से किया जा सकता है।

12. मानव अधिकारों का उलंघन : बड़ी मछली छोटी मछली को निगल जाती है। लेकिन महावीर के सिद्धांत सर्वोदय का संदेश देते है, जिसमे न केवल मानव को, बल्कि जीवमात्र के संरक्षण की भावना व्यक्ति गई है।

13. महावीर से पूर्व शूद्रों को निम्न स्थान प्राप्त था। नारी की भी स्थिति हीन थी, उसके लिए साधना के मार्ग बंद थे। महावीर स्वामी ने कठोर वर्ण व्यवस्था का प्रतिकार किया। उन्होंने शुद्र साधु को संघ में स्थान दिया और चंदनबाला जैसी नारी को न केवल दीक्षित किया वरन साध्वी संघ का नेतृत्व भी सौंपा। भारत जैसे देश में जातिप्रथा एवं कट्टरवाद, धर्म, संप्रदाय के नाम पर अशांति अभी भी फैलाई जाती है। महावीर के समता सिद्धांत को स्वीकार करके वसुदेव कुटुंबकम की धारणा मूर्त रूप ले सकती है। भगवान महावीर ने अपने जीवनकाल में सामाजिक कुरीतियों की समाप्ति की दिशा में इन सिद्धांतों का प्रयोग किया। उन्होंने स्त्रियों के उत्थान के लिए दासता, सामाजिक समता, समान दर्जा आदि के लिए शुरूआत की। वर्तमान में महिला सशक्तिकरण के साथ पर्यावरण संरक्षण-ग्लोबल वार्मिंग से बचाव, स्वच्छता, जल संरक्षण, वृक्षारोपण, जनसंख्या नियन्त्रण जैसे अभियानों के संदर्भ में भगवान महावीर के सिद्धांत अत्यधिक प्रासंगिक हो गये है।

14. महावीर ने अणु, परमाणु, जीव, अजीव, पुद्गल की अवधारणा को बहुत पहले ही विस्तृत रूप से प्रस्तुत कर दिया था। उन्ही सिद्धांतों को पीटर हिग्स ने हिग्स बोसन यानी मूलकण जिसे गॉड पार्टिकल कहा गया, के रूप में अपने आविष्कार के तौर पर बताया। महावीर के दिए गए उपदेश से हम आधुनिक विज्ञान की दिशा में और आगे बढ़ सकते है, विश्व का मार्ग दर्शन कर सकते है।

15. महावीर के सिद्धांत में व्यक्ति पूजा की जगह नहीं है, गुणों की ही पूजा की जाती है। णमोंकर मंत्र में पंच परमेष्ठी को नमस्कार किया जाता है, जिन्होंने अपने आंतरिक शत्रु काम, क्रोध, माया, लोभ आदि का नाश कर दिया है। गुणों की आराधना करने में किसी को कोई संशय नहीं सकता है। सही अर्थ में महावीर के सिद्धांत जैन धर्मावलंबियों के लिए ही नहीं है, सभी के लिए है, जन-जन के लिए है। जीवन की इस आपाधापी में महावीर का मार्ग ही सही मार्ग है। महावीर के सिद्धांत सार्वभौमिक, सर्वमान्य, सर्व हितेषी है। आज विश्व की, देश की, समाज की, परिवार की, व्यक्ति की किसी भी समस्या का समाधान महावीर के सिद्धांतो में ही निहित है। विनोबा भावे ने महावीर का सर्वोदय शब्द अपनाया। सर्वपदाम अंतकरम निरंतरम, सर्वोदयम तीर्थ मिदम तवैव। जिसमे सबका अभ्युदय है, वह मेरा अभ्युदय है, इसलिए उसका नाम सर्वोदय रखा। सब दुखों का अंत करता है, सार्वभौम धर्म है मेरा।

वीर निर्वाण संवत् सबसे प्राचीन संवत्

तीर्थंकर महावीर की स्मृति में वीर निर्वाण सम्वत, भगवान महावीर के निर्वाण के अगले दिन से ही 2551 वर्ष पूर्व प्रारंभ हुआ। यह विश्व में सबसे प्राचीन सम्वत है एवम् प्रचलन में है। इससे जैन धर्म संस्कृति की प्राचीनता का आंकलन किया जा सकता है। भगवान महावीर का 2624वां जन्म कल्याणक वर्ष बिना किसी आडंबर, अहिंसा सहित सभी पांच अणु/महाव्रतों का का पालन करते हुए, मनोयोग से मनाए जाने की नितांत आवश्यकता है।

संकलन--भागचंद जैन मित्रपुरा,
पूर्व सहायक महा प्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक; अध्यक्ष, अखिल भारतीय जैन बैंकर्स फोरम, जयपुर;
पूर्व कंसल्टेंट एसबीआई लाइफ

आज पूरी दुनिया में होम्योपैथी की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है

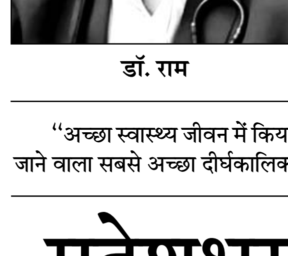

डॉ. राम

"अच्छा स्वास्थ्य जीवन में किया जाने वाला सबसे अच्छा दीर्घकालिक निवेश है, होम्योपैथी के साथ अपने अच्छे स्वास्थ्य में निवेश करें।" होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति के जनक डॉ. क्रिश्चियन फेडरिक सैमुअल हैनिमैन की जयंती पर होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. राम होम्योपैथ चिकित्सक ने बताया कि होम्योपैथी की शुरुआत वर्ष 1796 में डॉ. सेमुअल हैनिमैन सर ने जर्मनी में की थी।

इस दिन को होम्योपैथी के संस्थापक डॉ. सैमुअल हैनिमैन की जयंती के रूप में भी जाना जाता है। आज पूरी दुनिया में लोग होम्योपैथी दवाओं पर भरोसा कर रहे हैं और उसके जरिए अपनी सेहत संबंधी- समस्याओं का उपचार करवा रहे हैं। विश्व होम्योपैथी दिवस 2025 का विषय अनुसंधान को सशक्त बनाना, दक्षता बढ़ाना एक होम्योपैथी संगोष्ठी है।

होम्योपैथिक चिकित्सा प्रणाली में शरीर की स्वयं को ठीक करने की जन्मजात क्षमता में विश्वास है। लाइलाज बीमारियों का पूरी तरह सफल इलाज में पौधों और खनिजों जैसे प्राकृतिक तत्व शामिल होते हैं, जिनके बारे में माना जाता है कि उनमें अंतर्निहित उपचार गुण होते हैं। विश्व के कई देशों में इसका उपयोग होता है। लेकिन भारत इसमें अग्रणी है। होम्योपैथी भी एलोपैथी एवं आयुर्वेद की तरह चिकित्सा सुविधा देती है। यह काफी सस्ती है इस पर लोगों का भरोसा इसलिए भी है क्योंकि इसके साइड इफेक्ट की संभावना नहीं है और ठीक होने की जड़ से हैं। होम्योपैथी की लोकप्रियता आज तेजी से बढ़ रही है और प्रचलित एलोपैथिक चिकित्सा पद्धित के बाद विश्व मे दूसरे स्थान पर पसन्द एवं प्रचलन में लायी जाने वाली होम्योपैथी चिकित्सा पद्धित है। यह रोगों को जड़ से दूर करती है। सबसे बड़ी बात यह कि होम्योपैथी के साइड इफेक्ट्स न के बराबर होते हैं। होम्योपैथी में कारण के पीछे कारण छुपा रहता है उस को जड़ से खत्म कर देती हैं।

करोना जैसी भयंकर महामारी में होम्योपैथी रामबाण साबित हुई। भारत सरकार भी अब इस चिकित्सा पद्धित पर काफी ध्यान दे रही है। इसे भी आयुष मंत्रालय के अंतर्गत जगह दी गयी है। होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धित आज अमेरिका, फ्रांस और जर्मनी में काफी मशहूर है, लेकिन भारत इसमें वर्ल्ड लीडर बना हुआ है। यहां होम्योपैथी डॉक्टर की संख्या ज्यादा है तो होम्योपैथी पर भरोसा करने वाले लोग भी ज्यादा है।

"और हमारी एक पल मानवता की और सेवाएंम,"
"हर घर घर होम्योपैथी"

डॉ. राम
होम्योपैथी चिकित्सा केंद्र एंड रिसर्च सेंटर जयपुर (राज.)

प्रदेशभर के पहलवान कोटा पहुंचे, दंगल आज से

राज्य स्तरीय अण्डर-20 कुश्ती प्रतियोगिता में खिताब पाने के लिए दंगल आज से होगा

कोटा, (निसं)। राज्य स्तरीय अण्डर-20 कुश्ती प्रतियोगिता में खिताब पाने के लिए दंगल आज से प्रारंभ होगा। आयोजन में भाग लेने के लिए प्रदेशभर से महिला और पुरूष पहलवान बुधवार को कोटा पहुंच गए।

कोटा जिला कुश्ती संघ के सचिव हरीश शर्मा ने बताया कि राज्य स्तरीय अंडर-20 कुश्ती प्रतियोगिता का उद्घाटन गुरूवार को राज्य कुश्ती संघ के अध्यक्ष राजीव दत्ता करेंगे। नयापुरा स्थित रघुराई एंडो स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित इस प्रतियोगिता में पुरूष वर्ग में फ्री स्टाइल और ग्रीको रोमन तथा महिलाओं के कुश्ती के मुकाबले होंगे। तीन ही वर्गों में वजन की 10-10 कैटेगरी रखी गई हैं और गुरूवार और शुक्रवार को 15-15 वजन कैटेगरी के फाइनल तक के मुकाबले होंगे।

उन्होंने बताया कि विभिन्न वजन कैटेगरी के विजेता पहलवान राष्ट्रीय अंडर-20 कुश्ती प्रतियोगिता में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस बीच राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता की तैयारियों को बुधवार को अंतिम रूप दिया गया। पहलवानों का कोटा पहुंचने का सिलसिला बुधवार सुबह से ही प्रारंभ हो गया। इनमें अनेक ऐसे पहलवान भी हैं जो राष्ट्रीय या अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धाओं में भाग ले चुके हैं। खिलाड़ियों के साथ आए कोच और रेफरियों के लिए क्लिनिकल सैशन भी आयोजित किया गया जिसमें उन्हें प्रतियोगिता में लागू किए गए कुश्ती के नए नियमों की भी जानकारी दी गई।

कुश्ती प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पहलवानों ने रजिस्ट्रेशन करवाया।

> ■ **अनेक ऐसे पहलवान भी हैं जो राष्ट्रीय या अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धाओं में भाग ले चुके हैं**

पर्यवेक्षकों ने भी देखी व्यवस्थाएं :-प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए अध्यक्ष राजीव दत्ता के निर्देश पर राज्य कुश्ती संघ ने भी उच्च स्तर के तकनीकी अधिकारियों की नियुक्ति की है। राज्य कुश्ती संघ की ओर से नियुक्त किए गए पर्यवेक्षकों ने भी बुधवार को रघुराई एंडो स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का दौरा किया तथा आयोजन समिति के अध्यक्ष और राजस्थान में कुश्ती के वरिष्ठ संरक्षक आईके दत्ता के नेतृत्व में कार्य कर रही पांच समितियों से फीड बैक लिया।

खिलाड़ी मांग सकेंगे डीआरएस :-प्रतियोगिता में निष्पक्षता के लिए राज्य कुश्ती संघ ने विशेष इंतजाम किए हैं। आयोजन के दौरान होने वाले सभी मुकाबलों की दो कैमरों से वीडियो रिकॉर्डिंग की जाएगी। मैच के दौरान किसी अंक को यदि पहलवान चैलेंज करता है तो उसी समय रिकॉर्डिंग देख कर एक विशेष टीम रैफरी के निर्णय की समीक्षा करेगी।

गर्मी को देखते हुए विशेष इंतजाम :-गर्मी के तीखे तेवर देखते हुए आयोजन समिति ने खिलाड़ियों के लिए विशेष इंतजाम किए हैं। रघुराई एंडो स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में विभिन्न स्थानों पर मिस्ट फेन और बड़ी संख्या में कूलर लगाए जा रहे हैं। प्रतियोगिता के दौरान पूरे समय मेडिकल टीमें और एम्बूलेंस भी तैनात रहेंगी।

सरसों और चना की एम.एस.पी. पर खरीद प्रक्रिया शुरू : भजनलाल शर्मा

- श्रीगंगानगर में मिनी सचिवालय के लिए 40 करोड़ रुपये की स्वीकृति जारी
- 'कांग्रेस ने किया किसानों और युवाओं के साथ विश्वासघात'

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारा संकल्प है कि अन्नदाता को उसकी उपज का उचित मूल्य मिले, जिससे उनके जीवन में समृद्धि आए। हमारा लक्ष्य है कि फसल की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद और उसका समय पर भुगतान हो। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के लिए सिंचाई व्यवस्था को बेहतर बनाना प्राथमिकताओं में सबसे ऊपर है। हमारी सरकार किसानों की भलाई और खेती की मजबूती के लिए निरन्तर काम कर रही है। शर्मा अपनी हनुमानगढ़ एवं गंगानगर की दो दिवसीय यात्रा के दूसरे दिन बुधवार को गंगानगर में बीजेपी कार्यकर्ताओं के साथ विभिन्न संवाद कार्यक्रमों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गंगानगर की भूमि किसानों की भूमि है। यहां के किन्नू का स्वाद पूरी दुनिया को भाता है। उन्होंने कहा कि नहर एवं सिंचाई प्रणाली को बेहतर बनाने के लिए उन्होंने कल हरिके से लेकर लोहागढ़ एवं लखुवाली हेड तक निरीक्षण किया तथा आज वे शिवपुर हेड का निरीक्षण करेंगे।

शर्मा ने कहा कि प्रदेश में पिछली सरकार ने अपने पूरे पांच साल के कार्यकाल में केवल 5 लाख 53 हजार मीट्रिक टन मूंगफली की खरीद की। जबकि हमारी सरकार बनने के बाद 4 लाख 85 हजार मीट्रिक टन मूंगफली की खरीद की जा चुकी है। ऐसे ही, पिछली सरकार में मूंगफली का समर्थन मूल्य 5 हजार 850 रुपये था जिसे हमारी सरकार ने बढ़ाकर 6 हजार 783 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार में वर्ष 2022-23 में सरसों का एममसपी 5 हजार 50 रुपये था, जिसे भी हमारी सरकार ने बढ़ाकर अब 5 हजार 950 रूपये प्रति क्विंटल कर दिया है। हमारी किसान हितैषी सरकार द्वारा चना भी 5 हजार 650 रूपये प्रति क्विंटल की एमएसपी पर खरीदा जाएगा। शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार बनते ही हमने प्रदेश में पानी की समस्या को हल करने के लिए अनेक ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। हमने पहले ही महीने में लंबे समय से अटकी ईआरसीपी को लेकर महत्वरपूर्ण समझौता किया। इस परियोजना का काम अब धरातल पर तेजी से हो रहा है। इसी तरह हमने शेखावाटी को यमुना जल समझौते की सौगात दी है। माही बेसिन में जल प्रबंधन, देवास प्रोजेक्ट, नर्मदा का पानी के लाभ अन्य जिलों को मिलने, राजस्थान वाटर ग्रिड कॉर्पोरेशन स्थापना, आईजीएनपी प्रणाली का सुदृढ़ीकरण जैसे विभिन्न निर्णयों से राज्य में सिंचाई एवं पेयजल के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध हो सकेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीगंगानगर और उससे जुड़े क्षेत्रों में जल संसाधनों को सुदृढ़ करने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं शुरू की गई हैं। फिरोजपुर फीडर के अंतर्गत 200 करोड़ रुपये की लागत के कार्य, कंवरसेन लिफ्ट नहर क्षेत्र में क्षितग्रस्त खालों के जीर्णोद्धार का कार्य, भाखड़ा और गंगनहर परियोजना के अंतर्गत शेष रहे खालों का निर्माण, 200 करोड़ रुपये की लागत से रायसिंहनगर, अनूपगढ़, घड़साना, रावला और श्रीविजयनगर के 44 हजार हेक्टेयर सिंचित क्षेत्र में पक्के खालों का पुनर्निर्माण जैसे कार्यों से स्थानीय किसानों को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने श्रीगंगानगर में मिनी सचिवालय की मांग को पूरा करते हुए 40 करोड़ रुपये की स्वीकृति जारी कर दी है।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार समृद्ध एवं खुशहाल राजस्थान की परिकल्पना को साकार करने के निरन्तर निर्णय ले रही है। उन्होंने कहा कि गेहूं के एमएसपी में वृद्धि, किसान सम्मान निधि में बढ़ोत्तरी, 47 लाख किसानों को अल्पकालीन ब्याज मुक्त फसली ऋण का वितरण, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत 3 हजार करोड़ रुपये से अधिक के बीमा क्लेम वितरित जैसे निर्णयों से किसानो को राहत मिल रही है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने किसानों से झूठे वादे किए और युवाओं के साथ भी विश्वासघात किया। हमारी सरकार किसानों के लिए एमएसपी को बढ़ाने से लेकर पेपरलीक प्रकरणों में दोषियों को सजा दिलाने का कार्य करते हुए संकल्प पत्र के सभी वादों को पूरा कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी डबल इंजन की सरकार ने पिछले दो वर्षों में राजस्थान में विकास की नई ऊंचाइयां प्राप्त की हैं। हम युवाओं को 5 वर्ष में 4 लाख नौकरियां देंगे। महिलाओं के लिए प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना में देय राशि में वृद्धि, 14 लाख से अधिक महिलाओं को लखपति दीदी का प्रशिक्षण, मा वाउचर योजना, लाडो प्रोत्साहन जैसी योजनाएं शुरू की गई है।

इस अवसर पर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा, ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, विधायक गुरवीर सिंह बराड़, पूर्व केंद्रीय मंत्री निहालचंद, जिलाध्यक्ष शरणपाल सिंह मान, श्री यादे माटी कला बोर्ड अध्यक्ष प्रहलाद टाक सहित पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने श्रीगंगानगर में की जनसुनवाई

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने हनुमानगढ़ एवं श्रीगंगानगर जिले के दो दिवसीय दौरे के दूसरे दिन बुधवार को गंगानगर में जनसुनवाई की। उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति की समस्याओं को सुना तथा अधिकारियों को उनके उचित निस्तारण के लिए निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, ऊर्जा एवं ग्रामीण विकास विभाग सहित विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं को सुना तथा कई परिवेदनाओं का मौके पर ही निस्तारण किया। जनसुनवाई में आए किसानों ने राज्य सरकार द्वारा सिंचाई व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण संबंधी निर्णयों के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि और आमजन उपस्थित रहे।

बेटे ने गले में कैंची घोंपकर पिता को मौत के घाट उतारा

आरोपी प्रदीप प्रजापत

आरोपी के घर जांच करती एफ.एस.एल.टीम।

- भाई से पिता की हत्या की बात बोलकर फरार हुआ आरोपी

जयपुर। मुरलीपुरा इलाके में एक बेटे ने पिता के गले में कैंची घोंपकर हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी पिता को लहूलुहान हालत में छोड़कर भाग गया। इस बीच उसने अपने भाई को फोन पर हत्या की जानकारी भी दी थी।

थानाधिकारी वीरेंद्र कुरील ने बताया कि विजयबाड़ी के रहने वाले रमेश प्रजापत की हत्या हुई थी। हत्या के आरोप में उसके छोटे बेटे आशीष प्रजापत को 8 अप्रेल को गिरफ्तार किया है। इस मामले में प्रदीप प्रजापत (26) ने अपने भाई के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है कि 7 अप्रेल की रात करीब साढ़े 8 बजे उसके भाई आशीष को फोन आया था। उसने बताया कि मैंने पिता को मार दिया है। घर पहुंचा तो पिता लहूलुहान हालत में फर्श पर पड़े थे। दोस्त के साथ पिता को खेतान हॉस्पिटल लेकर गया। डॉक्टरों ने एसएमएस अस्पताल में रेफर कर दिया, जहां इलाज के दौरान पिता की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार मृतक रमेश प्रजापत टेलर थे और शराब पीने के आदि थे। वह अपने आरोपी बेटे आशीष और बेटी ज्योति के साथ रहते थे। आशीष हार्डवेयर की दुकान पर काम करता है और बहन पढ़ाई कर रही है। शराब को लेकर पिता और बेटे के बीच आए दिन विवाद होता था।

घटना वाले दिन भी दोनों के बीच विवाद हुआ था। गुस्से में आशीष ने कैंची को पिता के गले में घुसा दिया। पिता के खून निकलने पर आशीष डर गया और घर से बाहर निकल कर अपने भाई प्रदीप को फोन कर जानकारी दी। इसके बाद भाग गया।

एस.ओ.जी.ने किया निलंबित सैकंड ग्रेड टीचर को गिरफ्तार

आरोपी उम्मेद सिंह

जयपुर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने निलंबित सेकंड ग्रेड टीचर और दस हजार रुपये का इनामी उम्मेद सिंह को गिरफ्तार किया हैं। आरोपी के खिलाफ वर्ष 2024 में पेपर लीक के सम्बन्ध में एफआईआर दर्ज की गई थी। एफआईआर दर्ज होने के बाद से आरोपी फरार हो गया था। जिस के बाद एसओजी की रिपोर्ट के बाद शिक्षा विभाग ने आरोपी को निलंबित कर दिया था।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एटीएस और एसओजी वीके सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी कई पेपर लीक मामले में लिप्त रहा। आरोपी के खिलाफ वर्ष 2024 में एफआईआर दर्ज हुई थी। एफआईआर दर्ज होने के बाद आरोपी फरार हो गया था। जिस पर शिक्षा विभाग ने उसे निलंबित कर दिया था। इसके बाद एसओजी को जानकारी मिली की आरोपी टीचर उम्मेद सिंह हाजिरी करने के लिए डीईओ कार्यालय जा रहा है। जिस पर एसओजी की टीम ने उसे डिटेन किया और उसे लेकर जयपुर आ रही हैं। आरोपी उम्मेद सिंह निवासी राखणा तहसील रोहट ज़िला पाली के खिलाफ कई पेपर लीक में शामिल होने के आरोप हैं। आरोपी ने उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा 2021, द्वितीय श्रेणी अध्यापक परीक्षा , प्रथम श्रेणी हिंदी व्याख्याता परीक्षा ,शारीरिक शिक्षा अध्यापक भर्ती परीक्षा और रीट लेवल द्वितीय में पैसे लेकर दूसरे कैंडिडेट के स्थान पर डमी के रूप में बैठ कर परीक्षा दी।

युवकों को हनी ट्रैप में फंसाने वाली तीन महिलाएं गिरफ्तार

- गैंग में शामिल फर्जी महिला मीडियाकर्मी भी गिरफ्तार

जयपुर। प्रताप नगर पुलिस ने सोशल मीडिया पर दोस्ती गांठकर युवकों को लूटने वाली तीन शातिर महिलाओं को गिरफ्तार किया हैं। गिरफ्तार तीनों महिलाएं युवकों को दोस्ती के जाल में फंसा कर उनसे पैसा लूटा करती थी। गिरफ्तार महिलाओं के पास से फर्जी मीडिया के कार्ड भी पुलिस को मिले हैं, तीनों महिलाओं को गिरफ्तार कर रिमांड पर लिया गया हैं।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्विनी गौतम ने बताया कि प्रताप नगर थाना पुलिस ने सोशल मीडिया पर दोस्ती कर पैसे लूटने वाली गैंग का खुलासा किया हैं। इस गैंग की महिलाएं ऑनलाइन या ऐप के जरिये लोगों से दोस्ती करती फिर उन्हें मिलने के लिए अपने स्थान पर बुलाती जिस के बाद उन के साथ लूटपाट करती वह पुलिस पर जाने पर गलत धाराओं में एफआईआर दर्ज कराने की धमकी देती थी। गैंग के बारे में जानकारी मिलने पर एडिशनल डीसीपी ईस्ट आशाराम चौधरी के निर्देशन में टीम बनाई गई। जिस में प्रताप नगर सीआई मनोज कुमार बेरवाल ने कार्रवाई कर तीनों को गिरफ्तार किया।

पीड़ित ने पुलिस को बताया कि 6 अप्रेल को उस के मोबाइल पर वॉट्सअप कॉल आई, जिसमें महिला ने मिलने के लिए कहा। जिस पर पीड़ित ने उसे घर की लोकेशन भेज दी। जिस के बाद महिला उसके घर पहुंची और उसके साथ बाते करने लगी, पीड़ित को महिला जबरन सम्बंध बनाने का दबाव बनाने लगी, पीड़ित ने जब इनकार किया तो महिला ने दबाव बनाते हुए कहा कि अगर सम्बंध नहीं बनाए तो वह पुलिस थाने चली जाएगी। पीड़ित घबरा गया तो आरोपी महिला ने उससे 5 लाख रुपए की डिमांड कर दी। जिसके डर से पीड़ित ने उसे 20 हजार रुपए दे दिए। इसके बाद से महिला उससे पैसा मांग रही हैं।

पीड़ित की शिकायत पर तत्काल पुलिस टीम गठित की गई, पुलिस ने तीन महिलाओं को गिरफ्तार किया, जिसमें एक महिला के पास मीडिया का पहचान पत्र भी मिला। तीनों महिलाओं को आज कोर्ट में पेश कर दो दिन के रिमांड पर लिया गया। पुलिस इस मामले में निशा (22) पत्नि सुमित निवासी ग्राम बिसलपुर बरेली उत्तप्रदेश हाल निवासी उस्मानपुर दिल्ली, सुमन चौधरी (45) पत्नी विजेन्द्र सिंह निवासी भजनपुरा दिल्ली और सारिका (41) पत्नी विकाश कुमार निवासी चाकसू जयपुर हाल निवासी 83 कष्णा विहार कॉलोनी जगतपुरा को पकड़ा है।

दिनभर की भारी गर्मी के बाद जयपुर में तेज आंधी आई। जनपथ विधानसभा पर छाया धूल का गुब्बार व तेज हवा के साथ लू चलीं।

पुलिसकर्मियों के बच्चों को मिलेगी कोचिंग फीस में छूट

जयपुर। पुलिस कर्मियों के बच्चों को नीट, जेईई एवं ओलंपियाड परीक्षाओं की कोचिंग में आकाश कोचिंग संस्थान फीस में 30 फीसदी की छूट देगा।

पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि पुलिस कर्मियों के बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन अवसर उपलब्ध करवाने में ये पहल काफी सहायक सिद्ध होगी। इससे न केवल पुलिस कर्मियों के बच्चों को नीट, जेईई, ओलंपियाड परीक्षाओं की तैयारी के लिए मदद मिलेगी बल्कि पुलिसकर्मी भी अपनी परिवारिक जिम्मेदारी अच्छे से वहन कर सकेंगे और इसका सकारात्मक प्रभाव पुलिस कर्मचारियों की कार्यक्षमता पर भी पड़ेगा।

अवैध घोषित 19 भवनों के मालिकों की व्यक्तिगत सुनवाई करें कमेटी : हाईकोर्ट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने यूडीएच सचिव की अध्यक्षता में बनी कमेटी को कहा है कि वे परकोटे के आवासीय इलाके में अवैध घोषित 19 भवनों के मालिकों की व्यक्तिगत सुनवाई कर दो माह में रिपोर्ट पेश करें। अदालत ने कहा कि हर बिल्डिंग के प्रतिनिधि को सुनवाई के लिए बुलाया जाए और वह पूरी बिल्डिंग के स्वामियों की तरफ से कमेटी के समक्ष पक्ष रखे। इसके साथ ही अदालत ने मामले की सुनवाई 20 मई को तय की है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस मनीष शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश मामले में लिए गए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान प्रभावितों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता माधव मित्र ने कहा कि प्रभावितों को व्यक्तिगत सुनवाई का मौका नहीं मिला है। वहीं राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता जीएस गिल ने कहा कि कमेटी प्रभावितों की व्यक्तिगत सुनवाई कर लेगी।

भारतीय संस्कृति की प्रतीक अहिल्याबाई के कार्य और आदर्श आज भी स्मरणीय : देवनानी

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने पुण्य श्लोक देवी अहिल्याबाई होलकर के जन्म त्रशताब्दी समारोह के अवसर पर उनके जीवन पर आधारित नाट्यय मंचन पर कहा कि राष्ट्र समर्था देवी अहिल्या की पुण्य गाथा का श्रेष्ठ मंच संयोजन किया है। उन्होंने अहिल्याबाई होल्कर को नमन किया और कहा अहिल्याबाई होल्कर उन महान महिला रत्नों में से एक है जिनका नाम भारत के घर-घर में जाना जाता है। वे सर्व कल्याणकारी भारतीय संस्कृति की साक्षात प्रतिमूर्ति रही। भारतीय नारी का ज्वलंत उदाहरण अहिल्या बाई जीवन में संघर्षों से अनेक बार जुझी लेकिन कभी हार नहीं मानी।

देवनानी ने कहा कि भारतीय इतिहास में अहिल्याबाई वीरता धीरता के साथ विनमता और शक्ति वैभव की पहचान है। उन्होंने महिलाओं के अधिकारों को बढ़ावा दिया। उन्होंने महेश्वर को सांस्कृतिक और आध्यात्मिक केंद्र बनाया। महेश्वर में घाटों का निर्माण आज भी उनके शासन की समृद्धि और समझदारी को दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि अहिल्याबाई का संघर्ष और सफलताओं से भरा जीवन लोगों के लिए प्रेरणा स्त्रोत है। भारतीय संस्कृति की प्रतीक अहिल्याबाई के कार्य और आदर्श समाज के लिए स्मरणीय है। उनकी गौरवशाली गाथा हम सभी के लिए प्रेरणा स्त्रोत है। लोक माता के रूप में पहचानी जाने वाली अहिल्याबाई ने भारत की समूची मानवता के स्थाई हित को ध्यान में रखकर अनेक ऐतिहासिक और स्मरणीय कार्य किए।

महावीर जयन्ती पर शुभकामनाएं

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी की जयंती (10 अप्रेल) के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। शर्मा ने कहा कि भगवान महावीर ने हमें सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह, दया और त्याग का पाठ पढ़ाया। भगवान महावीर का तपस्वी जीवन एवं उनकी शिक्षाएं हमें धर्म के मार्ग पर चलकर मानवता की सेवा करने की प्रेरणा देती हैं।

जयपुर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

जयपुर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी (शिक्षक प्रकोष्ठ) ने शिक्षा क्षेत्र में गलत कार्य किए जाने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री के नाम जयपुर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी शिक्षक प्रकोष्ठ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोहरलाल शर्मा और प्रदेश महामंत्री ओम प्रकाश चौहान के नेतृत्व में रामचंद्र बागोरिया, अशोक शर्मा उपाध्यक्ष, बहादुर सिंह फौजदार महामंत्री, प्रकाशचंद शर्मा सलाहकार, सत्यप्रकाश जैमन सचिव, सुभाष पाण्डेय संयुक्त सचिव व अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

विभाग व राष्ट्र की सेवा में निरंतर सर्वोत्तम योगदान देते रहे : अग्रवाल

- राज्य विशेष शाखा के 391 पुलिस अधिकारियों एवं कार्मिकों को मिला डीजीपी डिस्क, पदक व सेवा चिन्ह

जयपुर। राज्य विशेष शाखा के पुलिसकर्मियों के लिए बुधवार को राजस्थान पुलिस अकादमी स्थित ऑडिटोरियम में पदक वितरण समारोह आयोजित किया गया था। जिसमें डीजी इंटेलिजेंस संजय अग्रवाल द्वारा 391 पुलिस अधिकारियों एवं कार्मिकों को डीजीपी डिस्क, अति उत्कृष्टता व उत्कृष्टता पदक एवं सर्वोत्तम, अति उत्तम व उत्तम सेवा चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि डीजी अग्रवाल ने सम्मानित होने वाले पुलिस अधिकारियों एवं कार्मिकों को उनकी सेवाओं और उपलब्धियों के लिए बधाई देकर कर्तव्यनिष्ठा, कानून और व्यवस्था बनाए रखने में योगदान एवं इनके द्वारा किए गए विशिष्ट सराहनीय कार्य, समर्पण और कड़ी मेहनत की सराहना की। उन्होंने आव्हान किया कि सभी पुलिसकर्मी विभाग व राष्ट्र की सेवा में निरंतर सर्वोत्तम योगदान देते रहे।

राज्य विशेष शाखा के पुलिसकर्मियों के लिए बुधवार को राजस्थान पुलिस अकादमी स्थित ऑडिटोरियम में पदक वितरण समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में सात अधिकारियों को डीजीपी डिस्क, 40 अधिकारियों को अति उत्कृष्टता व 60 को उत्कृष्टता पदक, 138 को सर्वोत्तम सेवा चिन्ह, 70 को अति उत्तम सेवा चिन्ह व 76 को उत्तम सेवा चिह्न प्रदान किए गए।

प्रारम्भ में मुख्य अतिथि अग्रवाल को गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया व निदेशक इंटेलिजेंस ट्रेनिग एकेडमी दीपक भार्गव ने उन्हें प्लांट भेंट कर ग्रीन वेलकम किया। कार्यक्रम का संचालन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जया सिंह ने किया।

अन्त में उपमहानिरीक्षक पुलिस इंटेलिजेंस राजीव पचार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में आईजी सुरक्षा विष्णुकान्त, डीआईजी अजय सिंह, विकास शर्मा एवं एसपी रतन सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

भरण पोषण के आदेश की प्रकृति को लेकर फैसला सुरक्षित

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 24 के तहत दिए जाने वाले भरण पोषण के आदेश की प्रकृति को लेकर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। सीजे एमएम श्रीवास्तव, जस्टिस महेन्द्र गोयल और जस्टिस सुदेश बंसल की वृहद पीठ ने यह आदेश इस संबंध में उठाए गए विधिक बिंदु पर सुनवाई करते हुए दिए।

वृहद पीठ के समक्ष यह विधिक बिंदु रेफर किया गया था कि हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 24 के तहत दिए जाने वाले भरण पोषण के आदेश की प्रकृति अंतरिम आदेश की होती है या अंतिम आदेश की।

लंबित मुकदमों के अनुपात में जज कम, सुनवाई हो रही प्रभावित : सी.जे.

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एमएम श्रीवास्तव ने एक बार फिर हाईकोर्ट में लंबित मुकदमों की संख्या और न्यायाधीशों की कमी को लेकर चिंता प्रकट की है। सीजे श्रीवास्तव राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की ओर से नव नियुक्त न्यायाधीशों के लिए आयोजित सम्मान समारोह में उपस्थित वकीलों को संबोधित कर रहे थे।

सीजे ने कहा कि हाईकोर्ट में लंबित मुकदमों की संख्या किसी से छिपी नहीं है। जबकि इन लंबित मुकदमों के अनुपात में जजों की संख्या पर्याप्त नहीं है। इससे हर न्यायाधीश पर मुकदमों का भार है। जिसके चलते मुकदमों की सुनवाई भी प्रभावित हो रही है। वहीं जिन मामलों में जल्दी सुनवाई की जानी है, वह भी नहीं हो पा रही है। हालांकि हाल ही में जल्दी-जल्दी न्यायाधीशों की नियुक्ति हुई है। न्यायाधीशों की संख्या में हुई इस बढ़ोतरी से न केवल संस्था को लाभ मिलेगा, बल्कि पक्षकारों को भी राहत मिलेगी। आखिरकार हम सब सिस्टम का हिस्सा है, असली राहत को पक्षकार को ही मिलती है। कार्यक्रम में नव नियुक्त जज प्रमिल कुमार माथुर, जस्टिस मनीष शर्मा, जस्टिस आनंद शर्मा और जस्टिस मुकेश राजपुरोहित को माला और साफा पहनाकर सम्मान किया गया।

गौरतलब है कि राजस्थान हाईकोर्ट में जजों की स्वीकृत संख्या 50 है। वर्तमान में 38 न्यायाधीश पदासीन है। हालांकि आज तक कभी भी स्वीकृत सभी पदों पर नियुक्तियां नहीं हुई हैं। वहीं यदि हाईकोर्ट में 6.74 लाख से अधिक मुकदमे लंबित चल रहे हैं। ऐसे में प्रति न्यायाधीश पर 17,755 मुकदमों का भार है।

एमपी-एमएलए से जुड़े आपराधिक केसों के लोक अभियोजकों को हिदायत

जयपुर। प्रदेश की अधीनस्थ अदालतों में सांसदों और विधायकों के खिलाफ दर्ज मामलों को लेकर राज्य सरकार की ओर से संबंधित लोक अभियोजकों को बेवजह तारीख नहीं लेने की हिदायत दी गई है। राज्य सरकार की ओर से राजस्थान हाईकोर्ट में यह जानकारी दी गई। इस पर अदालत ने इस संबंध में जारी आदेश की कॉपी पेश करने के निर्देश देते हुए मामले की सुनवाई 12 मई तक टाल दी है। सीजे एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस इन्द्रजीत सिंह की खंडपीठ ने यह आदेश प्रकरण में लिए गए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने अदालत को बताया कि सांसदों और विधायकों के खिलाफ लंबित मामलों की सुनवाई में तेजी लाने के लिए सभी लोक अभियोजकों को दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। लोक अभियोजकों को मामले में संबंधित अदालतों को पूर्ण सहयोग करने और बेवजह सुनवाई टालने का आग्रह नहीं करने की हिदायत दी गई है। दूसरी ओर हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल की ओर से लंबित मामलों की तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश करने की जानकारी दी गई, हालांकि रिपोर्ट राज्य सरकार को अभी तक उपलब्ध नहीं हुई। इस पर अदालत ने मामले की सुनवाई टालते हुए राज्य सरकार को संबंधित आदेश पेश करने को कहा है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने नवंबर 2023 में एमपी-एमएलए से जुड़े आपराधिक केसों के मामले में दिशा-निर्देश जारी कर हाईकोर्ट को इन केसों की निगरानी के लिए कहा था।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सरसों की एमएसपी पर खरीद का शुभारंभ किया

अन्नदाता किसान का सम्मान और आर्थिक सुरक्षा हमारा ध्येय : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

श्रीगंगानगर में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एमएसपी पर सरसों खरीद का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री ने शहीद नगर गुरूद्वारा साहिब में मत्था टेका।

श्रीगंगानगर/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को श्रीगंगानगर स्थित नई धान मंडी में किसानों को विक्रय स्लिप प्रदान करते हुए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर सरसों खरीद का विधिवत शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री शर्मा ने इस अवसर पर किसानों एवं व्यापारियों से संवाद करते हुए कहा कि अन्नदाता किसान को पूरा सम्मान और सुरक्षा के साथ ही उनकी उपज का उचित मूल्य दिलवाना हमारा ध्येय है। हमारी सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद का किसानों के बैंक खातों में सीधा भुगतान समय पर सुनिश्चित कर रही है। इसी दिशा में किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए सरकार ने वर्ष 2025-26 में सरसों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य 5950 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया है तथा इस साल 13 लाख 22 हजार मीट्रिक टन सरसों की खरीद का लक्ष्य रखा है। इसी तरह सरकार 5650 रुपये प्रति क्विंटल की एमएसपी के आधार पर 5 लाख 46 हजार मीट्रिक टन चना की खरीद करेगी।

- **सरसों की 5950 रुपये प्रति क्विंटल व चना की 5650 रुपये प्रति क्विंटल की एमएसपी पर खरीद होगी**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में वर्ष 2022-23 में सरसों का एमएसपी 5 हजार 50 रुपये था, जिसमें हमारी सरकार ने 900 रूपये तक की बढ़ोत्तरी की है। साथ ही एमएसपी पर खरीद के लिए प्रति किसान 25 क्विंटल की सीमा को बढ़ाकर 40 क्विंटल किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हमारी सरकार ने सवा साल के समय में अब तक 4 लाख 85 हजार मीट्रिक टन मूंगफली की खरीद की है जबकि पिछली सरकार ने अपने पूरे पांच साल के कार्यकाल में केवल 5 लाख 53 हजार मीट्रिक टन मूंगफली की खरीद की थी। साथ ही हमारी सरकार ने मूंगफली के न्यूनतम समर्थन मूल्य को 5 हजार 850 रुपये से बढ़ाकर 6 हजार 783 रुपये प्रति क्विंटल किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार किसानों की समस्याओं को दूर करते हुए उनकी समृद्धि के लिए कार्य कर रही है। इसी दिशा में हमारी सरकार ने गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य के बोनस को बढ़ाकर 150 रुपये एवं किसान सम्मान निधि को 6 हजार रुपये से बढ़ाकर 9 हजार रुपये किया है। साथ ही, किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने से लेकर वर्ष 2027 तक दिन में बिजली उपलब्ध करवाने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही है। इस अवसर पर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत सहित अन्य जनप्रतिनिधि व बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने श्री बिश्नोई मंदिर में दर्शन किए

श्रीगंगानगर/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को अपने दो दिवसीय हनुमानगढ़-श्रीगंगानगर दौरे के तहत श्रीगंगानगर के बुड्ढा जोहड़ में श्री बिश्नोई मंदिर (डाबला) में दर्शन कर प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की प्रार्थना की। इस दौरान शर्मा ने मंदिर परिसर में मौजूद आमजन को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए मां अमृता देवी ने जो बलिदान दिया था उसे आज भी सभी पूर्ण श्रद्धा भाव से नमन करते हैं। उन्होंने कहा कि बिश्नोई समाज सदैव पर्यावरण संरक्षण के लिए अग्रणी रहता है तथा पशु-पक्षियों के लिए उनका त्याग व प्रेम का भाव भी अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भी पर्यावरण संरक्षण के लिए जरूरी कदम उठा रही है। इसके बाद मुख्यमंत्री ने बुड्ढा जोहड़ के ही शहीद नगर गुरूद्वारा साहिब में मत्था टेका तथा वहां उपस्थित सेवादारों व जनसमूह से संवाद किया। इससे पहले मुख्यमंत्री का श्रीगंगानगर से बुड्ढा जोहड़ के रास्ते में आमजन व किसानों ने भव्य स्वागत किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने गन्ने से गुड़ बनाने की प्रक्रिया को देखा। उन्होंने किसान के साथ चारपाई पर बैठकर छाछ पी और ताजा गुड़ खाया। इस अवसर पर श्रीयादे माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद राय टांक, विधायक गुरवीर सिंह बरार तथा बिश्नोई मंदिर समिति के अध्यक्ष अरविंद सियाग सहित मंदिर समिति के सदस्य, जनप्रतिनिधि एवं दर्शनार्थी उपस्थित रहे।

पांचवीं और आठवीं बोर्ड परीक्षा के लिए ग्रेड तय

- **पहली बार 40 परसेंट से कम मार्क्स आने पर स्कूल में फिर से देना होगा एग्जाम, स्कूल एग्जाम में भी इससे कम मार्क्स आए तो स्टूडेंट्स को स्पेशल क्लास में बैठना होगा**

बीकानेर, (निसं)। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड में पास होने के लिए 33 परसेंट मार्क्स चाहिए, लेकिन राजस्थान में पांचवीं और आठवीं बोर्ड परीक्षा में चालीस फीसदी से ज्यादा अंक आने पर ही अगली कक्षा में प्रमोट किया जाएगा। इससे कम मार्क्स आने पर स्टूडेंट्स को स्कूल में ही फिर से एग्जाम देना होगा। स्कूल एग्जाम में भी इससे कम मार्क्स आए तो स्टूडेंट्स को स्पेशल क्लास में बैठना होगा। जहां इनका शैक्षिक स्तर सुधारा जाएगा।

प्रारम्भिक शिक्षा निदेशालय की सहायक निदेशक चंद्र किरण पंवार की ओर से आदेश जारी किया गया है। शिक्षा विभागीय पंजीयक कार्यालय के सहायक निदेशक कुलदीप बुढ़ानिया ने बताया- स्टूडेंट्स के कम मार्क्स आने पर उनको विशेष क्लास में पढ़ाकर स्तर सुधारा जाएगा ताकि आगामी क्लासेज में उसे परेशानी न हो। इन दोनों एग्जाम में राजस्थान के करीब 25 लाख स्टूडेंट्स एग्जाम दे रहे हैं। अकेले पांचवीं बोर्ड में ही 13 लाख से ज्यादा स्टूडेंट्स परीक्षा दे रहे हैं। आमतौर पर अधिकांश स्टूडेंट्स डी ग्रेड से ऊपर मार्क्स लेते हैं लेकिन कुछ स्टूडेंट्स डी और ई ग्रेड में भी अटक जाते हैं। ये बच्चे पास तो हो जाते हैं लेकिन अगली क्लास में पढ़ नहीं पाते।

करंट से किसान व किशोरी की मौत

उदयपुर, (कासं)। शहर के नाई थाना क्षेत्र में कृषि कार्य करते करंट लगने से झुलसने पर किसान की मौत हो गई। जमीन मालिक द्वारा मुआवजा देने पर परिजन शव ले गए।

जानकारी के अनुसार नाई थाना क्षेत्र कालारोही निवासी भूरीलाल पुत्र भेरा गमेती की कृषि कार्य करते करंट लगने से झुलसने पर मौत हो गई। भूरीलाल नाई निवासी फतहलाल कोठारी के खेत पर सीजारी के रूप में काम करता था एवं मंगलवार को खेत पर कृषि कार्य करते समय विद्युत तार छू जाने पर करंट लगने पर वह झुलस गया था। इसको देख परिजन उसे उपचार के लिए चिकित्सालय ले गए, जहां उसकी मौत हो गई। इसकी सूचना मिलने पर परिजनों ने मुआवजे की मांग करते हुए शव लेने से इनकार कर दिया। जहां खेत मालिक द्वारा मुआवजा राशि देने की सहमति देने पर मामला शांत हुआ।

इसी तरह बसखेड़ा नीमच निवासी ममता (17) पुत्री गोपाल सुथार की खेत पर कृषि कार्य करते अचेत होने पर परिजन उसे उपचार के लिए चिकित्सालय लाए, जहां उसकी मौत हो गई। एएसआई चतरसिंह ने मृतका का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

नगर विकास न्यास, पाली
जिला कलेक्ट्रेट परिसर, पाली, फोन नं. 02932-223222, ई मेल – uitpali@gmail.com
क्रमांक :- न्या.पा./विज्ञापन/2025/राजकाज 14645327 दिनांक :- 07/04/2025
ई-निविदा सूचना संख्या - 03/2025-26
नगर विकास न्यास, पाली की ओर से न्यास/राजकीय विभाग से नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया से सिविल कार्यो हेतु ऑन-लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है, इन कार्यो की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण https://eproc.rajasthan.gov.in, sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है तथा न्यास कार्यालय, पाली में कार्य दिवस के दौरान देखी जा सकती है। यूबीएन नम्बर :– ITP2526WSOB00003
राज.संवाद/सी/25/552 अधिशाषी अभियन्ता, नगर विकास न्यास, पाली

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PHED PROJ. DIVISION KARAULI
HQ TODABHIM (email :- eecsnpkaroli@gmail.com)
NOTICE INVITING BID
Bid for various work in Proj Division Karauli is invited from interested bidder up to 15.04.2025 other particular of the bid may be visited on the procurement portal sppp.raj.nic.in of the state.
NIB CODE:- PHE2526A0161

S.N	NIT No.	UBN No.	S.N	NIT No.	UBN No.
1	01/2025-26	PHE2526WSOB00432	2	02/2025-26	PHE2526WSOB00433
3	03/2025-26	PHE2526WSOB00434	4	04/2025-26	PHE2526WSOB00435
5	05/2025-26	PHE2526WSOB00436	6	06/2025-26	PHE2526WSOB00437
7	07/2025-26	PHE2526WSOB00438	8	08/2025-26	PHE2526WSOB00439
9	09/2025-26	PHE2526WSOB00441	10	10/2025-26	PHE2526WSOB00442
11	11/2025-26	PHE2526WSOB00444	12	12/2025-26	PHE2526WSOB00445

DIPR/C/5000/2025
Executive Engineer
Public Health Engineering Department
Proj. Division Karauli HQ Todabhim

OFFICE OF SUPERINTENDENT, MAHARANA BHUPAL, GOVT. HOSPITAL, UDAIPUR.
BID NOTICE No 31 Date 1-4-2025 (E-Tender)
On line Bids are invited from Principal Manufacturer/Authorized Dealer/Distributors for the following items (Rate Contract). The Bid documents can be downloaded from web site http://eproc.rajasthan.gov.in Details of this Bid notification and pre-qualification criteria can also be seen in NIB exhibited on website WWW.dipronline.org as well as www.sppp.rajasthan.gov.in. Bids are to be submitted online in electronic format on website http://eproc.rajasthan.gov.in

Sr. No.	Item name	Estt. Total Cost (in Lakh.)	Submission end date	UBN No
1	Orthopedic Implants & Surgical Item.	250.00	23-4-25 at 5.00 PM	GHU2526 GLRC00001
2	CAMC & Repairing of A.C., Deep Freezer, Refrigerator	50.00	23-4-25 at 5.00 PM	GHU2526 WSRC00002
3	CAMC of D.G. Set	15.00	23-4-25 at 5.00 PM	GHU2526 WSRC00003

DIPR/C/4730/2025 SUPERINTENDENT

एयरपोर्ट पर निर्माणाधीन भवन की छत गिरी, तीन श्रमिक घायल

- **निर्माणाधीन बिल्डिंग की छत की शटरिंग गिरने से हुआ हादसा**
- **डबोक स्थित महाराणा प्रताप एयरपोर्ट पर हादसा हुआ**

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर शहर से करीब 25 किलोमीटर दूर डबोक स्थित महाराणा प्रताप एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा हो गया। यहां मंगलवार देर रात निर्माणाधीन बिल्डिंग की छत की शटरिंग गिरने से 3 श्रमिक घायल हो गए।

घायलों को सरकारी एमबी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। घटना रात करीब 11.30 बजे की है। जब एयरपोर्ट पर निर्माणाधीन भवन की छत भराई से पहले लोहे के सरिए और पाइप लगाए गए थे। तभी अचानक लोहे के झूलते सरिए और पाइप नीचे खड़े मजदूरों पर गिर गए। इसमें तीन मजदूरों के हाथ और पैर पर गंभीर चोटें लगी। इससे मौके पर अफरा तफरी का माहौल हो गया। सूचना पर एयरपोर्ट प्रबंधन के कर्मचारी और डबोक थाना पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को तुरंत हॉस्पिटल ले जाया गया। एयरपोर्ट पर इस तरह की लापरवाही सामने आने पर बड़े सवाल उठ रहे हैं। जानकारी के अनुसार इंटरनेशनल एयरपोर्ट के मापदंड पूरे करने के तहत यहां निर्माण जारी है। एयरपोर्ट प्रबंधन ने न्याति इंजीनियरिंग कंपनी को ठेका दिया हुआ है।

डबोक थानाधिकारी हुकम सिंह ने बताया कि एयरपोर्ट पर निर्माणाधीन भवन की छत भरने से पूर्व लोहे की शटरिंग की जा रही थी, जो अचानक झूल गई और उसमें से कुछ सरिए-पाइप वहां नीचे खड़े मजदूरों पर गिर गए। इससे अब्दुल्ला, कन्हैयालाल और रहीम तीन मजदूर घायल हो गए। इन तीनों को हॉस्पिटल भर्ती कराया गया है। तीनों घायलों की हालत खतरे से बाहर है।

फैक्टरी में भरे पानी में डूबने से दो मासूम भाइयों की मौत

अलवर, (निसं)। अलवर में पाउडर बनाने वाली फैक्टरी में छह फीट भरे पानी में डूबने से दो सगे भाइयों की मौत हो गई। घटना मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे की है।

एक बच्चे ने अलवर के हॉस्पिटल और दूसरे ने जयपुर में दम तोड़ दिया। एक की उम्र तीन साल और दूसरे की केवल डेढ़ साल थी। मामला उद्योग नगर थाने का है। हादसे में दिवांशु उर्फ विक्की (3) और अंकुश राज (डेढ साल) पुत्र दिलीप साहनी निवासी शेखपुरा बिहार की मौत हुई है।

बच्चों के चाचा श्रवण कुमार ने बताया कि पाउडर बनाने की फैक्टरी भारती मिनरल में काम कर रहे थे। वहीं परिसर में पानी का कुंडा बना हुआ था, जिसमें कई फीट पानी था। वहां खेलते हुए बालक दिवांशु उर्फ विक्की (3) और अंकुश राज (डेढ साल) पुत्र दिलीप साहनी निवासी शेखपुरा बिहार गिर गए, जिससे एक बालक ने कुछ घंटे बाद ही मेडिकल कॉलेज एमआईए अलवर में दम तोड़ दिया। दूसरे बालक को जयपुर रेफर किया गया था। जिसने रात करीब दो बजे दम तोड़ दिया। अब जिला अस्पताल जयपुर से दूसरे मृतक बालक के आने के बाद पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा।

चाचा ने बताया कि बच्चों के पिता दिलीप कुमार पाउडर बनाने वाली फैक्ट्री में करीब 10 दिन पहले से ही काम करने लगा है। वह फैक्टरी में परिवार के साथ रहता है। जबकि दिन में दिलीप काम में लगा था। उसके बालक विक्की और अंकुश राज फैक्टरी में खेल रहे थे। तभी फैक्टरी में करीब 6 फीट गहरे पानी के कुंडे में गिर गए। कुछ देर तक बालक मिले नहीं। इसके बाद पानी के कुंडे पर निगाह गई तब एक दिखा। फिर तत्काल फैक्टरी में कार्य करने वाले श्रमिकों ने बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। विक्की की ईएसआईसी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। अंकुश राज को गंभीर हालत में जयपुर रेफर कर दिया, जहां रात को इलाज के दौरान दूसरे बालक ने भी दम तोड़ दिया।

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
प्रभासिम शशि सूर्ययोः
पंजीकृत कार्यालयः विद्युत भवन, ज्योति नगर, जयपुर-302005
Website- energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, E-mail: jaipurdiscom@jvvnl.org
कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता (पदार्थ प्रबन्ध-II) पुराना पावर हाउस परिसर, राम मन्दिर के पास, बनीपार्क, जयपुर-302006, फोन नं0-0141-2202607, e-mail id : semm2@jvvnl.org
ई-प्रोक्योरमेंट अल्पकालीन निविदा सूचना
110V–120 AH क्षमता के बैटरी सेट्स के लिए उपयोगी बैटरी चार्जर्स (निविदा संख्या–2920, यूबीएन–VVN2526GLOB00005) की खरीद हेतु 'ई-प्रोक्योरमेंट' प्रणाली के अन्तर्गत निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा के बारे में अन्य विवरण वेब साईट www.energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, www.sppp.rajasthan.gov.in व www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखे जा सकते हैं। भविष्य में निविदा में किसी भी प्रकार के संशोधन/तिथि बढ़ाने की जानकारी केवल उक्त वेब साईट्स पर उपलब्ध कराई जाएगी।
राज.संवाद/सी/25/540 जेपीआर - 2985 (2025) अधीक्षण अभियन्ता (पदार्थ प्रबन्ध-II)
बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6507

राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर
शिक्षण सहायक (Teaching Associate) Recruitment हेतु विज्ञापन
(कुलसचिव कार्यालय का आदेश संख्या प.(63)/राजुवास/रजि./स्था.- 1/2025/45 दिनांक 21.01.2025)
इस विश्वविद्यालय के अधीनस्थ विभिन्न पशुधन अनुसंधान केन्द्रों (Livestock Research Stations) एवं उन्नत अनुसंधान केन्द्रों (Advanced Research Centres) में रिक्त पदों पर संविदा शिक्षण सहायक (Teaching Associate) हेतु आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। पदों से संबंधित विस्तृत जानकारी, अर्हताएं, आवश्यक शर्तें एवं आवेदन का प्रारूप विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.rajuvas.org पर उपलब्ध है। इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। आवेदन की अंतिम तिथि: 24.04.2025 सांय 5:00 बजे तक।
राज.संवाद/सी/24/580 निदेशक अनुसंधान

पुस्तक का विमोचन 11 को

जयपुर। सरदार पटेल पुलिस वि.वि. जोधपुर द्वारा जवाहर कला केंद्र जयपुर की सहभागिता और थार सर्वोदय संस्थान के सहयोग से 11 अप्रैल को जवाहर कला केंद्र में पुस्तक "अर्थ विचार: संपृक्त भाषा: पश्चिमी राजस्थानी" का विमोचन किया जाएगा। इस पुस्तक को लेखन पश्चिमी राजस्थानी भाषा के गहन ज्ञाता नेमीचंद श्रीमाल ने किया है। पुलिस वि.वि जोधपुर के कुलपति डॉ. आलोक त्रिपाठी ने जानकारी दी।

रेलवे अस्पताल में मासूम को अवधिपार ग्लूकोज चढ़ाया

- **पीड़ित पिता ने मामले की शिकायत रेलवे अस्पताल प्रशासन से की**
- **यह फ्लूड अप्रैल 2023 में बना था और इसे मार्च 2025 तक उपयोग किया जा सकता था**

अजमेर, (कासं)। रेलवे अस्पताल के शिशु रोग विभाग में लापरवाही का मामला सामने आया है। अस्पताल में भर्ती मासूम बच्ची को नर्सिंग स्टाफ ने एक्सपायरी पैरासिटामोल इन्फ्यूजन ग्लूकोज चढ़ा दिया। पीड़ित पिता ने मामले की शिकायत रेलवे अस्पताल प्रशासन से की है।

रेलवे अस्पताल में इलाज कराने आए पीड़ित मासूम के पिता हरीश कुमार ने बताया कि उनकी बेटी को तेज बुखार होने पर उसे रेलवे अस्पताल में दिखाया था, जहां उसे भर्ती कर लिया गया। चिकित्सकों ने बच्ची को इंट्रावेनस पैरासिटामोल इन्फ्यूजन (ग्लूकोज) चढ़ाने के नर्सिंग स्टाफ को निर्देश दिए, लेकिन नर्सिंग स्टाफ ने लापरवाही बरतते हुए एक्सपायर्ड फ्लूड चढ़ा दिया। यह फ्लूड अप्रैल 2023 में बना था और इसे मार्च 2025 तक उपयोग किया जा सकता था, लेकिन लापरवाही के चलते अवधिपार ग्लूकोज को हटाया ही नहीं गया।

विशेषज्ञों चिकित्सकों के अनुसार एक्सपारी पैरासिटामोल इन्फ्यूजन (ग्लूकोज) चढ़ाने से गंभीर दुष्प्रभाव हो सकते हैं। दवा का असर खत्म हो सकता है, जिससे बुखार और दर्द बना रह सकता है। इसके अलावा, संक्रमण, एलर्जी, लिवर डैमेज, नसों में सूजन और शॉक जैसी घातक जटिलताएं भी हो सकती हैं।

पीड़ित पिता हरीश कुमार ने कहा कि उनकी बच्ची की जान जोखिम में डालने वाली इस लापरवाही की शिकायत रेलवे अस्पताल प्रबंधन से की गई, लेकिन दोषियों के खिलाफ कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने मांग की है कि मामले में जांच कर दोषी स्टाफ के खिलाफ कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की लापरवाही न हो।

कार्यालय नगर निगम, कोटा दक्षिण, राजस्थान
राजीव गांधी भवन, दशहरा मैदान, सी.ए.डी. सर्किल–कोटा
email :nnksouth@gmail.com, websites : www.urban,rajasthan.gov.in/nnks, Ph.: 0744-2502142
क्रमांक :– ननिको/दक्षिण/निर्माण/2025/01–15 दिनांक :–04.04.2025
ई–निविदा सूचना संख्या :01/2025–26
नगर निगम कोटा (उत्तर/दक्षिण) द्वारा विभिन्न अभियान्त्रिकी विभागों "A" एवं "AA" श्रेणी एवं नगर निगम कोटा (उत्तर/दक्षिण) में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निम्नांकित कार्यो हेतु कुल राशि 68.90 लाख रूपये कीऑनलाईन निविदायें दिनांक 07.04.2025 से दिनांक 17.04.2025 तक आमन्त्रित की जाती हैं। टेन्डर बेचे जाने, प्राप्त करने की तिथि व निविदा की शर्ते इत्यादि नगर निगम की वेबसाईट www.urban.rajasthan.gov.in/nnks http://sppp.raj.nic.in, http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती हैं।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनु. लागत (लाखों में)
1	नगर निगम कोटा दक्षिण के वार्ड नं. 68 में नाली, क्रॉस, सड़क निर्माण/मरम्मत कार्य एवं अन्य विकास कार्य।	49.00
2	नगर निगम कोटा दक्षिण सीमा क्षेत्र में स्थित कायन हाउस गौशाला में आर.सी.सी. बिल्डिंग एवं अन्य विकास कार्य।	19.90

NIB Code No.DLB2526A0175
UBN No.DLB2526WSOB00685
UBN No.DLB2526WSOB00686
राज.संवाद/सी/25/501 अधिशाषी अभियन्ता नगर निगम कोटा दक्षिण

RAJASTHAN STATE HIGHWAYS AUTHORITY, JAIPUR
(Govt. of Rajasthan)
No. 1907 Date-02/04/2025
Short Term Notice Inviting Bid (01/2025-26)
Bids for collection of user fee on "Jodhpur-Marwar Junction-Jojawar (SH-61&61A) Length Km.119.095" are invited from interested bidders upto 11:00 AM on 15.04.2025. Other particulars of bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, htpp://sppp.raj.nic.in) of the state. The estimated value of Annual Remittance is 3,86,12,464/-.
UBN: PWD2526SLOB00032
Email: ho.rsha@rajasthan.gov.in
Tel: +91-141-2223547
DIPR/C/4697/2025
Member (Technical), RSHA, Jaipur

कार्यालय नगर निगम, अजमेर
पृथ्वीराज मार्ग अजमेर (राज.) फोन न. 0145–2429953,2433813
Email- ajmermc@gmail.com
क्रमांकF.10/50/M/LIGHT/AMC/2024-25/400 दिनांक : 04.04.2025
निविदा–सूचना
नगर निगम अजमेर द्वारा केंद्र एवं राज्य सरकार में उपयुक्त श्रेणी के निविदादाताओं से संबंधित निम्न निविदा आमंत्रित की जाती है कार्यो की अनुमानित लागत टेंडर भरे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख एव टेंडर शर्ते आदि संपूर्ण www.sppp.rajasthan.gov.in & www.eproc.rajasthan.gov.in वेबसाइट पर देखी एवं डाउनलोड की जा सकते हैं
NIB CODE-ANN2526A0004
UBN :-ANN2526WSOB00004
राज.संवाद/सी/25/618 उपायुक्त, नगर निगम, अजमेर

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर
क्रमांक :- राजकाज 14680292 दिनांक :- 08/04/2025
ई-बिड सूचना संख्या:- जोन उत्तर-एबी/01/25-26
जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से सिविल कार्यो हेतु संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई–प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया से सिविल कार्यों हेतु ऑन लाईन बिड आमंत्रित की गई है। इन कार्यो की अनुमानित लागत, बिड बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, बिड शर्ते आदि का सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://www.eproc.rajasthan.gov.in, www.jodhpurjda.org, www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।
NIB CODE :- JOD2526A0004
Tender ID/UBN No. :- JOD2526SLOB00006 To 00010
राज.संवाद/सी/25/559 अधिशाषी अभियंता (उत्तर-एबी)

बीकानेर में तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंचा

मौसम विभाग ने बीकानेर के साथ ही जोधपुर संभाग में भी तापमान में कमी नहीं आने की चेतावनी दी

- **आगामी 24 घंटे में एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से बीकानेर, जयपुर, भरतपुर व जोधपुर संभाग के कुछ भागों में मेघगर्जन, आंधी व कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की संभावना**

बीकानेर, (निसं)। यहां तेज गर्मी के साथ हीट वेव का दौर अगले चौबीस घंटे तक जारी रहेगा और मौसम शुष्क बना रहेगा। मौसम विभाग ने बीकानेर के साथ ही जोधपुर संभाग में भी तापमान में कमी नहीं आने की चेतावनी दी है। बारिश की संभावना भी भी जताई थी, जो बुधवार शाम पांच बजे के बाद आंधी के साथ कुछ फुहारे पड़ी जिससे नागरिकों को आंशिक राहत मिली।

राजस्थान मौसम अपडेट में कहा गया है कि राज्य में चल रहे भीषण हीट वेव तथा गर्म रात का दौर आगामी 24 घंटे तक जारी रहने की प्रबल संभावना है। आगामी 24 घंटे में एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से बीकानेर, जयपुर, भरतपुर व जोधपुर संभाग के कुछ भागों में मेघगर्जन आंधी 40-50 गति से व कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की संभावना है। आंधी बारिश के असर से आगामी 24 घंटे के दौरान तापमान में 2 से 4 डिग्री गिरावट होने तथा भीषण हीट वेव से राहत मिलने की प्रबल संभावना है। 14-15 अप्रैल से पुनः तापमान में बढ़ोतरी होने तथा दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान में एक और नया हीट वेव का स्पेल शुरू होने की संभावना है। बीकानेर में तापमान लगातार बढ़ रहा है। पिछले चौबीस घंटे में अधिकतम तापमान 44.4 डिग्री सेल्सियस रहा है। न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।

अप्रैल के शुरु में ही तपने लगी धरती, पारा 40 डिग्री पहुंचा

पावटा, (निसं)। अप्रैल के शुरुआत में ही धरती तपने लगी है। दोपहर में इतनी कड़ी धूप रह रही है कि लोगों का घर से निकलना भी दुश्वार हो रहा है। मौसम पूर्वानुमान के मुताबिक मौसम में परिवर्तन के आसार थे, पर हवा का रूख बदल जाने के कारण इसकी दिशा बदल गयी है। फिलहाल यहां अधिकतम तापमान 40 डिग्री के आसपास रह रहा है।

दिन में कड़ी धूप व गर्म हवा की वजह से तपिश रही। लू जैसी स्थिति देखने को मिल रही है। दोपहर में बाजार में सन्नाटा पसरा रह रहा है। दिन ढलने के बाद बाजार में चहल-पहल दिखायी दी। कस्बा पावटा सहित आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों में इन दिनों तेज गर्मी के चलते लोगों का हाल बेहाल है। जहां पूर्व वर्षों में ऐसी गर्मी का असर प्रायः 10 मई के बाद देखने को मिलता था, वहीं इस बार अप्रैल माह में ही तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। इसके चलते आमजन परेशान हो गया है। तेज गर्मी का आलम यह है कि दोपहर के समय बाजारों में सन्नाटा पसरा रहता है। नगर सहित पूरे क्षेत्र में गर्म हवाओं और लू के थपेड़ों से जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है।

OFFICE OF THE SECRETARY,
RAJASTHAN DENTAL CARE RELIEF SOCIETY
RUHS COLLEGE OF DENTAL SCIENCES,
Near T B Hospital, Subhash Nagar, Jaipur - 302016
Ph. 0141-2280726, 2283737, E-mail : rdcrs.cds@gmail.com
No. RUHS CDS/RDCRS/2025-26/11 Date: 09-04-2025
Notice Inviting e-Bids
Single stage, two envelopes on line bids are invited for Annual Rate contract for supply of

Consumable Items	UBN No.RDS2526GLOB00003
Bone Graft	UBN No RDS2526GLOB00001
Bone Plate	UBN No RDS2526GLOB00002
Membrane	UBN No RDS2526GSOB00005
Implant	UBN No RDS2526GLOB00004
X-Ray Items	UBN No RDS2526GLOB00009
Oral pathology Items	UBN No RDS2526GSOB00006
TMJ Arthroscope	UBN No RDS2526GLOB00008
X-Ray Machine	UBN No RDS2526GSOB00007
Ward Boy	UBN No RDS2526SLOB00011
Computer Operator	UBN No RDS2526SLOB00010

at office of the Member Secretary, Rajasthan Dental Care Relief Society, RUHS College of Dental Sciences, Jaipur, Rajasthan.
Bid Download Start Date/Time :- 12.04.2025 11.00AM
Pre-Bid Meeting Date/Time :- 21.04.2025 11.00 AM
Bid Submission Start Date/ Time :- 28.04.2025 11.00 AM
Bid submission End Date /Time :- 09.05.2025 02.00 PM
Technical Bid Opening Date/Time :- 10.05.2025 11.00 AM
Pre-Bid Meeting for all above Items will be held on 21.04.2025 at 11:00 am at Conference Hall RUHS College of Dental Science, Shattri Nagar, Jaipur.
Details May be seen in the Bidding Document at the website http//eproc.rajasthan.gov.in or the website of state Public Procurement Portal sppp.raj.nic.in
President,
Rajasthan Dental Care Relief Society
Ruhs College Of Dental Sciences, Jaipur
Raj.Samwad/C/25/589

खातीपुरा में 16 घंटे गरजे जे.डी.ए. के 32 बुलडोजर, भारी जनविरोध के बावजूद दिनभर टूटती रही इमारतें

लोगों के आंसू, चीख-पुकार और भारी विरोध के बावजूद भी पीछे नहीं हटे जयपुर विकास प्राधिकरण के अफसर

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट के आदेश के बाद जयपुर विकास प्राधिकरण (जे.डी.ए.) ने बुधवार अलसुबह 5 बजे से रात 9 बजे तक 32 बुलडोजर की मदद से अवैध अतिक्रमणों को ध्वस्त किया। लोगों के भारी विरोध, चीख-पुकार और नाराजगी के बावजूद भी जेडीए प्रशासन पीछे नहीं हुआ। भारी पुलिस जाप्ते की मौजूदगी में यह कार्रवाई चली।

ज्ञात रहे कि खातीपुरा क्षेत्र में झाड़खंड मोड से 200 फीट बाईपास तक सड़क 160 फीट चौड़ी करने के लिए हाईकोर्ट ने आदेश दिया था। बुधवार सुबह 5 बजे जेडीए अमला कार्रवाई स्थल पर पहुंच गया। पूर्व डी.जी. नवदीप सिंह और पूर्व विधायक परमनवदीप के हॉस्पिटल

- **झाड़खंड मोड से 200 फीट बाईपास तक सड़क 160 फीट चौड़ी करने के लिए हाईकोर्ट के आदेश पर हुई ध्वस्तीकरण की कार्रवाई**
- **पूर्व डी.जी. नवदीप सिंह और पूर्व विधायक परमनवदीप के हॉस्पिटल और आवास पर भी चला बुलडोजर**
- **खातीपुरा इलाके में प्रवेश के सभी रास्ते बंद रखे, कॉलोनियों में दिनभर लगा रहा भारी ट्रैफिक जाम**
- **भीषण गर्मी के बीच पूरे इलाके की कॉलोनियों में बिजली की आपूर्ति दिनभर बंद रही, लोग परेशान होते रहे**

और आवास पर भी बुलडोजर चला। इस दौरान खातीपुरा इलाके में प्रवेश के सभी रास्ते बंद रखे, कॉलोनियों में दिनभर भारी ट्रैफिक जाम लगा रहा।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक जे.डी.ए. टीम बुधवार सुबह 5 बजे कार्रवाई करने पहुंची। सबसे पहले झांडखंड मोड तिराहे के पास बने बहुमंजिला इमारतों पर बुलडोजर से तोड़पोड़ शुरू की गई। सड़क के दोनों ओर एक के बाद एक अतिक्रमणों को ध्वस्त किया गया।

कार्रवाई आरंभ होने से पहले मुख्य मार्ग सहित आस पास की करीब 7 कॉलोनियों में बिजली की आपूर्ति को रोक दिया गया, जो देर शाम तक बंद रही। इससे पूर्व कार्रवाई स्थल पर जेडीए आयुक्त आंनदी, सचिव निशांत जैन सहित जेडीए की 5 टीमों का दस्ता पहुंच गया था। शाम करीब 9 बजे तक अतिक्रमणों पर कार्रवाई चलती रही।

सिविल लाइंस विधायक भी मौके पर पहुंचे

उधर कार्रवाई की सूचना पर मौके पर सिविल लाइन विधायक गोपाल शर्मा भी पहुंचे। इस दौरान विधायक शर्मा ने कहा कि हम कोर्ट के आदेश का सम्मान करते हैं। लेकिन पूर्व में इन्ही अफसरों की गई गलतियों को आमजनता क्यों भुगते। विधायक ने कहा कि, हमारी सरकार आमजन की सेवा के लिए सदैव तत्पर है। पूर्व में नगर निगम ने अपने जोन प्लान में सिविल लाइन विधानसभा से सटे प्रतिष्ठानों को निर्धारित सड़क चौड़ाई के बाद पट्टे वितरित किए थे। लोग भी अपनी जगह सही है, लेकिन जेडीए ने मास्टर प्लान में अलग ही कहानी बयां कर दी। मैं जनता के साथ अन्यान नहीं होने दूंगा। गोपाल शर्मा ने कहा कि, हम लोग सरकार की भी स्थिति को समझते हैं, जनता की भी स्थिति को समझते हैं। इसमें किसी एक सरकार की ही भूमिका नहीं है। एक सिस्टम है, जिसने इनको बसाया। वो बसाते समय भी सब अफसर थे, आज हटाते समय भी अफसर हैं। सरकार यह तय कर चुकी है कि ऐसे क्षेत्रों में सुनवाई का मौका दिया जाएगा।

पूर्व डी.जी. उलझे तो हिरासत में लिया

खातीपुरा तिराहे पर पूर्व डी.जी. नवदीप सिंह के राजपूताना हॉस्पिटल व आवास पर भी जेडीए दस्ते ने कार्रवाई करते हुए ध्वस्त कर दिया। इस दौरान नवदीप सिंह व उनकी पत्नी व पूर्व विधायक परमनवदीप जेडीए अधिकारियों के बीच बहस हो गई। समझाइश के बावजूद नहीं मानने पर पूर्व डीजी को हिरासत में लिया गया।

274 अतिक्रमणों के लिए लगाया भारी दस्ता

सुबह 5 बजे से 274 अवैध अतिक्रमणों को हटाने की कार्यवाही शुरू की गई। उपायुक्त टीम के नेतृत्व में उक्त गठित टीमों द्वारा मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन, उपनियंत्रक प्रवर्तन-प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ की मौजूदगी में पुलिस आयुक्तालय से प्राप्त अतिरिक्त पुलिस बल, स्थानीय पुलिस थाना वैशाली नगर का जाप्ता मौके पर मौजूद रहा। कार्रवाई के दौरान 32 जेसीबी मशीन, 5 पोखलेण्ड, 5 टेक्टर लोखण्डा मशीन, 5 पोखलेण्ड हैमर, 5 गैस कटर मशीन, 15 टैक्टर ट्रोली हाइड्रोलिक, 10 डम्पर एवं 50 मजदूरों का दस्ता मौजूद रहा।

खातीपुरा क्षेत्र का मुख्य मार्ग दिनभर बंद रखा

जेडीए की कार्रवाई के दौरान यातायात विभाग की बडी लापरवाही सामने आई। मौके पर मौजूद यातायात विभाग के अधिकारियों ने कार्रवाई के चलते मुख्य मार्ग को चारों ओर से बंद कर दिया। जिससे ट्रैफिक की आवाजाही आस पास की कॉलोनियों की ओर हो गई।

सुबह-सुबह कॉलोनियों की भीतरी गलियों में ट्रेफिक के दवाब से स्थानीय लोग सहम गए। हनुमान नगर विस्तार, शिवविहार कॉलोनी, ऑफिसर्स केंपस, गुलमोहर लेन कॉलोनी, जय भवानी कॉलोनी में स्थानीय लोगों ने ट्रैफिक की आवाजाही को देखते हुए कॉलोनी के प्रवेश द्वारों को बंद कर दिया। इसके अलावा खातीपुरा तिराहे के पास बुनकर कॉलोनी, गंगा कॉलोनी, मरुधर विहार कॉलोनी, जसवंत नगर, चांदबिहारी नगर व सिंह भूमि कॉलोनी में दिनभर भारी यातायात का दवाब रहा। इस दौरान कॉलोनिवासियों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा।

41 डिग्री पारे के बीच दिनभर बिजली काटी

बुधवार को 41 डिग्री तापमान रहा। जेडीए की कार्रवाई के चलते बिजली विभाग ने सुबह 5 बजे ही बिजली सप्लाई बंद कर दी। घरों में कूलर पंखे बंद होने से लोग पसीना पसीना हो गये। हालांकि कुछ लोग घरों से बाहर आकर जेडीए की कार्रवाई देखने लगे।

हाईकोर्ट के आदेश पर खातीपुरा इलाके में 160 फीट सड़क की चौड़ाई बढ़ाने के लिए जयपुर विकास प्राधिकरण ने बुधवार को अवैध अतिक्रमणों और बहुमंजिला इमारतों को बुलडोजर की मदद से ध्वस्त किया। फोटो-राष्ट्रदूत

कबाड़ियों की पौ-बारह

बहुमंजिला इमारतों व प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई के दौरान काफी मलबा- लोहे के जाल एकत्र हो गए। इस दौरान कबाडियों के झुंड लोहे के सरियों को बीनता रहा।

थड़ी-ठेले और डेयरी बूथ गलियों में शिफ्ट हुए

झाड़खंड मोड के गंगा कॉलोनी के पास जेडीए दस्ते ने वहां सालों से रखी थड़ी-ठेलों व सरस डेयरियों को भी जेसीबी की सहायता से उठा कर गलियों में रख दी। कुछ दुकानदार थडियों को आस पास के घरों में रख आए।

मलबा हटाने में 3 दिन लगेंगे

मुख्य मार्ग पर तोड़े गए प्रतिष्ठानों के सामने मलबे के ढ़ेर लग गए। कुछ जगहों पर दुकानदारों ने खुद उठाना शुरु कर दिया। जेडीए अधिकारियों ने 3 दिन में मलबे को उठाने की बात कही है।

जे.डी.ए. की कार्रवाई से प्रभावित और आक्रोशित लोगों ने मौके पर धरना-प्रदर्शन और नारेबाजी की। इस दौरान सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा भी उनके बीच पहुंचे और अफसरशाही हावी होने की बातें कही और कार्रवाई का विरोध किया।

अतिक्रमियों को हाईकोर्ट से भी नहीं मिली राहत

जयपुर। सिरसी रोड अंडरपास से झारखंड मोड तक अतिक्रमण हटाने के मामले में अतिक्रमियों को राजस्थान हाईकोर्ट से राहत नहीं मिली है। अदालत ने मामले में जेडीए की ओर से की जा रही कार्रवाई में दखल से इनकार कर दिया।

वहीं अदालत ने जेडीए की ओर से मामले में जारी किए गए संशोधन पत्र की जानकारी अदालत में नहीं देने पर अतिक्रमियों पर नाराजगी जताई। अदालत ने कहा कि उन्हें मामले में गुमाराह किया जा रहा है। सीजे एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस आनंद शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश सरिता चौधरी व अन्य की ओर से दायर प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि मामला एकलपीठ में लंबित है तो फिर खंडपीठ में अधूरे तथ्यों के साथ प्रार्थना पत्र क्यों पेश किया जा रहा है। प्रार्थना पत्र में कहा था कि जेडीए ने उन्हें सुनवाई का मौका नहीं दिया है। वहीं इस संबंध में पूर्व में जारी आदेश में संशोधन किया जाए। इस पर खंडपीठ ने जेडीए के अधिवक्ता अमित कुडी को उनका पक्ष रखने के लिए बुलाया। जेडीए की ओर से कहा कि कार्रवाई से पहले प्रभावितों को सुनवाई का पूरा मौका दिया था। जेडीए ने मौके पर पीटी सर्वे कर सीमाकंन की प्रक्रिया की थी और धारा 72 के नोटिस 272 लोगों को जारी किए थे, लेकिन इनमें से केवल 32 ने ही आपत्ति दर्ज कराई है। इसके अलावा आदेश की तारीख के संबंध में संशोधन पत्र जारी किया गया था, लेकिन याचिकाकर्ता ने उसकी जानकारी अदालत में नहीं दी है। जेडीए ने सुबह छह बजे से ही अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी है और 12 बजे तक अधिकांश अतिक्रमणों को हटा दिया है। इस पर अदालत ने जेडीए की कार्रवाई में दखल से इनकार कर दिया।

"ब्लिंकइट" वेयरहाउस पर मानक ब्यूरो की छापेमारी

जयपुर (कासं)। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), राजस्थान की टीम ने ई-कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म-ब्लिंकिट के जयपुर में 22 गोदाम स्थित वेयरहाउस पर भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 2016 के उल्लंघन के लिए बुधवार को तलाशी एवं जब्ती कार्रवाई करते हुए बडी मात्रा में वे उत्पाद जब्त किए गए, जिन्हें बिना मानक मुहर (आईएसआई मार्क एवं रजिस्ट्रेशन मार्क) विक्रय के लिए संग्रहित किया था।

यह कार्रवाई निदेशक एवं प्रमुख, बीआईएस राजस्थान कनिका कालिया के निर्देश पर बीआईएस के अधिकारियों एवं अन्य सहायक कर्मचारियों द्वारा की गई। जिनमें रमन कुमार त्रिवेदी (संयुक्त निदेशक), पूनम चौधरी (संयुक्त निदेशक) शामिल थे। कार्रवाई के दौरान 197 से अधिक श्रेणियों के कुल 265 निम्नलिखित उत्पाद जब्त किए गए। जिनमें से अधिकतम रोजमर्रा के जीवन में इस्तेमाल किए जाने वाले उपभोक्ता उत्पाद हैं- जैसे एल्युमीनियम एवं स्टील के बर्तन, स्टील की बोतलें, इंसुलेटेड फ्लास्क, इलेक्ट्रिक केतली, बेबी डायपर, चप्पल, इलेक्ट्रिक जूसर मिक्सर ग्राइंडर, मालिश करने के इलेक्ट्रिक उपकरण, कीटनाशक (मच्छर मारने हेतु) उपकरण, इलेक्ट्रिक कॉफी मेकर, त्वचा और बालों की देखभाल के उपकरण (हेयर स्ट्रेटनर, हेयर ड्रायर इत्यादि), एयर फ्रायर, घरेलू उपयोग के लिए, हैंड ब्लेंडर, वैक्यूम क्लीनर, कीबोर्ड, इत्यादि।एमआरपी के आधार पर जब्त किए गए उत्पादों का अनुमानित मूल्य सात लाख रुपए आँका गया है।

ये उत्पाद भारत सरकार द्वारा जारी किए गए विभिन्न गुणता नियंत्रण आदेशों एवं सूचना प्रौद्योगिकी वस्तुएं (अनिवार्य पंजीकरण की आवश्यकताएं) आदेश, 2021 के तहत अनिवार्य प्रमाणन पद्धति के अंतर्गत आते हैं।भारतीय मानक ब्यूरो के वैध प्रमाणन लाइसेंस के बिना इन उत्पादों का निर्माण, विक्रय, संग्रहण, आयात इत्यादि भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 2016 की धारा 29 के अंतर्गत एक दंडनीय एवं संज्ञेय अपराध है जिसकी सज़ा प्रथम उल्लंघन पर न्यूनतम 2 लाख रुपए एवं द्वितीय या उसके बाद के उल्लंघनों के लिए न्यूनतम 5 लाख रुपए जुर्माना (जो कि उल्लंघित वस्तुओं के मूल्य के दस गुणा तक हो सकता है) या अधिकतम दो वर्ष की कारावास या दोनों है। तलाशी एवं जब्ती कार्रवाई के पश्चात आरोपियों के विरुद्ध भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 2016 के अंतर्गत विधिक प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी।

जयपुर में लाखों लोगों ने एक साथ किया नवकार महामंत्र

जयपुर। विकसित भारत यानी विकास भी, विरासत भी। एक ऐसा भारत जो रुकेगा नहीं, ऐसा भारत जो थमेगा नहीं। जो ऊंचाई छुएगा, लेकिन अपनी जड़ों से नहीं कटेगा। कुछ इन स्वरों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश और दुनिया के लाखों लोगों को डिजिटल माध्यम से प्रेरित किया।

'नवकार महामंत्र दिवस' के उपलक्ष में पूरी दुनिया में नवकार महामंत्र कार्यक्रम का एक साथ आयोजन किया गया। इस दौरान जीतो जयपुर चैप्टर की ओर से सी-स्कीम स्थित श्री महावीर दिगम्बर जैन सीनियर सेकंडेरी स्कूल में बुधवार सुबह इस भव्य कार्यक्रम का आयोजन हुआ। हज़ारों लोगों ने एक ही स्थान से नवकार मंत्र उच्चारण कर वातावरण को विस्मय बना दिया। कार्यक्रम का आरम्भ प्रमुख अतिथि राज्यपाल हरिभाऊ बागडे सहित प्रदेश के सहकारिता मंत्री गौतम दक, डिप्टी मेयर पुनीत कर्णावट, जीतो राजस्थान जोन मुख्य सचिव राज गोलेछा, जीतो जयपुर चैप्टर चेयरपर्सन सलोनी जैन और जयपुर चैप्टर के सचिव हितेश भांडिया द्वारा दीप प्रज्जवलन कर किया गया। साथ ही जीतो कमिटी, जीतो जयपुर चैप्टर मेम्बर्स, जीतो यूथ विंग, जीतो विमन विंग सहित जैन धर्म के प्रतिष्ठित अतिथिगण शामिल रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नई दिल्ली के विज्ञान भवन में नवकार महामंत्र दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए। पीएम मोदी ने अन्य लोगों के साथ नवकार महामंत्र दिवस कार्यक्रम में नवकार महामंत्र का जाप किया। इसके बाद उन्होंने डिजिटल माध्यम के द्वारा लोगों को लाइव संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि नवकार महामंत्र का ये दर्शन विकसित भारत के विजन से जुड़ता है।

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 पर चर्चा

जयपुर (कासं)। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना-2.0 (जल ग्रहण विकास घटक) की समीक्षा बैठक बुधवार को सचिवालय स्थित पंचायती राज सभागार में आयोजित हुई।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए भू-संसाधन विभाग, भारत सरकार के संयुक्त सचिव नितिन खाडे ने कहा कि पीएमकेएसवाई 2.0 जलग्रहण विकास योजना भूजल वृद्धि, जल उपलब्धता और गुणवत्ता में बढ़ोतरी के जरिए किसानों की आय और जीवन स्तर में सुधार लाने वाली महत्वपूर्ण योजना है। उन्होंने कहा कि योजना का उद्देश्य एकीकृत दृष्टिकोण में वाटरशेड विकास परियोजनाएं चलाकर देश के बंजर और वर्षा सिंचित क्षेत्रों का सतत विकास सुनिश्चित करना है। संयुक्त सचिव ने योजना अन्तर्गत केन्द्र सरकार से प्राप्त राशि का अधिकतम उपयोग करने के निर्देश प्रदान किये जिससे योजना के निर्धारित लक्ष्यों को पूर्ण किया जा सके। उन्होंने आषा जताई कि जून, 2025 तक राज्य अधिकतम राशि का उपयोग कर लेगा। बैठक के प्रारंभ में पंचायती राज विभाग के शासन सचिव एवं आयुक्त डॉ जोगाराम ने खाड़े का स्वागत करते हुये राजस्थान में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 अन्तर्गत चल रही जल ग्रहण विकास योजनाओं की प्रगति के बारे में जानकारी दी। अंत में मुहम्मद जुनैद, निदेशक एवं पदेन संयुक्त शासन सचिव, जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग ने धन्यवाद ज्ञापित किया और केन्द्र सरकार द्वारा किये गये लक्ष्यों का तय समय सीमा में पूरी करने का आश्वासन दिया। बैठक में सभी जिलों से विभाग के प्रतिनिधि वीसी के माध्यम से सम्मिलित हुए और योजना की प्रगति की जानकारी दी।

11-12 अप्रेल को होगी विद्युत निगमों की परीक्षा

जयपुर। राजस्थान सरकार के वर्ष 2025 की सीधी भर्ती अभियान के तहत राज्य के पांचों विद्युत निगमों में भर्ती के प्रथम चरण में अभियन्ता संवर्ग के कुल 271 पदों पर नियुक्ति हेतु 11 और 12 अप्रेल 2025 को राजस्थान के विभिन्न जिलों में ऑनलाइन प्रतियोगी परीक्षा आयोजित की जायेगी। कनिष्ठ अभियन्ता (सी एण्ड आई/कम्युनिकेशन), कनिष्ठ अभियन्ता (फायर एण्ड सेफ्टी) एवं कनिष्ठ रसायनज्ञ की ऑनलाइन परीक्षाओं का आयोजन 11 अप्रेल को प्रथम पारी में तथा कनिष्ठ अभियन्ता (मैकेनिकल) की द्वितीय पारी में की जायेगी। इसी प्रकार कनिष्ठ अभियन्ता (इलेक्ट्रिकल) के लिए ऑनलाइन परीक्षा का आयोजन 12 अप्रेल को द्वितीय पारी में राजस्थान के 7 जिलों में 28 परीक्षा केन्द्रो पर किया जायेगा।

अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए विद्युत निगमों की वेबसाईट पर इन्फोर्मेषन हेण्डआऊट एवं मोक टेस्ट अपलोड किये गये हैं। अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र पूर्व में ही जारी कर दिए गए हैं एवं इस संबंध में अभ्यर्थियों को मोबाईल एवं ई-मेल द्वारा भी सूचित कर दिया गया है।

शिप्रापथ पुलिस ने जब्त की 50 बुलेट जब्त

जयपुर। शिप्रा पथ थाना पुलिस ने हुए मोडीफाई साइलेंसर लगी बुलेट के खिलाफ के कार्रवाई करते हुए पचास मॉडिफाई साइलेंसर लगी बुलेट (मोटरसाइकिल)जब्त की है। पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण दिगंत आनंद ने बताया कि बुलेट बाइक के साइलेंसर को मॉडिफाई कर पटाखों जैसी आवाज निकालने वाले साइलेंसर के कारण आमजन के क्षोभ उत्पन्न हो जाता है और ध्यान भटकने के कारण दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है। जिसके चलते शिप्रापथ थाना पुलिस ने हुए मोडीफाई साईलेंसर लगी बुलेट के खिलाफ के कार्रवाई करते हुए पचास मोडीफाई साइलेंसर लगी बुलेट (मोटरसाइकिल) जब्त की है।

गोवर्धन पूजा में भाव विभोर हुए श्रद्धालु

जयपुर। जगतपुरा स्थित श्री निंबार्क निकुंज बिहारी मंदिर के नवम पाटोत्सव के अवसर पर सेवाकुंज आश्रम में चल रही श्रीमद् भागवत कथा में बुधवार को श्री गिरिराज जी गोवर्धन पूजा में श्रद्धालु भाव विभोर होकर नाचने लगे।

आचार्य पीठ से पंडित रमेश चंद्र शास्त्री ने गिरिराज जी की परिक्रमा का महत्व बताया इससे पहले पूतना बध को कामनाओं का हरण करने की संज्ञा दी। षक्टासुर का बध किया। गोपियों के घर माखन चोरी की व्याख्या की। आश्रम महंत संत श्री कृष्णा शरण दास कल्याण बाबा के सानिध्य में चल रही कथा में भगवान के बचपन का आचार्य श्री ने इस गीत के माध्यम से, रुन झुन रुन झुन चरण चलत है बाजत है पैजनियां... खूबसूरत चित्रण किया।

सार-समाचार

जयपुर के हीरा व्यापारी के बैंकॉक में चोरी

जयपुर। बैंकॉक में भारतीय (जयपुर) मूल के हीरा व्यापारी से करोड़ों रूपये की हीरा चोरी का मामला सामने आया है। विश्वस्त सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार व्यापारी के पास काफी लंबे समय से ब्यावर निवासी शंकेश मुथा पुत्र हेमचंद्र मुथा सेल्समैन का काम कर रहा था, लंबे समय तक कार्य करके सेल्समैन ने व्यापारी का विश्वास जीत लिया और मौका लगते ही उनके शोरूम से करोड़ों रूपये के हीरे लेकर चंपत हो गया। व्यापारी ने तुरंत ही इस घटना की रिपोर्ट स्थानीय पुलिस स्टेशन में लिखवा दी। दो अलग मुल्क होने के कारण कानूनी कार्यवाही में वक्त लगा, जिसका सेल्समैन ने बखूबी से फायदा उठाया। परंतु इंटरपोल से रेड नोटिस जारी होने के बाद सेल्समैन ने दिल्ली की पटियाला कोर्ट में जमानत की अर्जी लगाई गई, जिसको कि कोर्ट ने खारिज करके आरोपी को उपस्थित होने का आदेश दिया, जमानत खारिज की सूचना मिलते ही आरोपी कोर्ट परिसर से भाग गया। जिसके बाद कोर्ट ने आरोपी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट निकाल दिया, अब आरोपी ने अपने बचाव के लिए दिल्ली हाई कोर्ट का रुख किया है।

नंद के आनंद भयो, जय कन्हैयालाल की..

जयपुर। आराध्य मंदिर श्री राधगोविंददेव जी में भागवत कथा में ललित

संप्रदायाचार्य महंत संजय गोस्वामी ने इस अवसर पर बधाई पद गायन से वातावरण कृष्णमय से सरोबार कर दिया उन्होंने स्वागतम् कृष्ण सुस्वागतम कृष्ण, नंद जी के अंगना में बज रही आज बधाई " इस अवसर पर खिलौने फल , टॉफी , बिस्कुट आदि सामग्री लुटाई गई । कार्यक्रम महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सानिध्य में हुआ , प्रबंधक मानस गोस्वामी ने बताया कि 10 अप्रैल को भगवान की बाल लीलाओं की कथा व गोवर्धन पूजन व 56 भोग की झांकी प्रात: 8.30 से 12 बजे तक एवं अन्य कथा सायंकाल 7 से 8 बजे तक होगी।

ARBiT it happens here...

Global Work From Home Day

Observed annually on April 10, Global Work From Home Day celebrates the rise of remote work and the flexibility it offers. What began as a necessity during the pandemic has now reshaped work culture worldwide. This day highlights the benefits of working remotely-better work-life balance, reduced commuting stress, and increased productivity. It also encourages companies to support hybrid models and invest in digital tools. As more professionals choose flexible work setups, Global Work From Home Day serves as a reminder of how adaptability and technology are redefining the modern workplace.

राष्ट्रदूत
THURSDAY
10 April 2025
A-B

#MAHAVIR JAYANTI

Echoes of Enlightenment

A Time to Unclutter the Soul!

Shruti Kothari

"Micchami Dukkadam," I seek forgiveness for all the faults committed knowingly or unknowingly. "Ahimsa Paramo Dharma," Non-violence is the highest religion.

As chants of peace and purity echo through Jain temples, Mahavir Jayanti arrives as more than a celebration, it is a spiritual reset. It reminds us of a path less taken in today's fast-paced world. Lord Mahavir, the enlightened Tirthankara, showed us that living lightly, on the earth, on others, and on ourselves, is not just possible, but profoundly powerful. In honoring his legacy, we don't just remember history, we rediscover a way of being. Mahavir Jayanti isn't just a festival, it's a gentle call to pause and realign, to strip away the noise of modern life and reconnect with the wisdom of Lord Mahavir, the 24th Tirthankara of Jainism. Born in 599 BCE in the kingdom of Kundagrama, Mahavir was no ordinary prince. At 30, he walked away from the trappings of royalty in search of deeper truths. What followed was a life of intense meditation, discipline, and deep compassion. After 12 years of silence and self-discovery, he attained *Kevala Jnana*, complete knowledge, and spent the rest of his life illuminating the path for others.

A Spiritual Compass for Modern Chaos

What makes Lord Mahavir timeless is not just what he said, but how he lived. His principles, *ahimsa* (non-violence), *satya* (truth), *asteya* (non-stealing), *brahmacharya* (moderation), and *aparigraha* (non-attachment), are not abstract ideals. They are everyday choices. They are the pause before reacting in anger, the courage to speak truth with kindness, the decision to live simply when consumerism calls loudly. Imagine if we embraced even one of these teachings in our daily routine! Choosing compassion in a heated moment. Saying no to things we don't need. Speaking honestly, but gently. It's not about renouncing the world, it's about engaging with it more consciously.

The Discipline of a Gentle Warrior

Lord Mahavir's life was one of fierce discipline, yet it was never rigid. His strength lay in softness, refusing harm, even to the smallest insect, refusing excess, even when surrounded by plenty. Today, that spirit can live on in small, personal acts of mindfulness, waking with intention, practicing gratitude, eating with awareness, being slow to judge and quick to forgive.

In an age of digital overload and endless striving, this kind of inner discipline feels radical. But it's exactly what our souls crave, space, stillness, and sincerity.

A Timeless Invitation

Lord Mahavir didn't ask the world to follow him, he simply walked his path with clarity and compassion. Centuries later, his footsteps still echo, offering an invitation, live lightly, speak truthfully, harm no one, hold on to nothing. In a world weighed down by chaos and noise, his message is not just relevant, it's revolutionary. This Mahavir Jayanti, may we not only honour his legacy, but carry it forward, in thought, in word, in action. Because living lightly isn't just a choice. It's freedom.

Do WE Really Have Dire Wolves Now?

According to Arctic Focus, many of the scientists agree that dire wolves primarily hunted large plant-eating animals, like horses, bison, and camels. However, many of these animals went extinct or drastically decreased in numbers in North America, this was nearly 13,000 years ago. This loss of prey likely led to the extinction of the dire wolf. Species like the gray wolves survived, probably because they are more adaptable as they can survive by eating a wider range of foods.

Anjali Sharma
Senior Journalist & Wildlife Enthusiast

There is a magnificent, snow-white wolf on the cover of *Time Magazine* today, accompanied by a headline announcing the return of the dire wolf. This now extinct species is possibly most famous for its fictional role in Game of Thrones, but it did exist, more than 10,000 years ago, when it roamed across the Americas.

The company Colossal Biosciences is behind the headlines. It announced that it used 'deft genetic engineering and ancient DNA' to breed three dire wolf puppies and to 'de-extinct' the species.

After vanishing from the face of the earth over 12,000 years ago, the dire wolves are now living, breathing, and howling amongst us. The scientists at a company called Colossal Biosciences have performed a miracle, or in other words, de-extinction, a process which revives an extinct species. What 'Game of Thrones' made popular with 'Lady' and 'Ghost,' they have now managed to turn it into a 'reality' with 3 healthy dire wolves named Romulus, Remus and Khaleesi. While Romulus and Remus are two six-months old wolf pups, Khalessi is a 2-month old female pup.

What are Dire Wolves? What do they look like?

If we talk about their appearance, Dire Wolves are large-sized and have a dense coat of fur. A study by Colossal Laboratories and Biosciences had found that the genes of dire wolves led them to have a strong build, with possibly light or nearly-white fur, and unique features that made it a true 'super-wolf' of America. In fact, they are said to have been similar looking with today's grey wolves and jackals. The dire wolf are said to have lived during the Pleistocene Epoch, which lasted from 2.6 million to 11,700 years ago, as per Britannica. It might be the most commonly found mammal preserved in the La Brea Tar Pits in southern California. They are said to have first appeared in the Americas. There's no evidence they ever mixed with gray wolves, which came from Eurasia and later spread to North America.

#EXTINCT!

How did Colossal create the dire wolves?

Scientists at Colossal were able to study the genetic makeup of the dire wolves from their DNA, using advanced genetic techniques. A report in time.com explains that the scientists then rewrote the genetic code of the regular gray wolf to match the dire wolf's DNA. To bring these animals to life, they used domestic dogs as surrogate mothers. This led to the birth of the three dire wolves. This is the first time in history that an extinct specie has been 'brought back' to life.

The founders of Colossal, made up of entrepreneurs and scientists, began the company in 2021. They studied ancient DNA to find the important genetic changes that made this extinct species different from its living relatives. TIME reported that making the new dire wolves involved 20 edits in 14 genes of the regular gray wolf. These changes caused the wolves to look and behave differently. For example, Romulus and Remus got white fur, grew larger, developed stronger shoulders, had wider heads, bigger teeth and jaws, more muscular legs, and made sounds like howling and whining.

But while the young wolves, Romulus, Remus, and Khaleesi, represent an impressive technological breakthrough, independent experts say they are not actually dire wolves.

Zoologist Philip Seddon from the University of Otago in New Zealand explained the animals are 'genetically modified grey wolves.'

Colossal publicised its efforts to use similar cutting edge genetic techniques to bring back extinct animals including the woolly mammoth and the Tasmanian tiger. Meanwhile, experts have pointed to important biological differences between the wolf on the cover of Time and the dire wolf that roamed and hunted during the last ice age.

Two of the puppies at one month of age

Paleogeneticist Dr. Nic Rawlence, also from Otago University, explained how ancient dire wolf DNA, extracted from fossilised remains, is too degraded and damaged to biologically copy or clone.

"Ancient DNA is like if you put fresh DNA in a 500 degree oven overnight," Dr. Rawlence told BBC News. "It comes out fragmented like shards and dust."

"You can reconstruct (it), but it's not good enough to do anything else with."

Instead, he added, the de-extinction team used new synthetic biology technology, snipping out pieces of DNA and inserting them into the genetic code of a living animal, that has its entire biological blueprint intact, in this case, a grey wolf. "So, what Colossal has produced is a grey wolf, but it has some dire wolf-like characteristics, like a larger skull and white fur," said Dr. Rawlence. "It's a hybrid."

Dr. Beth Shapiro, a biologist from Colossal Biosciences, said that this feat does represent de-extinction, which she described as recreating animals with the same characteristics.

"A grey wolf is the closest living relative of a dire wolf, they're genetically really similar, so, we targeted DNA sequences that lead to dire wolf traits and then edited grey wolf cells, then we cloned those cells and created our dire wolves."

According to Dr. Rawlence, though, dire wolves diverged from grey wolves anywhere between 2.5 to six million years ago.

"It's in a completely different genus to grey wolves," he said. "Colossal compared the genomes of the dire wolf and the grey wolf, and from about 19,000 genes, they determined that 20 changes in 14 genes gave them a dire wolf."

Why did Dire Wolves go extinct?

According to Arctic Focus, many of the scientists agree that dire wolves primarily hunted large plant-eating animals, like horses, bison, and camels. However, many of these animals went extinct or drastically decreased in numbers in North America, this was nearly 13,000 years ago. This loss of prey likely led to the extinction of the dire wolf. Species like the gray wolves survived, probably because they are more adaptable as they can survive by eating a wider range of foods.

Colossal says the grey wolf is the closest living relative to the extinct dire wolf

The edited embryos were implanted in surrogate domestic dog mothers. According to the article in Time, all three wolves were born by planned caesarean section to minimise the risk of complications.

Colossal, which was valued at $10bn (£7.8bn) in January, is keeping the wolves on a private 2,000-acre facility at an undisclosed location in the northern US.

The pups certainly look like many people's vision of a dire wolf and the story has gathered global attention. So, why is this scientific distinction important?

"Because extinction is still forever," Dr. Rawlence told BBC News. "If we don't have extinction, how are we going to learn from our mistakes? Is the message now that we can go and destroy the environment and that animals can go extinct, but we can bring them back?"

rajeshsharma1049@gmail.com

#INSIGHT

Pani Puri, Puchka, Gol Gappa : One Snack, A Thousand Stories

The Little Bombshell That Rules India's Street Food Scene!

Imagine this: a crispy, hollow sphere filled with spicy tang, a whisper of sweetness, a hint of mystery, and a whole lot of *chaat-pati* joy. You pop it into your mouth, and bam!, your taste buds do a little dance, your eyes water just a little, and your heart? Well, it says, "One more, please!"

Ladies and gentlemen, let's talk about the undisputed queen of Indian street food, the mighty golgappa. Or wait, should we call it puchka? Or pani puri? Or maybe, even gupchup? Call it what you want, but there's no denying that this tiny titan of taste has a fanbase that spans generations and geographies. And today, we're diving headfirst into its spicy depths, names, nibbles, and nostalgia included.

What's in a Name? Everything!

Depending on where you're standing in India, the name changes, but the obsession stays strong.

1. In Delhi and North India, it's golgappa, 'gol' for round, 'gappa' for the sound you make while devouring it whole.
2. Head to Mumbai or Gujarat, and you'll find loyalists lining up for pani puri, literally 'water bread,' which might sound modest until you try it.
3. In Kolkata and eastern India, it's puchka, perhaps, the most dramatic version of them all, spicier, tangier, and with a stuffing that hits different.
4. Meanwhile, Odisha, Bihar, and Jharkhand call it gupchup, as addictive as its name and is fun to say.

Same snack. Different names. United by flavour.

A Bite of History

Ever wondered where this legendary snack came from? The origins are as deliciously debated as the best stuffing combo. One version credits the invention to Draupadi, the fiery queen from the Mahabharata, who was once challenged to feed the Pandavas with minimal ingredients. What emerged was the prototype of the golgappa, a creative concoction that won hearts even back then. Another theory traces it back to Magadha (modern-day Bihar), where ancient street food culture thrived with bold spices and bite-sized snacks. Over centuries, it evolved, travelled, and adapted to local palettes. From myth to mouthful, the golgappa has stood the test of time, and taste.

More Than a Snack, it's an Experience

Let's be honest. Eating golgappa is not just a quick chomp, it's practically a ritual. You stand in front of the bhaiya with a steel plate in hand. He asks, "Teekha zyada ya kam?" (How much spicy?). You nod, trying to act cool. He dips that golden ball into the spiced water with the flair of a magician, passes it to you, and watches. You pop it in, and for a moment, time stands still. Your eyes widen. Your nose tingles. You fan your mouth. You smile. And then? You go again. And again. It's communal. It's competitive. It's chaos. And it's beautiful.

The Great Divide: Potato or Chickpea?

Let's talk filling. Because here's where loyalties truly split. In the North, you're looking at a mashed potato mix, maybe with some chana (chickpeas), spiked with spices and a dash of tamarind. In the East, puchkas are all about the tangy tamarind pulp, boiled white peas, and a potent spice blend. Down West, Mumbai's pani puri brings in sprouts, boondi, and even ragda on occasion. Every version claims to be the best. And honestly? They're all right.

A Flavour That Unites Us

In a country as diverse as India, where languages, customs, and cuisines shift every few hundred kilometers, the golgappa stands as a glorious reminder of what binds us, a shared love for spice, crunch, and culinary drama.

Whether you're a puchka purist from Kolkata or a pani puri pro from Pune, this snack doesn't just fill our bellies, it fills our hearts with memories, laughter, and a little spice-induced sniffle. So, next time you spot that roadside stall or hear the clink of those little bowls, follow the scent, join the crowd, and surrender to the magic of the golgappa. Because honestly, in the world of street food, nothing pops quite like it.

THE WALL

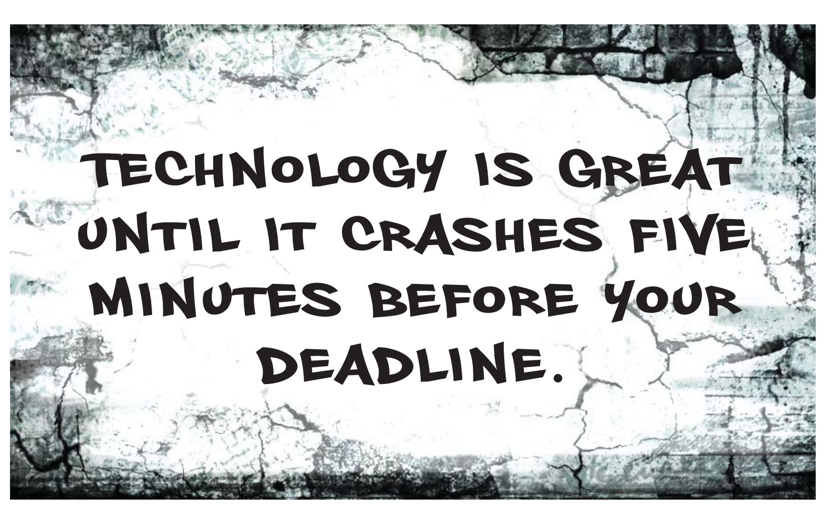

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

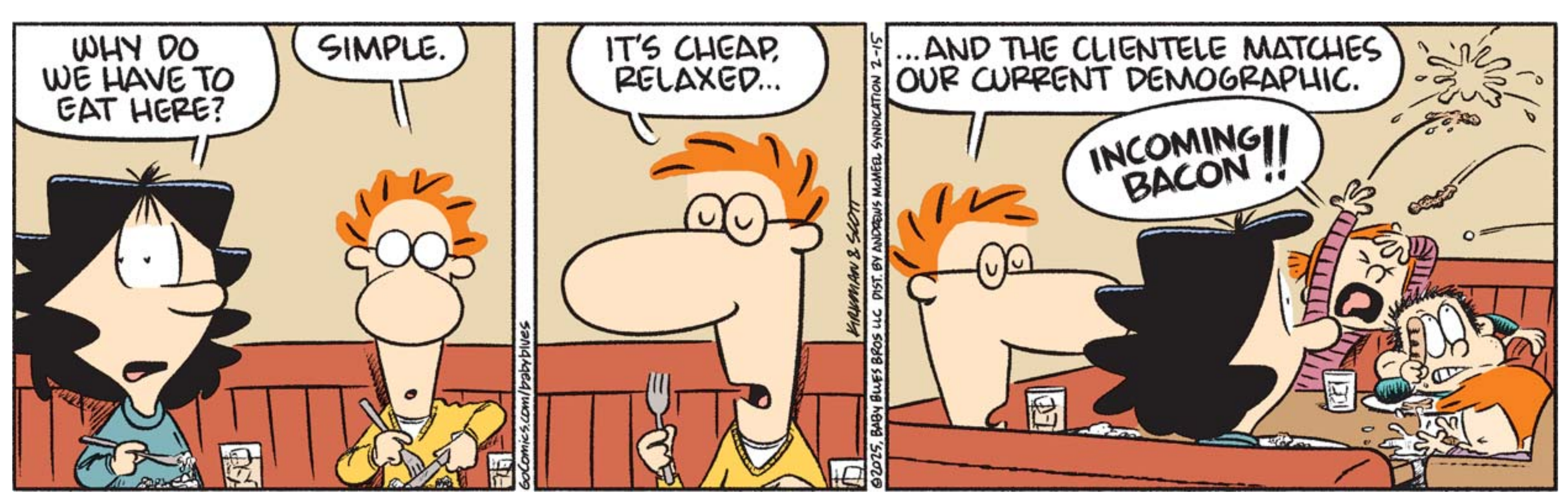

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

आईपीएल मैच पर ऑनलाइन सट्टा लगाते पांच लोगों को गिरफ्तार किया

आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने एक लैपटॉप, छह मोबाइल, कार के साथ नकदी जब्त की

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर की सदर थाना पुलिस ने एक फार्म हाउस में ऑनलाइन सट्टा खेलते पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से एक लैपटॉप, छह मोबाइल, दो कार के साथ 78500 रुपये की नकदी जब्त की है।

सदर थाना पुलिस ने बताया कि, जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह यादव के निर्देशन व एएसपी पारसमल जैन के सुपरविजन में अवैध कार्यों में संलिप्त अपराधियों की धरपकड़ के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत सदर थाने की एक टीम गठित की गई। इस टीम का नेतृत्व कर रहे थाना प्रभारी कैलाश चंद्र ने मुखबिर से मिली सूचना पर भदादा मोहल्ला, बड़े मंदिर के पास रहने वाले रिजुल राठी के दांथल सरहद स्थित लग्जरी फार्म हाउस पर दबिश दी, जहां पांच लोग सट्टा खेलते मिले। पूछताछ करने पर इन लोगों ने खुद को जूनावास निवासी राधेश्याम पुत्र देवीलाल चौधरी, रीजुल राठी पुत्र घीसू राठी भदादा मौहल्ला, भीमगंज, राधेश्याम पुत्र रामचंद्र बैरवा किशनगढ़ थाना कोटड़ी हाल पंचायत भवन के पास दांथल, राहुल पुत्र जगदीशचंद्र सुथार सांगानेरी गेट, तिलक नगर रोड तिलक नगर और जूनावास निवासी कैलाश पुत्र गिरधारी चौधरी बताया। ये लोग मुंबई इंडियन्स व आर.सी.बी के बीच खेले जा रहे आई.पी.एल मैच में ऑनलाइन सट्टाबाजी कर रहे थे। इनके कब्जे से एक लैपटॉप, छह मोबाइल, ताश के पत्ते एवं नगदी मिली, जिसे जब्त कर लिया। साथ ही फार्म हाउस में खड़ी फॉरच्यूनर व किया कार को जब्त कर इन पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया। इनके खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है।

सदर थाना पुलिस ने एक फार्म हाउस में ऑनलाइन सट्टा खेलते पांच लोगों को गिरफ्तार किया।

- पकड़े गए आरोपी मुंबई इंडियन्स व आर.सी.बी के बीच खेले जा रहे आई.पी.एल मैच में ऑनलाइन सट्टाबाजी कर रहे थे

तनोट माता के दरबार में सनी देओल ने जाट मूवी के लिये मन्नत मांगी

तनोट माता मंदिर परिसर में अभिनेता सनी देओल ने जवानों के साथ ठुमके लगाए।

जैसलमेर, (निसं)। बॉलीवुड फिल्मों के मशहूर अभिनेता सनी देओल बुधवार को भारत-पाक बॉर्डर स्थित तनोट माता मंदिर पहुंचे। तनोट माता मंदिर के दर्शन कर उन्होंने अपनी आने वाली फिल्म जाट की सफलता की कामना की। इस दौरान सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने डीआईजी योगेंद्रसिंह राठौर के नेतृत्व में उनका स्वागत किया।

तनोट माता मंदिर परिसर में आयोजित अभिनेता सनी देओल के सम्मान समारोह में जब जवानों ने ग़दर फिल्म का गाना "मैं निकला गड्डी लेके.." गाया तो अभिनेता सनी देओल अपने आपको रोक नहीं सके और जमकर ठुमके लगाए। गौरतलब है कि सनी देओल माता के दरबार में फिल्म की सफलता की कामना के लिए बुधवार सुबह आठ बजे दिल्ली से चार्टर प्लेन से गुपचुप जैसलमेर पहुंचे और दर्शन के बाद दोपहर करीब दो बजे चार्टर प्लेन से मुंबई के लिए लौट गए।

- सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने डीआईजी के नेतृत्व में सनी देओल का स्वागत किया

आमजन को पेयजल उपलब्ध करवाना सरकार की प्राथमिकता है : पीएचईडी मंत्री

जयपुर। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं भू जल मंत्री कन्हैयालाल ने बुधवार को नगर परिषद सभागार कुचामन में डीडवाना-कुचामन एवं नागौर जिले में पेयजल की वर्तमान स्थिति, गर्मियों में पेयजल की उपलब्धता एवं संभावित स्थिति एवं नहरबंदी के दौरान आपूर्ति की जानकारी ली और अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के सम्बन्ध में दिशा निर्देश दिये।

उन्होंने गर्मियों के मौसम के मध्यनजर पेयजल प्रबंधन के लिए गंभीरता से कार्य करने तथा नियमित एवं सुचारु पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

जलदाय मंत्री ने बैठक में जन प्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तुत पेयजल सम्बन्धित समस्याओं के त्वरित एवं नियमानुसार निस्तारण करने तथा पेयजल प्रबंधन और वितरण तंत्र को मजबूत करने के निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने क्षेत्रवार पेयजल आपूर्ति एवं प्रबंधन तथा नहरबंदी के दौरान जलापूर्ति व्यवस्था की जानकारी ली तथा पेयजल स्त्रोतों व विकल्पों के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों से ट्यूबवेल, हैंडपंप, कुंओं एवं बावड़ी की मरम्मत व उनके रख रखाव के बारे में चर्चा करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति की नियमित मॉनिटरिंग करने के भी निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने कहा कि आमजन को पेयजल उपलब्ध करवाना सरकार की प्राथमिकता है और इस कार्य के लिए बजट की कोई कमी नहीं आयेगी। उन्होंने अधिकारियों को राज्य सरकार की मंशानुरूप कार्य करने तथा जल जीवन मिशन का कार्य समय पर पूर्ण करने, शेष रहे गांवों को जोड़ने व गुणवत्ताहीन कार्य करने वाले ठेकेदारों पर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने पेयजल से संबंधित अन्य विभिन्न विकास कार्यों और परियोजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा कर व आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

बैठक में जिला प्रमुख भागीरथ चौधरी, पूर्व विधायक मानसिंह किनसरिया, मकराना विधायक जाकिर हुसैन, डीडवाना विधायक युनुस खान, मकराना प्रधान सुनीता भींचर, जितेंद्र सिंह जोधा एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी क्षेत्रवार पेयजल आपूर्ति की समस्या एवं प्रोजेक्ट्स संबंधित कार्यों के सफल क्रियान्वयन में आने वाली समस्याओं के बारे में अवगत कराया जिस पर पीएचईडी मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए तथा जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय कर सभी कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग व पूर्ण कार्यों का संयुक्त भौतिक सत्यापन करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने राज्य बजट घोषणाओं से संबंधित कार्यों की क्रियान्विति समयबद्ध रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

इस दौरान बैठक में किसान आयोग के अध्यक्ष सीआर चौधरी, जिला कलेक्टर डीडवाना-कुचामन पुखराज सेन, जिला कलेक्टर नागौर अरुण कुमार पुरोहित, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अतिरिक्त मुख्य अभियंता रामचंद्र राड सहित सभी संबंधित अधिकारी और अन्य जन प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं भू-जल मंत्री कन्हैयालाल ने कुचामन में विभागीय समीक्षा बैठक ली।

- गर्मी के मौसम के मध्यनजर डीडवाना-कुचामन व नागौर जिले में पेयजल आपूर्ति एवं प्रबंधन के लिए प्रभावी कदम उठायें : पीएचईडी मंत्री
- जलदाय मंत्री ने डीडवाना-कुचामन व नागौर जिले में पेयजल आपूर्ति, जल जीवन मिशन सहित विभिन्न कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये

बहन पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाने पर भाई को समाज से निकाला

भीलवाड़ा, (निसं)। 21वीं सदी के इस दौर में भी आज खाप पंचायतों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। जब एक भाई ने अपनी बहन पर ससुराल पक्ष द्वारा किए जा रहे जुल्मों के खिलाफ आवाज उठाई तो उसका समाज में हुक्का-पानी बंद कर दिया गया। वहीं वह अपने किसी सगे-संबंधी के घर पर भी नहीं जा पा रहे हैं। यदि कोई समाजजन उसके घर आ भी जाता है तो उस पर भी समाज के ठेकदार लोग दंड लगा देते हैं। ऐसे में परिवार अलग-थलग रहकर जीवन-यापन करने का मजबूर हो रहा है।

यह पूरा मामला भीलवाड़ा जिले के रायपुर थाना क्षेत्र के थला गांव में रहने वाले प्यारे लाल कुमावत का है, जिसने अपनी बहन सुखी कुमावत पर पति द्वारा किए जा रहे जुल्मों के खिलाफ आवाज उठाना भारी पड़ रहा है। समाज के पंच पटेलों ने उसको जातिगत बहिष्कृत कर दिया और उसके यहां आने-जाने वालों पर प्रतिबंध लगा दिया, जिसके कारण प्यारेलाल कुमावत ने कोर्ट द्वारा रायपुर थाने में पंचों के खिलाफ मामला भी दर्ज करवाया, लेकिन पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं करने पर आज वह पुलिस अधीक्षक के समक्ष न्याय की गुहार लगाने पहुंचा।

पीड़ित प्यारे लाल कुमावत ने कहा कि मेरी बहन सुखी का विवाह कोशिथल निवासी शंकर लाल कुमावत के साथ 32 साल पहले हुआ था। इसके बाद 20 साल तक सब कुछ शांतिपूर्ण रहा, मगर पिछले 10 साल से शंकर लाल मेरी बहन सुखी के साथ रोजाना मारपीट करता था, जिसके कारण मेरी बहन मेरे घर आ गई और इसके बाद उसके ससुराल वालों ने पंच पंचायती करवाना शुरू कर दिया, जिसमें पंचों ने मेरी बात सुने बिना ही मुझे समाज से बाहर कर दिया। इसके बाद मैने कोर्ट के द्वारा थाने में मामला दर्ज करवाया लेकिन पंच-पटेल रसूखदार होने के कारण पुलिस उन पर कार्रवाई नहीं कर रही है। इसके कारण पीड़ित भाई ने जिला पुलिस अधीक्षक से मामले में कार्रवाई की गुहार लगाई है।

- यदि कोई समाजजन भाई के घर आ भी जाता है, तो उस पर भी समाज के लोग दंड लगा देते हैं
- ऐसे में परिवार अलग-थलग रहकर जीवन-यापन करने का मजबूर हो रहा है, एसपी के पास पहुंचा पीड़ित

मृत अवस्था में पड़ा मिला अधेड़

मनोहरपुर, (निसं)। थाना इलाके के खोरा रोड पर मंगलवार को एक व्यक्ति मृत अवस्था में पड़ा मिला है। पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना दी और मौके पर बुलाया।

थाना प्रभारी भगवान सहाय मीणा ने बताया कि शिव कॉलोनी निवासी धोलूराम पुत्र कालूराम कुम्हार उम्र 45 वर्ष खोरा रोड पर स्थित एक टाइल के गोदाम के सामने स्थित पुरानी छतरी के पास मृत अवस्था में पड़ा मिला है। जिसकी सूचना मिलने पर एएसआई कश्मीर सिंह, हेड कांस्टेबल रमेश चंद्र मय जाप्ता मौके पर पहुंचे। आसपास के मौजूद लोगों ने बताया कि व्यक्ति शराब का आदि था। पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना देकर शव को पोस्टमार्टम के लिए शाहपुरा ले जाया गया।

जेईई मेन-2025 के अप्रैल सेशन की परीक्षाएं संपन्न

कोटा, (निसं)। जॉइंट एंट्रेंस एग्जाम मेन 2025 के अप्रैल सेशन की परीक्षाएं संपन्न हो गई हैं। अब जनवरी और अप्रैल दोनों सत्रों के स्कोर के आधार पर फाइनल रिजल्ट जारी किया जाएगा। इस रिजल्ट के आधार पर टॉप 2.5 लाख परीक्षार्थी जॉइंट एंट्रेंस एडवांस्ड के लिए क्वालीफाई घोषित किए जाएंगे। इसी को लेकर अब क्वालीफाइंग कटऑफ को लेकर कयासों का दौर शुरू हो गया है।

एजुकेशन एक्सपर्ट्स देव शर्मा का कहना है कि इस बार जेईई मेन परीक्षा के पेपर पैटर्न में किए गए बदलावों और कठिन प्रश्नों के कारण कटऑफ में गिरावट संभव है। देव शर्मा ने बताया कि कम कटऑफ के दो प्रमुख कारण सामने आ रहे हैं। पहला पेपर के सेक्शन-बी में विकल्पों को हटा दिया गया है जिससे स्टूडेंट्स को अधिक सटीकता से उत्तर देना पड़ा। दूसरा दोनों सत्रों के प्रश्नपत्रों का स्तर खासकर केमिस्ट्री में पहले से ज्यादा कठिन रहा जिसे अभ्यर्थियों ने भी चुनौतीपूर्ण माना है। देव शर्मा ने बताया कि पिछले पांच वर्षों में सबसे अधिक कटऑफ वर्ष 2024 में रही थी। जब जनरल कैटेगरी के लिए क्वालीफाइंग कटऑफ 93.2362181 परसेंटाइल थी। हालांकि, उस वर्ष फिजिक्स और केमिस्ट्री में अधिकतर प्रश्न फॉर्मूला व फैक्ट आधारित थे जिससे छात्रों को अपेक्षाकृत आसानी हुई। वहीं इस बार केमिस्ट्री के पेपर का स्तर ऊंचा रहा, जिसका असर स्कोर पर पड़ सकता है। पिछले पांच वर्षों के कटऑफ ट्रेंड का विश्लेषण करने पर संभावना जताई जा रही है कि वर्ष 2025 के लिए जनरल कैटेगरी की कटऑफ लगभग 92 परसेंटाइल के आसपास रह सकती है।

- इस बार क्वालीफाइंग कटऑफ कम रहने की संभावना

नाबालिग का अपहरण करने वाले पांच आरोपी गिरफ्तार

घटना में प्रयुक्त कार, बोलेरो पिकअप आदि जब्त

निवाई, (निसं)। निवाई थाना पुलिस ने नाबालिग का अपहरण करने वाले पांचों नामजद आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी रामजीलाल बैरवा ने बताया कि नाबालिग पीड़िता के पिता ने तीन अप्रैल को पांच नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया था कि दो अप्रैल की रात करीब आठ बजे उसकी नाबालिग पुत्री को आरोपी उठाकर ले गए थे और तीन घंटे बाद वापस छोड़ गए थे।

उन्होंने बताया कि प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के आदेशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बृजेन्द्रसिंह भाटी के निर्देशन में डीवाईएसपी मृत्युंजय मिश्रा के निकट सुपरविजन में थानाधिकारी के नेतृत्व में टीम का गठन किया। टीम में कानि आशाराम, राजेश, मुकेश व विनोद को शामिल किया। टीम ने आरोपियों के संदिग्ध ठिकानों पर कई जगह दबिश दी, लेकिन आरोपी लगातार जगह बदल रहे थे। मंगलवार की रात मुखबिर ने सूचना दी कि आरोपी बिलाल कुरैशी, इरफान, मेराज व सराज उर्फ सिराज कुरैशी शिवाजी पार्क के समीप खड़े हैं। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और मौके से घटना में प्रयुक्त वाहन वरना कार, बोलेरो पिकअप व शिवफ्ट डिजायर कार को जब्त कर लिया। थानाधिकारी बैरवा ने बताया कि इसी प्रकार एक अन्य मामले में एक नाबालिग से दुष्कर्म जैसा अपराध करने के मामले में आरोपी का सहयोग करने वाले आरोपी विकास पुत्र हनुमान मीणा को निवाई स्थित झिलाय पुलिया से डिटेन कर गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि मुख्य आरोपी लोकेश कुमार उर्फ आर्यन पुत्र जयसिंह मीणा को गिरफ्तार कर पॉक्सो कोर्ट में पेश किया जिसको जेल भेज दिया गया।

निवाई पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया।

हादसे में कॉलेज प्राचार्या की मौत

भीलवाड़ा। शहर के भीमगंज थाना इलाके में स्थित मंगल पांडे सर्किल पर एक तेज रफ्तार कर और ऑटो के बीच हुई टक्कर में पॉलिटेक्निक कॉलेज की प्राचार्य की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद कॉलेज में शोक की लहर दौड़ पड़ी और बड़ी संख्या में विद्यार्थी और साथी अध्यापक एमजी हॉस्पिटल मोर्चरी पहुंचे।

जानकारी के अनुसार मूलतया: अजमेर हाल तिलक नगर में रहने वाली शालू पुत्री आरजी गोयल रोजमर्रा की तरह कॉलेज ड्यूटी पर जाने के लिए घर से निकली। ऑटो में सवार होकर वह मंगल पांडे सर्किल की तरफ पहुंची ही थी कि इस दौरान एक तेज रफ्तार ईको कार ने उनके ऑटो को टक्कर मार दी। हादसे में शालू की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य अध्यापिका और ऑटो चालक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें महात्मा गांधी चिकित्सालय में भर्ती करवाया गया है। भीमगंज थाना अधिकारी गजेंद्र सिंह ने मौके पर पहुंचकर शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों के सुपुर्द कर मामले की अग्रिम जांच शुरू की है।

बदमाशों ने महिला पर्स लूटा

जयपुर। शहर में बाइकर्स गैंग ने आंतक मचा रखा है। शहर में अलग-अलग जगहों पर बाइक सवार बदमाशों ने एक युवती से पर्स तो वहीं दूसरी महिला के गले पर झपट्टा मार पर्स छीनकर ले गए।

आदर्श नगर थाने में एक युवती ने पर्स छीनने का मामला दर्ज करवाया। शिकायत में उसने बताया कि वह अपने घर जा रही थी उसी दौरान एक युवक स्कूटी से उस के पास आता और उस के कंधे पर लटका पर्स छीनकर ले गया। इस दौरान युवती का संतुलन बिगड़ा और युवती सड़क पर गिर गई। जिस से वह स्कूटी का नम्बर नहीं देख सकी।

पीड़िता देशना ने बताया कि रात वह अपने रूम पर जा रही थी उस दौरान वह राजापार्क मार्केट राजापार्क आदर्श नगर जयपुर से निकली तभी स्कूटी सवार एक युवक उसके पीछे से आया और उसका कंधे पर लटका बैग छीन लिया जिस से उसका संतुलन बिगड़ा और वह सड़क पर गिर गई। जिस के बाद पीड़ित ने काफी शोर किया तो लोग उसके पास आए लेकिन तब तक आरोपी स्नैचर बैग लेकर भाग चुका था। पर्स में एक आईफोन, डेबिट कार्ड, आईडी और 2 हजार रुपए नगद थे।

शहीद मुकेश कुमार बुनकर के परिजनों का शौर्य दिवस पर सम्मान किया

शाहपुरा, (निसं)। क्षेत्र के ग्राम रामपुरा निवासी कोबरा बटालियन के राष्ट्रपति पुलिस वीरता पदक से सम्मानित शहीद मुकेश कुमार बुनकर के परिजनों का बुधवार को सम्मान किया गया।

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, राजस्थान सेक्टर मुख्यालय, नायला में शौर्य दिवस पर कमांडेंट कुलदीप कुमार जैन, विकेश कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी उगमा राम, उप कमांडेंट प्रवीन कुमार आदि अधिकारियों द्वारा शहीद वीरांगना बीना देवी, पुत्री मोनिका, ममता, ऋषिका, संदीप वर्मा सहित परिजनों को प्रस्तति पत्र, स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया। साथ ही अधिकारियों ने शहीद परिजनों से कुशलक्षेम पूछी, उनकी समस्याएं सुनी और हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया। सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. पूरणमल बुनकर ने बताया कि सीआरपीएफ के शौर्य दिवस के उपलक्ष्य में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान कमांडेंट कुलदीप कुमार जैन ने कहा कि शहीद परिवार के साथ हम हमेशा साथ है और जल्द ही सभी समस्याओं का समाधान करेंगे। सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. पूरणमल बुनकर ने बताया कि 9 अप्रैल 1965 के दिन कच्छ के रण गुजरात में स्थित सरदार पोस्ट पर सीआरपीएफ के कम संख्या में रहते हुए सीआरपीएफ की टुकड़ी ने पाकिस्तान की एक पूरी ब्रिगेड का मुकाबला साहस के साथ किया और पाकिस्तान की ब्रिगेड को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया था। हमले में 34 पाकिस्तानी सैनिकों को मौत के घाट उतारकर 4 को जिंदा गिरफ्तार किया गया था। इस संघर्ष में सीआरपीएफ के 6 बहादुर सैनिकों ने अपनी शहादत दी थी। यह दिन सेना युद्ध के इतिहास में एक अनूठा उदाहरण है। सीआरपीएफ के बहादुर जबानों की गाथा को श्रद्धांजलि के रूप में हर वर्ष 9 अप्रैल को शौर्य दिवस के रूप में मनाया जाता है।

- अधिकारियों ने शहीद परिजनों से कुशलक्षेम पूछी, समस्याएं सुनी और हरसंभव मदद का आश्वासन दिया

शहीद के परिजनों का अधिकारियों ने सम्मान किया।

कुएं में डूबने से पशु चरवाहे की मौत

मालपुरा, (निसं)। डिग्गी थाना क्षैत्र के धोली गांव के पास सार्वजनिक कुंए में दूसरे दिन पशु चरवाहे का शव तैरता मिला। पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से शव को निकाल पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपा।

डिग्गी थाना एएसआई रमेश चन्द ने बताया कि बुधवार की सवेरे जरिये दूरभाष के सूचना मिली की धोली गांव के पास सार्वजनिक कुंए में एक युवक का शव तैर रहा है। सूचना पर तत्काल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। मौजूद ग्रामीणों के सहयोग से शव को कुंए से बाहर निकाला गया। मृतक की पहचान ग्रामीणों ने धोली निवासी विजय पुत्र मनीराम हरिजन के रूप में कर परिजनों को सूचना दी। मौके पर पहुंचे मृतक के भाई दिनेश ने शव की पहचान अपने भाई विजय के रूप में करने पर शव को पुलिस सुरक्षा में लेकर डिग्गी सीएचसी मुर्दाघर में रखवाया गया। परिजनों की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंपा गया। मृतक के भाई ने बताया कि विजय रोज की तरह मंगलवार को पशु लेकर जंगल में गया था। देर शाम तक घर नहीं लोटा। जगह-जगह तलाश की गई लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। बुधवार की सवेरे गांव के सार्वजनिक कुंए में विजय का शव तैरता मिला। मृतक के पिता की और से दी रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने मृग में मामला दर्ज कर शव के पंचनामे की कार्यवाही की। वहीं कुंए में शव मिलने की सूचना आग की तरह फैलने से बड़ी संख्या में कुंए के आस-पास ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई।

- दूसरे दिन कुंए में तैरता मिला चरवाहे का शव

संक्षिप्त

सौंपा ज्ञापन

निवाई। ग्राम पंचायतों के परिसीमन की सूची में ग्राम सीतापुरा (बोकण ढाणी चुराडा) को प्रस्तावित ग्राम पंचायत श्रीरामपुरा उर्फ नया गांव में जोड़ दिया गया है। जिसका ग्रामीणों ने विरोध किया है। ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम सीतापुरा से नवीन प्रस्तावित ग्राम पंचायत श्रीरामपुरा (नयागांव) की दूरी 10 किलोमीटर दूर है, जिससे ग्रामवासियों को ग्राम पंचायत मुख्यालय में जाने में परेशानी होगी। जबकि वर्तमान ग्राम पंचायत अरनिया मात्र 4 किलोमीटर दूर है। ग्राम सीतापुरा की कोई भी भौगोलिक सीमा ग्राम पंचायत श्रीरामपुरा से नहीं जुडती है। जबकि ग्राम पंचायत अरनिया से भौगोलिक सीमा सीतापुरा से जुडती है। ग्राम पंचायत अरनिया के गांव भगवतपुरा की भौगोलिक सीमा प्रस्तावित ग्राम पंचायत श्रीरामपुरा से जुडती है। ग्राम पंचायत अरनिया से डामरीकरण सडक से सीतापुरा गांव जुडा हुआ है। ग्राम पंचायत अरनिया की 2011 की जनगणना के अनुसार कुल जनसंख्या 2875 है। इसलिए इसलिए गांव को अरनिया ग्राम पंचायत में ही रखा जाए। ज्ञापन देने के दौरान रामेश्वर, कजोड, गिर्राज, भागुता, लड्डूलाल , रामनंदा व ओंकार सहित कई ग्रामीण मौजूद थे।

पशु चिकित्सालय सिरस में पक्षियों के लिए बांधे परिंडे

टोंक। जिले में हो रही गर्मी एवं हीट वेव को देखते हुए दाने-पानी से व्याकुल पक्षियों की पीड़ा को समझते हुए पशु चिकित्सालय सिरस के प्रभारी डॉ. शिवराज शर्मा आगे आएं। उन्होंने पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. छोटू लाल बैरवा के निर्देश पर बुधवार को चिकित्सालय परिसर में परिंडे बांधे एवं उनमे पानी डालकर चिकित्सालय कार्मिकों को परिंडों की नियमित साफ-सफाई एवं प्रतिदिन दाना-पानी डालने के निर्देश दिए। परिंडे बांधने के अवसर पर प्रभारी डॉ. शर्मा ने कहा कि भीषण गर्मी में बेजुबान पशु-पक्षियों के लिए दाने-पानी की व्यवस्था करना सबसे बड़ा धर्म व पुण्य का काम है। मनुष्य का कर्तव्य है कि वे अपने घरों के आँगन, छत एवं सार्वजनिक स्थानों पर पक्षियों के लिए परिंडे लगाए और उनमे प्रतिदिन दाना-पानी रखे। उन्होंने कहा कि हमारे छोटे-छोटे प्रयास ही भावी पीढ़ी ऐसे पुण्यकार्य करने के लिए प्रेरित होंगी।

महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती 11 को

नारायणपुर । कस्बे के मानसरोवर जोहड़ स्थित महात्मा ज्योतिबा फुले जनजागृति संस्थान में 11 अप्रैल को महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती सैनी समाज द्वारा बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 9 बजे किया जाएगा। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ जन, युवा बड़ी संख्या में शामिल होकर महापुरुष ज्योतिबा फुले के विचारों और योगदान को स्मरण करेंगे। कार्यक्रम में विचार गोष्ठी, पुष्पांजलि और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन भी किया जाएगा।

भावभीनी श्रद्धांजलि

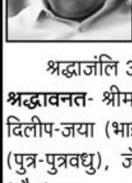

हमारे प्रिय **श्री अरूण जी महमवाल** के आकस्मिक निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित करते है।

श्रद्धावनत- श्रीमती आशा (धर्मपत्नी) दिलीप-जया (भाई-भाभी), रोहिन-प्रेमा (पुत्र-पुत्रवधु), जेनिशा (पौत्री) देवल (पौत्र)

श्रद्धांजलि

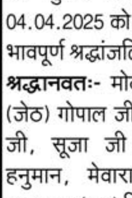

हमारी पूजनीय माताजी **श्रीमती लाडा देवी गुर्जर** धर्मपत्नी स्व. श्रवणलाल जी गुर्जर का स्वर्गवास दिनांक 04.04.2025 को हो जाने पर हम सभी भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धानवतः- मोती जी, रामनाथ जी (जेठ) गोपाल जी, कल्याण जी, नाथू जी, सूजा जी (देवर) हरजीराम, हनुमान, मेवाराम, मंगल, गणेश, लालाराम (पुत्र) विजय, मनीष, राहुल, समीर (पौत्र) एवं समस्त छावडी परिवार।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

मालपुरा का विकास मेरी पहली प्राथमिकता है : मंत्री कन्हैयालाल चौधरी

मंत्री कन्हैयलाल चौधरी ने मालपुरा में भाजपा का सक्रिय सदस्य सम्मेलन को सम्बोधित किया।

मालपुरा । भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश नेतृत्व के निर्देशो पर राजस्थान की सभी विधानसभाओं मे भाजपा के सक्रिय सदस्य कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित करने के घोषित कार्यक्रमानुसार बुधवार को महेश सेवा सदन मालपुरा मे सक्रिय सदस्य सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन मे पहुंचे केबिनेट मंत्री व क्षैत्रिय विधायक कन्हैयालाल चौधरी ने कहा कि केन्द्र व प्रदेश की भाजपा सरकार ने आमजन कल्याण के लिये हजारो योजनाऐं शुरू की है। जिन्है भाजपा कार्यकर्ता जन-जन तक पहुंचा लाभार्थी व जरूरतमंद लोगो को योजनाओं का लाभ दे रहे है। पूर्व कांग्रेस सरकार ने भाजपाशाषी विधानसभा क्षैत्रो के साथ सोतेला व्यवहार किया है। जिनमे मालपुरा विधानसभा भी शामिल है। अब केन्द्र से लेकर शहरी व पंचायतीराज तक भाजपा की कडी से कडी जुडी है। मालपुरा विधानसभा क्षैत्र का विकास करवाना मेरी पहली प्राथमिकता है। चाहे मुझे किसी भी हद से गुजरना पडे। मंच के माध्यम से मंत्री ने कडा रूख अपनाते हुये कहा कि मालपुरा मे कुछ लोग ऐसे है जो क्षैत्र मे विकास नही चाहते। उनका उदेश्य सिर्फ और सिर्फ कन्हैयालाल चौधरी को नीचा दिखाने व बदनामी करने का है। लेकिन अब ऐसे लोगो की परवाह किये बगैर क्षैत्र का चहुमुंखी विकास करवाने मे कोई कसर नही छोडूंगा। विधानसभा क्षैत्र मे भाजपा सरकार की बजट घोषणा के बाद तीन सो करोड की सडको का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। जल्द पचास करोड की मिसिंग लिंक सडको का कार्य शुरू होगा।

पैतीस करोड की लागत से तीर्थ स्थल डिग्गी व मालपुरा शहर मे विधुत लाईने भूमिगत डाली जायेगी। आने वाले बजट मे टोरडी व पचेवर को पीएचसी से सीएचसी मे क्रमोन्नत करवाना, मालपुरा मे कृषि विश्व विद्यालय एवं परिवहन विभाग कार्यालय खुलवाने का पूरा प्रयास किया जायेगा। इतना ही नही मंत्री ने औजस्वी उदबोधन मे कहा कि केकडी, अंराई,दूदू सहित आस पास के क्षैत्र की ग्राम पंचायतो को मालपुरा मे शामिल होने के लिये सम्बन्धित जनप्रतिनिधियो एवं आमजन से चर्चा कर मालपुरा को जिला बनाने का उनका प्रयास लगातार जारी है। मालपुरा जो कि जिला बनने के सभी मापदण्डो पर तो खरा उतर रहा है मालपुरा मे जिला मुख्यालय स्तर तक के सरकारी कार्यालयो के लिये भवन व भूमि भी पर्याप्त है।

बैसाखी मेले का आयोजन 13 से

अलवर। अतुल्य श्री पंजाबी समाज अलवर, राष्ट्रीय पंजाबी महासभा अलवर, समस्त पंजाबी समाज अलवर द्वारा आपसी भाईचारे का प्रतीक बैसाखी पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। मनोरंजन एवं रोमांच से भरपूर भव्य बैसाखी मेले का आयोजन 13 अप्रैल रविवार को होटल स्वरूप विलास पैलेस में शाम 5:00 बजे से शुरू होगा। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री अशोक कुमार बैरी अखिल भारतीय अधिकारी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं श्री अनुराग सरीन ज्वॉइंट कमिश्नर स्टेट जीएसटी जयपुर होंगे। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ मुकेश अरोड़ा राष्ट्रीय अध्यक्ष अतुल श्री पंजाबी समाज करेंगे।

दौसा जिला स्थापना दिवस समारोह आज

दौसा। दौसा जिला स्थापना दिवस समारोह 10 अप्रेल को हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस दौरान सुबह फुटबॉल मैच और शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं अखिल भारतीय कवि सम्मेलन आयोजित होंगे। कवि सम्मेलन में देश-प्रदेश के कई प्रतिष्ठित कवि शिरकत करेंगे। अतिरिक्त जिला कलक्टर रामस्वरूप शाम को बजरंग मैदान पर सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं अखिल भारतीय कवि सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन सायं 6 बजे से होगा। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत आनंद शर्मा राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय दौसा, केंद्रीय विद्यालय हरिपुरा, महात्मा गांधी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय दौसा खुर्द, स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल खेड़ला, विवेकानंद सीनियर हायर सेकण्डरी स्कूल दौसा, कलाकार राम अवतार शर्मा प्रधानाचार्य, कलाकार रामू मास्टर द्वारा बेहतरीन प्रस्तुती दी जाएगी।

यूडीएच मंत्री ने करोड़ों रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी

नगरीय विकास मंत्री झाबरसिंह खर्रा ने महाविद्यालय के नवीन भवन का शिलान्यास किया।

श्रीमाधोपुर। विधानसभा क्षेत्र श्रीमाधोपुर में राज्य के स्वायत शासन एवं नगरीय विकास मंत्री झाबरसिंह खर्रा ने अपने दो दिवसीय दौरे के तहत बुधवार को श्रीमाधोपुर में करोड़ों रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी। इस दौरान मंत्री ने राजकीय कन्या महाविद्यालय के नवीन भवन का लोकार्पण किया, जिसकी लागत करीब साढ़े चार करोड़ रुपये बताई गई है। साथ ही राजकीय संस्कृत महाविद्यालय श्रीमाधोपुर के नवीन भवन का शिलान्यास किया गया, जो ढाई करोड़ की लागत से निर्मित होगा। मंत्री ने कहा कि यह भवन केवल ईंट और पत्थर से नहीं बना, बल्कि यह हमारी बेटियों के उज्ज्वल भविष्य की नींव है।

इस अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए उन्होंने बालिका शिक्षा के महत्व पर भी अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम में श्रीमाधोपुर नगरपालिका अध्यक्ष हरिनारायण महंत, उपखंड अधिकारी अनिल कुमार, भाजपा नेता बनवारी लाल यादव, नगर पालिका श्रीमाधोपुर के अधिशासी अधिकारी डॉ अशोक कुमार, महाविद्यालय के कार्यवाहक प्राचार्य हंसराज चौहान मंचासीन थे। इस मौके पर पार्षद श्रवण आचार्य, विष्णु मिश्रा ,भरत पेंटर, सुरेश मंतग, जगदीश रायपुरिया , जुगल चौधरी ,ओम भाई, गोविंद बिजारनिंया, एमजी कॉलेज के डायरेक्टर मोहर सिंह खर्रा, अशोक पारीक, रामजीलाल बाबू, बाबूलाल कुड़ी, कृष्ण कुमार, बाबूलाल शर्मा, डॉक्टर राजेंद्र बुनकर, डॉ पूजा वर्मा, डा.सुवालाल ,मुकेश, सुधीर सैनी, प्रेमचंद वर्मा, श्रवण कुमार जाट सीडीसी ,ताराचंद सैनी एएओ, सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन मौजूद रहे। प्राचार्य व स्टाफ ने मंत्री का साफा और माला पहनाकर भव्य स्वागत किया।

कालाडेरा रीको एरिया में प्लाईवुड फैक्ट्री में लगी आग

- कर्मचारियों ने भागकर बचाई जान, आग बुझाने में जुटी तीन दमकल

जयपुर। जयपुर ग्रामीण जिले के कालाडेरा थाना क्षेत्र के रीको इलाके में बुधवार दोपहर एक प्लाईवुड फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। आग ने कुछ ही समय में विकराल रूप धारण कर लिया। सूचना पर कालाडेरा और चौमू से पहुंची चार दमकलों ने 3 घंटे के अथक प्रयास के बाद आग पर काबू पाया। आग से लाखों रुपए का तैयार व कच्चा माल जलकर स्वाहा हो गया।

पुलिस के अनुसार रीको एरिए में स्थित उमंग बोर्ड प्लाईवुड फैक्ट्री में बुधवार दोपहर को अचानक आग लग गई। आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। फैक्ट्री में काम कर रहे मजदूरों ने भागकर अपनी जान बचाई। सूचना मिलते ही कालाडेरा और चौमूं से 4 दमकल गाडियां मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मी ने 3 घंटे के प्रयास के बाद आग पर काबू पाया। आग से मशीनरी , कच्चा माल और तैयार माल जल गया। आग का प्राथमिक कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। चौमूं अग्निशमन अधिकारी जयकुमार जांगिड के अनुसार चौमूं से दो दमकल गाडियां घटनास्थल पर भेजी गई थी। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की बात सामने आई है। फैक्ट्री में हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

पेंशनर्स ने सीसीए पेंशन नियम संशोधन विधेयक का किया विरोध

पावटा। जहाँ केंद्र सरकार ने हाल ही में पेंशनर्स को आठवे वेतन आयोग के लाभ से वंचित करने व पेंशनरों को तिथि के आधार पर वर्गों में बाटने का काम किया है, साथ ही डीएस नकारा मामले में सर्वोच्च न्यायालय की संविधान पीठ के ऐतिहासिक निर्णय को चुनौती दी है के विरोध में राजस्थान पेंशनर्स समाज शाखा पावटा अध्यक्ष सुरेश चंद शास्त्री के नेतृत्व में पेंशनर्स ने केंद्र सरकार द्वारा 8वें वेतन आयोग से पेंशनर्स को कोई लाभ नहीं देने के फैसले की कड़ी निंदा करते हुए उपखंड अधिकारी पावटा को प्रधानमंत्री के नाम सामुहिक ज्ञापन सौंपा गया। पावटा अध्यक्ष सुरेश चंद शास्त्री ने बताया कि केंद्र सरकार की ओर से पारित किए गए सीसीए (पेंशन) नियम संशोधन विधेयक को लेकर पेंशनर्स में नाराजगी है। राजस्थान पेंशनर समाज ने इसे पेंशनर्स के हितों पर कुठाराघात बताया है। समाज का कहना है कि इस विधेयक से 31 दिसंबर 2025 से पहले सेवानिवृत्त हुए और 1 जनवरी 2026 या उसके बाद सेवानिवृत्त होने वालों को दो वर्गों में बांट दिया गया है। इससे भेदभाव की स्थिति बनी है।यह संविधान के अनुच्छेद 14 और सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ द्वारा 17 दिसंबर 1982 को दिए गए डीएस नकारा केस के ऐतिहासिक निर्णय के खिलाफ है। इसके बाद आंदोलन का निर्णय लिया गया।

शिक्षक की आवश्यकता है:
केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय दिल्ली द्वारा संस्कृत शिक्षा की केंद्रीय योजना के अन्तर्गत विद्यालय में संस्कृत (साहित्य, व्याकरण) कोई एक विषय शिक्षक की आवश्यकता है। पद-01, मानदेय-20000/- प्रतिमाह, योग्यता-राज्य सरकार/यू.जी.सी. द्वारा निर्धारित परंपरागत उपाधिधारक एवं प्रशिक्षित को वरियता, अभ्यार्थी अपना आवेदन पत्र मय सम्पूर्ण शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्रों की छाया प्रति के साथ दिनाँक 21.04.2025 तक विद्यालय समय में 5.00 बजे तक व्यक्तिगत/ डाक द्वारा प्रस्तुत/ प्रेषित कर सकते है। विलम्ब से प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जायेगा। साक्षात्कार की सूचना अभ्यर्थी को पृथक से दी जायेगी।
सचिव,
मानव भारती प्रवेशिका संस्कृत विद्यालय
सी.टी.एस.बस स्टैंड के पास सांगानेर, जयपुर राजस्थान- 302029

अवैध रूप से संचालित होटल व कैफे पर नगर परिषद की बड़ी कार्यवाही

- बैंक वाली गली व गोभी के खेत स्थित करीब 10 प्रतिष्ठानों को किया सीज, नोटिस चस्पा

होटल, कैफे व रेस्टोरेंट्स एवं गेस्ट हाऊस आदि पर कोटपूतली नगर परिषद की टीम कार्यवाही करते हुये उन्हें सीज किया।

कोटपूतली। कस्बे के बैंक वाली गली व गोभी वाले खेत स्थित करीब 10 होटल, कैफे व रेस्टोरेंट्स एवं गेस्ट हाऊस आदि पर बुधवार को कोटपूतली नगर परिषद की विशेष टीम ने बड़ी कार्यवाही करते हुये उन्हें सीज कर दिया। जैसे ही नगर परिषद की टीम एक्सईएन दीपक मीणा के नेतृत्व में कार्यवाही के लिये पहुँची।

वैसे ही उनके संचालकों में हडकम्प मच गया एवं वे मौके से फरार हो गये। बताया जा रहा है कि कस्बे में विगत काफी समय से इनका अवैध रूप से संचालन किया जा रहा था। जाँच में उक्त होटल, कैफे, रेस्टोरेंट व गेस्ट हाऊस आदि के पास कोई वैद्य कागजात एवं लाईसेंस नहीं पाये गये। इनका संचालन अवैध रूप से किया जा रहा था। कुछ कैफे में तो संदिग्ध व अवैध गतिविधि भी संचालित हो रही थी। जाँच के दौरान एक-दो होटलों को छोडकर किसी के पास दस्तावेज नहीं मिले। साथ ही फूड सेफ्टी समेत अन्य लाईसेंस भी नहीं पाये गये। एक्सईएन दीपक मीणा ने जानकारी देते हुये बताया कि राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 के तहत जो भी होटल, रेस्टोरेन्ट, कैफे व गेस्ट रूम आदि चला रहे है, उन्हें लाईसेंस लेना होता है। ऐसे करीब 10-11 प्रतिष्ठानों के खिलाफ कार्यवाही करते हुये उन्हें सीज किया गया है। अगर कोई सीज का ताला तोड़ता है तो उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाकर अधिनियम के तहत कड़ी कानूनी कार्यवाही की जायेगी। उल्लेखनीय है कि इस सम्बंध में नगर परिषद द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। परिषद द्वारा अवैध अतिक्रमण हटाने के साथ-साथ अवैध निर्माण व बिना अनुमति के संचालित व्यवसायों के विरूद्ध भी कड़ी कार्यवाही की जा रही है।

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
राजस्थान किराया नियंत्रण अधिनियम 2001 के अध्याय-5 में किराए के पुनरीक्षण एवं बेदखली बाबत प्रार्थना-पत्र

न्यायालय: किराया जयपुर महानगर द्वितीय (राज.) ...ठाकुर जी सीताराम जी, विरुद्ध शंकरलाल मीणा व अन्य 360/2015 अर्जी संख्या श्रीमाली अंजना मीणा W/O स्व.पवन मीणा

नाम कार्तिक मीणा पुत्र स्व. पवन मीणा नाबालिग जरिये संरक्षिका माता श्रीमती अंजना मीणा पता दुकान दक्षिणमुखी एन.आर. मोटरसाईकिल स्कूटर रिपेयरिंग सेन्टर, शिव पान भण्डार व पहले पेट्रोल पम्प के पास, मन्दिर ठाकुरजी सीताराम जी, कच्चा बंधा, आमेर रोड, जयपुर (राज.)

प्रार्थी ने आपके विरुद्ध किराये के पुनरीक्षण/बेदखली के लिए राजस्थान किराया नियंत्रण अधिनियम 2001 के तहत एक अर्जी प्रस्तुत की है जो पंजीयन कर ली गई है। आपको इस न्यायालय में तारीख 21/04/25 माह सन्... को 7:30 ए.एम. बजे उक्त अर्जी का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिए चेतावनी दी जाती है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसको सम्यक अनुदेश दिए गए हो और जो इस अर्जी से सम्बन्धित सभी सारवान् प्रश्नों के उत्तर दे सकें या जिसके साथ कोई ऐसा व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सकें।

आपको यह भी निर्देश दिया जाता है कि आप उक्त दिन या इससे पूर्व 30/45 दिन के भीतर अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य नोटिस की तामील होने की तारीख से दाखिल करें और उक्त तारीख पर या तामील होने के 30/45 दिन के भीतर ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है, पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/मुजराई की दावा या प्रतिदावा आधारित है साथ ही यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में न हो, अपनी प्रतिरक्षा, मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हों, आप ऐसे दस्तावेज उल्लिखित समय के मय उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।

आपको यह भी निर्देशित किया जाता है कि आप अपने प्रतिरक्षा के और जवाब के साथ उन सभी साक्षीगण के एवं स्वयं का शपथ पत्र प्रस्तुत करें जो आपकी प्रतिरक्षा का समर्थन करते हैं तथा उन दस्तावेजों का और उस साक्ष्य का ब्यौरेवार वर्णन शपथ पत्र में किया जावें साथ ही जिन दस्तावेजों को न्यायालय में प्रदर्शित कराना हो उन पर लाल स्याही से प्रदर्श डालकर प्रस्तुत करें और शपथ पत्र पर ए से बी, सी से डी हस्ताक्षर इत्यादि या लिखावट आदि जिसको भी प्रमाणित कराना है, का उल्लेख भी किया जावें।

आपको पुनः आगाह किया जाता है कि उक्त नोटिस की तामील होने के 30/45 दिन के भीतर आप अपना प्रतिरक्षा उपरोक्त प्रयास में न्यायालय में अंकित करें या उक्त तारीख पेशी पर प्रस्तुत कर दें। अन्यथा आपकी प्रतिरक्षा राजस्थान किराया नियंत्रण अधिनियम 2001 के तहत समाप्त हो जायेगी।

आपको यह भी आगाह किया जाता है कि तारीख पेशी से पूर्व यदि आप द्वारा प्रतिरक्षा हेतु जवाब अर्जी शपथ पत्र तथा अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किए जाते है तो न्यायालय में प्रस्तुत करने से पूर्व प्रार्थी के अधिवक्ता श्री.... को उक्त प्रतिरक्षा की और जवाब दावा शपथ पत्रों की, दस्तावेजों व अन्य साक्ष्यों की प्रति उपलब्ध करा दें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जाएगा।

नोटिस आज दिनांक 8/04/25 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया है।

आज्ञा से-रीडर
मोहर किराया अधिनियम, जयपुर महानगर द्वितीय

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि फ्लैट / यूनिट नम्बर 301 (पश्चिमी हिस्सा), सैकिण्ड फ्लोर, प्लाट नम्बर-563, योजना निर्माण नगर-एबी, अजमेर रोड, जयपुर कुल क्षेत्रफल 1300 वर्ग फीट को श्री अनिरूद्ध सिंह राठौड़ ने जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 22.08.2019 रजिस्टर्ड नम्बर-201903019105673 के द्वारा श्री मोखम सिंह से क्रय किया था। उक्त विक्रय पत्र के साथ संलग्न मूल साइट प्लान कही गुम हो गया है, जिस किसी को मिले सूचित करें। यदि इस सम्बन्ध मे किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की कोई आपत्ति व एतराज हो या किसी भी व्यक्ति का उत्तराधिकार, विक्रय, रहन, लीज, लियन, लाईसेन्स, दान या कब्जे के जरिये या अन्य किसी प्रकार से कोई अधिकार या हक उक्त फ्लैट के सम्बन्ध मे हो तो निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उक्त सूचना के प्रकाशन के सात दिवस में अपना अधिकार या हक मय दस्तावेज प्रस्तुत करें अन्यथा, बाद गुजरने मियाद एवं उसके पश्चात किसी प्रकार का कोई हक या अधिकार व आपत्ति मान्य नही होगी, और ना ही क्रेता पर बाध्यकारी होगी।
(Bhim Singh) Advocate, Mob.No.8107351741

आम सूचना सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य रमेश कुमार सर्वा पुत्र श्री जय प्रकाश सर्वा के द्वारा होटल कैलाश गीत-03, हाथी बाबू का बाग, कांती नगर, जयपुर के बावत् दीवानी वाद भागीदारी व हिसाब फेहमी का विभिन्न न्यायालयों में सतपाल सिंह, स्व. धीर सिंह व उनके वारिसान के विरूद्ध प्रस्तुत कर रखे हैं जिसमें दिनांक 21.11.2012 के आदेश से यथास्थिति के आदेश से पाबंद कर रखा है जो वर्तमान में भी प्रभावी है। यदि किसी व्यक्ति ने उक्त सम्पत्ति खरीद बेचान या अन्य कोई विलेख किया तो वह प्रारम्भ से ही शून्य व निष्प्रभावी होगा और उसके लिए वह स्वयं की जिम्मेदारी होगा।
जयपुर (शशि शेखर गौड़) (एडवोकेट)
दिनांक : 9/4/2025 मो.न 9414071048

आम सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्या श्रीमती सुमन शर्मा पत्नी स्व. श्री मोहनलाल शर्मा, निवासी-प्लॉट नम्बर 15, गणेशपुरी, आगरा रोड, जयपुर का छोटा पुत्र योगेन्द्र शर्मा व उसकी पत्नी श्रीमती निधि शर्मा मेरे अभिभाष्या के कहने में नहीं हैं और निधि शर्मा मुझे व मेरे बडे पुत्र वेदप्रकाश शर्मा को झूठे मुकदमे में फंसाकर जेल भिजवाने की धमकी देती है। इसलिये मेरी अभिभाष्या ने उपरोक्त दोनों को अपनी सम्पूर्ण चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है तथा मेरी अभिभाष्या का उक्त दोनों व उनकी संतानों से अब कोई सम्बन्ध व सरोकार नहीं है।
भवदीय
जयपुर बृजेश चन्द शर्मा (एडवोकेट)
दिनांक 9.4.2025 मो. 9414262543

आम सूचना मेरी अभिभाष्या समिति मित्र गृह निर्माण सहकारी समिति लि. जयपुर के निर्देशानुसार सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि समिति की योजना शिव विहार बैनाड रोड, जयपुर में प्लाट संख्या 38 क्षेत्रफल 287.77 वर्ग गज स्थित है। उक्त प्लाट का हस्तांतरण श्री अंकित दूबे पुत्र श्री अर्जुन लाल द्वारा दिनांक 1, मार्च 2013 को समिति से करवाया था। उक्त हस्तांतरण हेतु श्री अंकित दूबे द्वारा श्री नवीन कुमावत के हक मे दिनांक 15.2.1997 को जारी तथाकथित आवंटन पत्र, रसीद व साईट प्लान समिति मे प्रस्तुत किये थे। कालान्तर मे समिति की पूर्व मंत्री से रिकोर्ड प्राप्त होने पर समिति की जानकारी मे आया कि श्री नवीन कुमावत पुत्र श्री सायरमल कुमावत के नाम से जारी आवंटन पत्र दिनांकित 15.2.1997 फर्जी एवं कूटरचित था। इसलिए समिति ने तुरन्त ही श्री अंकित दूबे को सूचित कर हस्तांतरण निरस्त कर दिया था। एवं श्री अंकित दूबे को निरस्त हो चुके हस्तांतरति आवंटन पत्र, रसीद व साईट प्लान को समिति कार्यालय मे जमा करवाने हेतु सूचित कर दिया था, परन्तु श्री अंकित दूबे को बार-बार सूचित करने के बाद भी प्लाट संख्या 39 शिव विहार के निरस्त हो चुके हस्तांतरित आवंटन पत्र, रसीद व साईट प्लान को समिति कार्यालय मे जमा नही करवाया है। जिसके लिए श्री अंकित दूबे व श्री नवीन कुमावत के खिलाफ समिति द्वारा कानूनी कार्यवाही अमल मे लाई जा रही है। समिति की जानकारी मे आया है कि श्री अंकित दूबे उक्त प्लाट को निरस्त हो चुके दस्तावेजो के आध तार पर दीगर व्यक्तियो को विक्रय करना चाहता है। इसलिए कोई भी व्यक्ति उक्त प्लाट संख्या 38 शिव विहार बैनाड रोड, जयपुर के संबंध मे किसी भी प्रकार का संव्यवहार व खरीद बेचान श्री अंकित दूबे के साथ नही करे, अन्यथा होने वाले नुकसान के लिए व्यक्ति स्वयं जिम्मेवार होगा। अतः क्रेता सावधान रहे। सूचित करें।
(गौरव जैन) एडवोकेट, मो.नं.-9783694277

नाम परिवर्तन

मैने अपना नाम पिंकी देवी से बदलकर पिंकी चौधरी पत्नी श्री मनीष कुमार कर लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे। पताः ग्राम भोजराजका, पोस्ट कलगॉव, तहसील कोटकासिम, जिला अलवर

मैं यशोदा देवानी पत्नी श्री संजय देवानी निवासी- प्लॉट नं- 177ए, शंकर नगर, आमेर रोड़ ने भविष्य के लिए अपने सभी दस्तावेजों में अपना नाम यशोदा रमानी से बदलकर यशोदा देवानी कर लिया है।

मैं रविन्द्र बिस्वास पुत्र श्री नारायण बिस्वास निवासी- प्लॉट नं- 30, शंकर नगर, गली नं- 09, आमेर रोड़, ब्रह्मपुरी बयान करता हूँ कि रविन्द्र बिस्वास व रबिन्द्रनाथ बिस्वास स्वयं मेरे नाम है।

I Have Changed My Name From Harsha Ahuja To Khushi Belwani W/o Prakash Kumar Belwani For All Purpose. Plot No. 96, Sindhu Nagar, Nahari Ka Naka, Shastri Nagar, Jaipur (Raj.)

कार्यालय नगर परिषद बून्दी
क्रमांकः-102 दिनांकः-4/4/25
-: सार्वजनिक विज्ञिप्त ::-
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 17.12.1968 रणजीत टॉकिज छवि गृह के लिये खसरा संख्या 257 मिन रकबा 154000 वर्गफुट का पट्टा 99 वर्षीय लीज पर श्री गोपाल सिंह जी, श्रीमती रानी नाथावत, श्री रघुराज सिंह, श्री विजेन्द्र पाल सिंह, श्रीमती यशवन्त कुमारी एवं श्री रणंजय सिंह राजपूत निवासी बदनौर जिला भीलवाड़ा के नाम जारी किया गया था।
उक्त पट्टा 154000 वर्गफुट भूमि में से नैनवा रोड़ एवं बून्दी क्लब (डिस्ट्रीक क्लब) की भूमि को कम करके 119525 वर्गफिट का अनुपूरक पट्टा श्रीमान जिला कलक्टर बून्दी द्वारा दिनांक 01.8.1998 को जारी किया गया था, जो दिनांक 28.08.1998 को पंजीयन हो चुका है। अनुपूरक पट्टा धारक श्री गोपाल सिंह जी, श्रीमती रानी राजकुंवर नाथावत, श्री रघुराज सिंह एवं श्रीमती यशवन्त कुमारी की मृत्यु हो चुकी है जिनके मृत्यु प्रमाण पत्र संलग्न पत्रावली है।
श्री गोपाल सिंह जी एवं श्रीमती रानी राजकुंवर नाथावत के द्वारा निष्पादित वसीयत पारिवारिक व्यवस्था एवं श्री रघुराज सिंह, श्रीमती यशंवन्त कुमारी की मृत्यु उपरान्त पारिवारिक सजरा तथा अनुपूरक पट्टे के आधार पर प्रार्थी श्री विजेन्द्र पाल सिंह पुत्र स्व0 श्री गोपाल सिंह, श्रीमती अल्का सिंह, पत्नी श्री विजेन्द्र पाल सिंह श्री रणंजय सिंह एवं श्री संजय सिंह पुत्र स्व0 श्री रघुराज सिंह जाति राजपूत निवासी जलमहल बदनौर जिला भीलवाडा द्वारा परिषद के रिकॉर्ड में सामुहिक नाम परिवर्तन हेतु ऑनलाईन आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।
जिस किसी भी व्यक्ति को उक्त नाम परिवर्तन पर कोई आपत्ति हो तो सार्वजनिक सूचना जारी होने के 7 दिवस में अपनी आपत्ति लिखित रूप से नगर परिषद में प्रस्तुत कर देवें। अन्यथा बाद मियाद गुजरने के पश्चात् कोई आपत्ति स्वीकार नही की जावेगी तथा नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जायेगी। सूचित हो।
आँयुक्त, नगर परिषद, बून्दी

आम सूचना
यह कि मेरे अभिभाष्य सुवालाल पुत्र गोपीराम मीणा ग्राम जाटावाला सांगानेर की ओर से सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम मंदाउ तहसील सांगानेर जिला जयपुर में दो भूखण्ड आबादी भूमि क्षेत्रफल 400 व 433.33 वर्गगज को ग्राम पंचायत मंदाउ द्वारा आवंटित किये जाने पर पप्पूलाल बलाई के मार्फत लाडा देवी व शांति देवी से सद्भावी रूप से उचित प्रतिफल राशि से मेरे अभिभाष्य ने खरीद किये है उक्त दोनो भूखण्डो के पट्टा विलेख उपपंजीयक सांगानेर प्रथम से पंजीबद्ध भी है। उक्त दोनो भूखण्डो के भूतकाल, वर्तमान एवं भविष्य में किसी भी प्रकार के सिविल / फौजदारी वाद विवाद की समस्त जिम्मेदारी इन सभी लोगो की है इन लोगो के द्वारा उक्त भूखण्डो के संबंध में कोई फर्जकारी कार्यवाही की गई हो या की जाती है या इन्हे पुनः बेचान किया जाता है और मेरे अभिभाष्य के हक में रजिस्ट्री नही करवाई जाती है तो मेरे अभिभाष्य को आगे कानूनी कार्यवाही का अधिकार होगा इसमें मेरे अभिभाष्य की कोई जिम्मेदारी नही होगी अतः सूचित रहे।
भवदीय
दिनांक-10.04.2025 रोहित कुमावत एडवोकेट मो0-7014995861

कार्यालय नगर निगम जयपुर हैरिटेज
(पुराना पुलिस मुख्यालय, हवामहल के पीछे, बड़ी चौपड़ जयपुर)
(लैण्ड प्रकोष्ठ)
क्रमांक एफ-6()उपा.लैण्ड (सा.प्र.)/ननिज./2025/35
सार्वजनिक सूचना दिनांक-08/04/025
मूल भूखण्ड संख्या 45 पावर हाउस के पास चौकड़ी सरद जयपुर जिसका कुल श्रेत्रफल 83.33 वर्गगज नगर निगम जयपुर हैरिटेज के द्वारा अशोक कुमार नाम के पक्ष में पट्टा जारी किया जाना है। आवेदक द्वारा प्रस्तुत अण्डरटेकिंग एवं अन्य दस्तावेजों के आधार पर उक्त भूखण्ड का पट्टा जारी किये जाने बाबत् किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कंपनी को किसी प्रकार कि कोई आपत्ति हो तो 7 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय (उपायुक्त लैण्ड) में प्रस्तुत करें अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद नियमानुसार पट्टा जारी किये जाने कि कार्यवाही सम्पादित कर ली जावेगी।
हंसा मीणा) उपायुक्त (लैण्ड)
नगर निगम जयपुर हैरिटेज

आम सूचना मेरी अभिभाष्या समिति मित्र गृह निर्माण सहकारी समिति लि. जयपुर के निर्देशानुसार सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि समिति की योजना शिव विहार बैनाड रोड, जयपुर में प्लाट संख्या 39 क्षेत्रफल 287.77 वर्ग गज स्थित है। उक्त प्लाट का हस्तांतरण करमजीत सिंह पुत्र श्री विक्रम सिंह द्वारा दिनांक 1.3.2013 को समिति से करवाया था। उक्त हस्तांतरण हेतु श्री करमजीत सिंह द्वारा श्री दीपक पुत्र श्री माधोलाल के हक में दिनांक 12.2.1998 को जारी तथाकथित आवंटन पत्र, रसीद व साईट प्लान समिति में प्रस्तुत किये थे। कालान्तर में पूर्व मंत्री से रिकोर्ड प्राप्त होने पर समिति की जानकारी में आया कि दीपक पुत्र श्री माधोलाल के नाम से जारी आवंटन पत्र दिनांकित 12.2.1998 फर्जी एवं कूटरचित था। इसलिए समिति ने तुरन्त ही श्री करमजीत सिंह को सूचित कर हस्तांतरण निरस्त कर दिया था। एवं श्री करमजीत सिंह को निरस्त हो चुके हस्तांतरित आवंटन पत्र, रसीद व साईट प्लान को समिति कार्यालय में जमा करवाने हेतु सूचित कर दिया था। परन्तु श्री करमजीत सिंह को बार-बार सूचित करने के बाद भी प्लाट संख्या 39 शिव विहार के निरस्त हो चुके हस्तांतरित आवंटन पत्र, रसीद व साईट प्लान को समिति कार्यालय में जमा नही करवाया है। जिसके लिए श्री करमजीत सिंह व दीपक के खिलाफ समिति द्वारा कानूनी कार्यवाही अमल में लाई जा रही है। समिति की जानकारी में आया है कि श्री करमजीत सिंह उक्त प्लाट को निरस्त हो चुके दस्तावेजों के आधार पर दीगर व्यक्तियों को विक्रय करना चाहता है। इसलिए कोई भी व्यक्ति उक्त प्लाट संख्या 39 शिव विहार बैनाड रोड, जयपुर के संबंध मे किसी भी प्रकार का संव्यवहार व खरीद बेचान श्री करमजीत सिंह के साथ नही करे, अन्यथा होने वाले नुकसान के लिए व्यक्ति स्वंय जिम्मेवार होगा। अतः क्रेता सावधान रहे। अतः सूचित रहे।
(गौरव जैन) एडवोकेट, मो.नं.-9783694277

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय
राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर
Email id-dhejpr2.rhb@rajasthan.gov.in, Phone No. 0141-2782772
क्रमांक-DHC-11/25 दिनांक-8/4/2025
जाहिर आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 36/227, मानसरोवर, जयपुर, क्षेत्रफल 25.930 वर्ग मीटर/वर्ग गज का आवंटन श्री रीझूमल पुत्र श्री खानचन्द को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 74 दिनांक 21.01.1986 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 09.04.1986 को प्राप्त कर लिया गया था। तत्पश्चात राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र क्रमांक 229 दिनांक 13.04.2007 के द्वारा श्रीमती तारावन्ती पत्नी स्व. श्री भगवान दास के नाम नियमितिकरण पत्र जारी कर दिया गया। इसके पश्चात श्रीमती तारावन्ती की मृत्यु दिनांक 04.07.2012 को हो जाने के कारण इनके पुत्र श्री गुलशन कुमार सचदेवा पुत्र स्व. श्री भगवान दास के द्वारा मृत्यु पश्चात् नाम हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र एवं पंजीकृत हकत्याग प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है।
अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञिप्त प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/आवेदक श्री गुलशन कुमार सचदेवा पुत्र स्व. श्री भगवान दास के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी।
उक्त जाहिर आम सूचना उप आवसन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त द्वितीय, जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/160
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि प्रार्थी श्री MAHAVIR SINGH, E 101, AIS RESIDENCY, NEAR MAHARANA PRATAP CIRCLE, SECTOR 17, SANGANER, JAIPUR, RAJASTHAN ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत रोड सेफ्टी एक्शन नेटवर्क ट्रस्ट E 101, AIS RESIDENCY, NEAR MAHARANA PRATAP CIRCLE, SECTOR 17, SANGANER, JAIPUR, RAJASTHAN के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 07.04.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइंदा तारीख पेशी 12.06.2025
मोहर अदालत सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग जयपुर-प्रथम

COLLEGE OF AGRICULTURE
(S.K.N. Agriculture University-Jobner), Bhusawar : Bharatpur (Rajasthan)-321406
No. : F.( )/Dean-COAB/2025/17 Dated :- 05/04/2025
NOTICE INVITING BID
Bid for open tender regarding Furniture are invited from interested bidders upto 10.30 AM, 17.04.2025. other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in) of the state or www.sknau.ac.in University website.
NIB code SKN2526A0001 and UBN is SKN2526GSOB00001
Raj.Samwad/C/25/602 DEAN

भारतीय स्टेट बैंक State Bank of India
STATE BANK OF INDIA, R A C P C-II (17389)
1st FLOOR, B-10/134, JANKI MARG, CHITRAKOOT, JAIPUR, PIN-302021 Phone :0141-2851179 & 2851180
email :sbi.17389@sbi.co.in
(परिशिष्ट IV [नियम 8(1)] कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति के लिए)
जबकि,निम्नहस्ताक्षरकर्त्ता, भारतीय स्टेट बैंक का प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियम 2002के प्रवर्तन और धारा 13(12) सपठित प्रतिभूति हित(प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 3 के तहत् प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दिनांक 31.12.2024 को डिमांड नोटिस जारी किया था जिसमें ऋणी श्रीमती सुशीला देवी गोयल पत्नी श्री रामजी लाल गोयल,जमानतदार:- श्रीमती सरोज गोयल पत्नी श्री ललित गर्ग को उक्त नोटिस की प्राप्ति के 60 दिन के अन्दर उसमें उल्लिखित रूपये 4,81,292/-(शब्दो में अक्षरे चार लाख इक्यासी हजार दो सौ बानवे मात्र) 30.12.2024 तक ब्याज और आकस्मिक व्यय सहित उक्तनोटिस की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर चुकाने के लिए अनुरोध किया था।
ऋणी द्वारा यह राशि न चुकाने पाने के कारण ऋणी /जमानतदार एवं आम जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है अधोहस्ताक्षरकर्ता ने उक्त नियमावली के नियम 8 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13 (4) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए 05 अप्रैल 2025 वर्ष को निम्नलिखित सम्पत्ति का कब्जा ले लिया है
ऋणी /जमानतदार को विशेषकर तथा आम जनता को सामान्य रूप से सचेत किया जाता है वे इस सम्पत्ति में कोई लेनदेन न करे और इस सम्पत्ति में किसी भी प्रकार का लेनदेन भारतीय स्टेट बैंक के रूपये 4,81,292/-(शब्दो में अक्षरे चार लाख इक्यासी हजार दो सौ बानवे मात्र)30.12.2024 तक तथा भविष्य के ब्याज व खर्चो के ऋण भार प्रभार के अधीन होगा। ऋणीयों का ध्यान प्रतिभूत आस्तियों के मोचन के लिए उपलब्ध समय के सन्दर्भ अधिनियम की धारा 13 की उपधारा(8)के उपबन्धों कि ओर आकृष्ट किया जाता है।
स्थावर सम्पत्ति का विवरण
बंधक संपत्ति के सभी अंग व अंश जिसमे प्लॉट नं. बी-26, आवासीय योजना "सिद्धि विनायक एन्क्लेव-II", गांव-चंदावास, तहसील-फागी, जयपुर मे स्थित जो श्रीमती सुशीला देवी गोयल पत्नी श्री रामजी लाल गोयल के नाम से है। जिसका क्षेत्रफल 138.88 वर्गगज है। चर्तु:सीमाऐं:-
उत्तर मे:अनौपचारिक क्षेत्र दक्षिण मे:प्लॉट नं. बी-25 पूर्व मे:सड़क पश्चिम मे:प्लॉट नंबर बी-33
दिनांक :- 05.04.2025, स्थान:- जयपुर प्राधिकृत अधिकारी (भारतीय स्टेट बैंक)

जयपुर विकास प्राधिकरण
इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरु मार्ग, जयपुर-302004
क्रमांक : जविप्रा/अधि.अभि. एवं त.स.नि.अ.-I/2025-26/डी- दिनांक : 09.04.2025
बिड आमंत्रण सूचना
बिड संख्या - अ.अ. एवं त.स.नि.अ.-I/02/2025-26
जविप्रा द्वारा निम्नलिखित कार्यो के लिए निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र. सं.	यूबीएन नं.	कार्य राशि (लाखों में)	कार्य की प्रकृति	अंतिम तिथि
1	JDA2526WSOB00015	220.92	सड़क	30.04.2025
2	JDA2526WSOB00019	14.04	हाईड्रोलिक पिकअप आपूर्ति	21.04.2025
3	JDA2526WLOB00020	895.60	सड़क	02.05.2025
4	JDA2526WSOB00025	9.62	भवन	17.04.2025
5	JDA2526WSOB00026	9.59	भवन	17.04.2025
6	JDA2526WSOB00024	91.29	सड़क	19.04.2025
7	JDA2526WLOB00032	637.53	सड़क	30.04.2025
8	JDA2526WLOB00028	2883.42	सड़क (दर संविदा)	09.05.2025
9	JDA2526WLOB00014	7572.65	रेल्वे ओवर ब्रिज	07.05.2025
10	JDA2526WLOB00013	8438.02	रेल्वे ओवर ब्रिज	07.05.2025
11	JDA2526WLOB00018	3900.19	सीवर लाईन	12.05.2025
12	JDA2526WLOB00022	4570.01	सीवर लाईन	07.05.2025
13	JDA2526WSRC00023	93.45	सड़क	21.04.2025
14	JDA2526WSRC00016	67.97	सड़क	19.04.2025
15	JDA2526WSOB00017	4.98	विद्युत	16.04.2025
16	JDA2526WSOB00027	167.64	विविध	19.04.2025
17	JDA2526WSOB00030	378.81	विकास कार्य	29.04.2025
18	JDA2526WSOB00031	400.14	सड़क चौड़ाईकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य	29.04.2025
19	JDA2526WSOB00033	11.35	निर्माण कार्य	21.04.2025
20	JDA2526WSOB00035	93.38	Development improvement and repair work	21.04.2025
21	JDA2526WSOB00040	11.79	O & M of DG sets lifts and other misc. works etc.	21.04.2025
22	JDA2526WLOB00036	590.44	सीमांकन एवं सड़क निर्माण एवं अन्य विकास कार्य	21.04.2025
23	JDA2526WSOB00039	189.94	सड़क का नवीनीकरण एवं सुदृढ़ीकरण	21.04.2025
24	JDA2526WLOB00034	2670.82	आंतरिक सीवर लाइन जोड़ने बिछाने का कार्य	15.05.2025
25	JDA2526WSOB00041	133.38	O&M 500 KVA DG Set	25.04.2025
26	JDA2526WLOB00042	4272.77	Providing lying and jointing of lateral sewer line	15.05.2025

निविदा का विस्तृत विवरण उपापन पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in एवं जविप्रा की वेबसाईट www.jda.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।
अधि. अभि. एवं तक.सहा.निदे.अभि.-प्रथम
राज.संवाद/सी/25/627

संक्षिप्त

12 कार्टून अवैध मदिरा सहित आरोपी गिरफ्तार

टोंक। पुलिस अधीक्षक विकास सागवान द्वारा चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत मृत्युन्जय मिश्रा वृत्ताधिकारी निवाई व हीरालाल थानाधिकारी निवाई के नेतृत्व मे गठित एवं जिला स्पेशल टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए हरभांवता टोल के पास श्रीदेव होटल एण्ड रेस्टोरेन्ट के अन्दर बने कमरे मे अग्रेजी व देशी तथा बीयर की बोतले रखने पर आरोपी विश्राम गुर्जर पुत्र बद्री गुर्जर उम्र 55 साल निवासी हिंगोनिया पुलिस थाना दतवास को गिरफ्तार किया जाकर उसके कब्जे से 12 कार्टून देशी व अग्रेजी शराब व बीयर की बोतलों को जप्त किया जाकर आरोपी के विरूद्ध एक्साईज एक्ट मे प्रकरण दर्ज किया गया तथा प्रकरण में अनुसंधान जारी है।

पेंशनर्स में आक्रोश

सांभरझील। राजस्थान पेंशनर समाज की सभा आयोजित हुई।जिसमें केंद्र सरकार द्वारा पेंशनर्स को आठवें वेतन आयोग के लाभ से वंचित करने व पेंशनर की तिथि के आधार पर वर्गों में बांटने से आक्रोश व्यक्त किया गया। सरकार का यह निर्णय पेंशनर्स के साथ अन्याय है। राजस्थान पेंशनर समाज के सदस्यों द्वारा इस निर्णय का पुरजोर विरोध किया गया। पेंशनर्स ने अपने विरोध को प्रधानमंत्री व वित्त मंत्री भारत तक पहुंचाने के लिए सांभर के अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ ज्ञानप्रकाश दायमा व उप शाखा फुलेरा के अध्यक्ष शक्ति सिंह के संयुक्त नेतृत्व में उप जिलाधीश को ज्ञापन सोपा गया।

नगर पालिका की कार्रवाई का व्यापारियों ने किया विरोध

राजगढ़। कस्बे में नगर पालिका प्रशासन की ओर से प्रमुख बाजार में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई का व्यापारियों ने विरोध किया। विदित रहे कि नगर पालिका की ओर से गोल मार्केट पर नॉन वेंडिंग एरिया के नाम पर फल फ्रूट विक्रेताओं की ठेलियों को स्थानांतरित करने कार्रवाई को लेकर सोमवार को नगर पालिका भवन में लॉटरी निकाली गई। इसमें सब्जी मंडी के पीछे खाई के समीप अस्थाई रूप से फल फ्रूट विक्रेताओं को जगह आवंटित की। इसको लेकर नगर पालिका प्रशासन की ओर से कार्यवाहक अधिशासी अधिकारी विकास कुमार एवं अन्य कर्मचारियों के नेतृत्व में ट्रैक्टर को साथ लेकर अस्थाई अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई एवं जुर्माना की रसीद काटी गई। इधर इस कार्रवाई के चलते विवाह समारोह के लिए खरीदारी करने वाले लोगों को जाम के कारण परेशानी का सामना करना पड़ा।

सामुदायिक भवन का लोकार्पण कल

निवाई। नगर पालिका के तत्वावधान में 11 अप्रैल को सामुदायिक भवन प्रथम एवं द्वितीय का भव्य लोकार्पण किया जाएगा। नगर पालिका अध्यक्ष दिलीप इसरानी ने बताया कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलोनी में स्थित सामुदायिक भवन प्रथम एवं द्वितीय का 11 अप्रैल को सुबह 11 बजे समारोह पूर्वक लोकार्पण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि समारोह में मुख्य अतिथि जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी, नगरीय विकास स्वायत्ता शासन मंत्री झाबरसिंह खर्रा एवं विधायक रामसहाय वर्मा होंगे।समारोह में कई जनप्रतिनिधि, पार्षद एवं अधिकारी शामिल होंगे।

सालासर मंदिर से कल निकलेगी शोभा यात्रा

श्रीमाधोपुर। छोटे-छोटे बच्चों द्वारा अपने हाथों से तैयार किए बालाजी के चेहरो से शुक्रवार 11 अप्रैल को सालासर मंदिर से शोभायात्रा निकाली जाएगी । सालासर मंदिर में छोटे बच्चों ने बालाजी के मुखौटे तैयार किए । कृष्ण मुरारी वर्मा ने बताया कि शुक्रवार 11 अप्रैल को सायं 3 बजे सालासर मंदिर से शोभा यात्रा प्रारंभ होगी जो नगर के मुख्य मार्गो से होते हुई पुन: मंदिर में पहुंचेगी , जिसमें जीवंत झाकियां और नासिक के ढोल मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेंगे। मंदिर में युवराज , जतिन, गौरव, शिल्पा वर्मा,पीयूष ,नितेश आदि उपस्थित रहे।

शिविर 11 को

मनोहरपुर । ऑल इंडिया सैनी सेवा समाज के द्वारा महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती के उपलक्ष में अग्रवाल धर्मशाला गांधी चौक मनोहरपुर में 11 अप्रैल शुक्रवार को प्रात: 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक नि:शुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर का निशुल्क आयोजन किया जा रहा है।

कलेक्टर ने लोगों से लिया पानी और सफाई का फीडबैक

■ घरों में अंदर जाकर पेयजल सप्लाई की देखी हकीकत, लोगों ने खुलकर कलेक्टर मैडम को पानी और सफाई की हकीकत से कराया अवगत

अलवर। जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला अलसुबह पानी अधिकारियों को साथ में लेकर अलवर शहर के विभिन्न वार्डों में जलदाय विभाग की ओर से की जा घर घर पेयजल सप्लाई व्यवस्था को धरातल पर जांचने के लिए पहुंची। वार्ड कॉलोनी के लोग अलसुबह कलेक्टर मैडम को घर पर देख एक बार तो हैरान हुए लेकिन जब उन्होंने पानी आपूर्ति को लेकर सवाल किए और समस्याओं का फीडबैक लेकर मौके पर समाधान के लिए अधिकारियों निर्देश दिए तो पानी की समस्या से जूझ रहे लोगों के चेहरे खिल उठे।

अलवर में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था के बारे में लोगों से बातचीत कर फीडबैक लेते जिला कलेक्टर डॉ अर्तिका शुक्ला।

जिला कलेक्टर ने कंपनी बाग के गेट नंबर 3 के आसपास, मन्नी का बड़, नरूका कॉलोनी बस स्टैंड, शिवाजी पार्क 5 क,दिल्ली दरवाजा क्षेत्र, विकास पथ एवं यूआईटी के आसपास के क्षेत्रों में जाकर पेयजल आपूर्ति व साफ-सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया व आमजन से फीडबैक लिया और जलदाय विभाग के अभियंताओं को निर्देशित किया कि नये लगाए गए बोरिंग के मिलान आदि समस्त कार्य त्वरित गति से पूर्ण कर पेजयल आपूर्ति शुरू करें।

उन्होंने निर्देश दिये कि सुचारु पेयजल आपूर्ति हेतु प्रभावी मॉनिटरिंग रखे। जलदाय विभाग की टीम नियमित तौर पर फील्ड में रहें तथा कार्यालय में आमजन की परिवेदानाओं को सुनकर उसका निदान करें। राइजिंग लाइन से अवैध कनेक्शन हटाने की कार्रवाई को जारी रखें।

दिल्ली दरवाजा बाहर गंगा मंदिर के आसपास की महिलाओं ने पेयजल पाइपलाइन के मिलान के लिए आग्रह किया, जिस पर कलेक्टर ने अधिशाषी अभियन्ता को आज से ही कार्य को प्रारम्भ करने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्देश दिये कि शहर में पानी कि मोटर व उपकरण आदि ख़राब होने पर तुरंत दुरुस्त करावे, पेयजल सप्लाई लाइन लीकेज की समस्या आने पर अविलम्ब दुरुस्त किया जावे। प्रभावित क्षेत्रों में टेंकर्स से आपूर्ति कराकर पानी उपलब्ध कराया जावे।

जिला कलेक्टर अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिये है कि पेयजल आपूर्ति से जुडी आमजन की प्रत्येक समस्या को गंभीरता से सुनकर उसका त्वरित निदान करे, पेयजल आपूर्ति व्यवस्था में किसी भी स्तर पर की गई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान एडीएम प्रथम मुकेश कायथवाल, जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियंत रमेश चंद सैनी, अधिशासी अभियन्ता संजय कुमार सिंह, कमल नारंग संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

सेवा पखवाड़े के तहत कार्यक्रम आयोजित

राजगढ़। भारतीय जनता पार्टी का स्थापना दिवस क साप्तहिक सेवा पखवाड़े क्रो लेकर ज्योतिबा फुले पार्क पटायरी कि डूंगरी में भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रकाश दीक्षित की अध्यक्षता में मनाया गया। जिसमे भाजपा के मंडल प्रवासी व जिला उपाध्यक्ष हरि शंकर खंडेलवाल और पंडित जनार्दन ने भाजपा कार्यकर्त्ताओं कि बैठक ली। सभी भाजपा कार्यकर्ताओ ने पार्क कि सफाई की।

हरि शंकर खंडेलवाल ने सभी वरिष्ठ कार्यकर्ताओ का सम्मान भाजपा के दुपट्टे व टोपी पहना कर किया। इस मौके पर भाजपा के जिला उपाध्यक्ष प्रेम नाथ धामानी लोकेश रावत,बेनी प्रसाद सैनी पार्षद, जगदीश आर्य भट्ट,कालू पार्षद अभिषेक खंडेलवाल नवल सिंह राजपूत खेम सिंह आर्य, प्रदीप महावर, प्रति विजय, रश्मि विजय सीता शर्मा पदमा गोयल राजेश्वरी शर्मा प्रदीप शर्मा,अजय यादव उमा शर्मा सुषमा शर्मा महेश सैनी उमेश मंडावरा मौजूद रहे।

अद्वैत वेदान्त आश्रम में 31 वां वेदान्त सत्संग सम्मेलन आयोजित

■ श्रद्धालुओं ने 2100 दीपक के साथ संत बेलूबाई जी महाराज महाआरती की

फुलेरा । कस्बे की भादरपुरा रोड़ पर स्थित श्री अद्वैत वेदान्त आश्रम पर प्रतिवर्ष अद्वैत वेदान्त सत्संग मण्डल के तत्वावधान में आयोजित होने वाले विशाल सत्संग सम्मेलन के दौरान मंगलवार रात्रि को 31 वां सत्संग सम्मेलन आयोजित किया गया। उपरोक्त जानकारी देते हुए आश्रम के महन्त श्री श्री 1008 श्री सत्यनारायण महाराज ने बताया कि सन्त शिरोमणि परम पूज्य अनन्त विभूषित ब्रह्मलीन श्री श्री 1008 संत श्री बेलूबाई जी महाराज (निरंजनी) की समाधि स्थापना तिथि की पावन स्मृति में प्रतिवर्ष 8 अप्रैल को वार्षिक सत्संग (विशाल संत समागम) आयोजित किया जाता है। इसके चलते कार्यक्रम में मंगलवार सांयकाल 7:15 बजे श्रद्धालुओं द्वारा 2100 दीपक के साथ महाआरती की गई। तत्पश्चात रात्रि 8 बजे गुरुपद पुष्पांजलि हुई। इसी क्रम में सत्संग सम्मेलन में बाहर से पधारे संतों द्वारा वेदान्त सत्संग आयोजित की गई।

अद्वैत वेदान्त सत्संग मण्डल के तत्वावधान में 31 वां सत्संग सम्मेलन आयोजित किया।

इस दौरान मंगलचरण के पश्चात भक्ति महिमा, गुरु महिमा और फिर सत्संग आरती उपरान्त प्रभात स्मरण हुआ। जबकि वहीं कार्यक्रम में पधारे सिद्ध महापुरुषों का शॉल ओढ़ाकर और माला पहनाकर समिति द्वारा स्वागत अभिनन्दन किया गया। वहीं जानकारी के अनुसार उक्त विशाल सत्संग सम्मेलन में गंगोत्री धाम, मध्यप्रदेश, पंजाब, बीकानेर, नागौर, डीडवाना, पाली, किशनगढ़, जोधपुर, पुष्कर, काठमाड़ा, रूपाहेली, मालपुरा, कोटा, रेनवाल, नरायणा, भकरी, छोटी खाटू, बांदीकुई, साखून, मारवाड़ सहित अन्य कई स्थानों से ब्रह्म क्षेत्रीय ब्रह्मिनष्ठ महापुरुषों ने शिरकत की। कार्यक्रम में रामेश्वर लाल, रामजीलाल, गणेश सैनी, मुकेश सैनी, पालिका उपाध्यक्ष योगेश सैनी, पार्षद सरदार चौधरी, शिवचरण सैनी, सुरेश सैनी, गणेश दाधीच, राधेश्याम कुमावत, मुकेश सैनी, भागचन्द सिंगोदिया, हरिकिशन शर्मा वैद्य, जुगल किशोर जोशी, महावीर प्रसाद जैन, शक्ति सिंह, नरनारायण शर्मा, एडवोकेट विजय प्रजापति, लक्ष्मीनारायण प्रजापति सहित आसपास के क्षेत्रों से सैकड़ों धर्मप्रेमियों ने सहयोग किया।

बाल विवाह प्रतिषेध का संदेश दिया

■ जनसामान्य को बाल विवाह प्रतिषेध की शपथ दिलाई तथा ''आओ बाल अपराध को जाने'' पोस्टर वितरित किए

दौसा। जिला बाल संरक्षण इकाई एवं चाइल्ड हेल्प लाइन की ओर से जिला कलक्टर देवेन्द्र कुमार के निर्देशन में चलाये जा रहे जागरुकता अभियान के तहत बुधवार को गणेशपुरा में बाल विवाह प्रतिषेध का संदेश दिया। जनसामान्य को बाल विवाह प्रतिषेध की शपथ दिलाई गई तथा ''आओ बाल अपराध को जाने'' पोस्टर वितरित किए गए।

पोस्टर वितरण करते हुये।

बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक ने बताया कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के तहत 18 वर्ष से कम उम्र की लड़की एवं 21 वर्ष से कम उम्र के लड़के का विवाह अपराध है। ऐसे विवाह में शामिल होने वाले परिवारजनों, घराती-बाराती, पंडित-मौलवी, टैंट वाले, मैरिज होम वाले, बैंड बाजे वाले, वीडियोग्राफर, हलवाई-कैटरिंग, कार्ड छापने वाले प्रिंटिंग प्रेस वाले आदि को दो वर्ष तक के कठोर कारावास और एक लाख रुपए तक जुर्माना का प्रावधान है। राजस्थान पंचायतीराज अधिनियम के तहत सरपंच और वार्ड पंच भी इसके लिए उत्तरदायी हैं। उन्होने बताया कि आगामी अक्षय तृतीया, पीपल पूर्णिमा आदि सावों को मद्देनजर रखते हुए जिला कलक्टर के निर्देशानुसार जिला स्तर पर कन्ट्रोल रूम बनाया गया है चाइल्ड हेल्प लाइन नं. 1098, पुलिस हेल्प लाइन नं. 100, राजस्थान सम्पर्क नं. 181 पर भी शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। जागरुकता अभियान में सहायक निदेशक डीसीपीयू विश्व देव, अधीक्षक सम्प्रेक्षण गृह संजय मीना, संरक्षण अधिकारी मनमोहन राजावत, ओआरडब्ल्यू मनोज, चाइल्ड हेल्प लाइन समन्वयक श्वेता खंडेलवाल, राजेन्द मीणा आदि उपस्थित रहे।

बाबा भूतनाथ मंदिर में श्रीमदभागवत कथा 14 से

■ 21 अप्रैल को भंडारा आयोजित

पावटा। बाबा भूतनाथ मंदिर जोहडा धाम पावटा में 14 अप्रैल सोमवार से श्रीमदभागवत कथा व मानस प्रवचन का आयोजन होगा। आयोजक भगवती देवी, विमल गर्ग, नवल गर्ग, केशव कमल गर्ग एवं बाबा भूतनाथ कमेटी जोहड़ा धाम संरक्षक दिनेश शर्मा, रामोतार शर्मा, मामराज व अध्यक्ष विकास शर्मा, कमेटी पदाधिकारियों व सदस्यों ने बताया कि विधायक बालमुकुंदाचार्य महाराज, रीछपालदास महाराज, मंगलदास महाराज, ज्ञानदास महाराज, मंदिर महंत जयरामदास महाराज के कर कमलों द्वारा मंगल चंद पवन कुमार गर्ग कैलाश क्लॉथ स्टोर के पावन सान्निध्य एवं बाबा भूतनाथ मंदिर कमेटी पावटा के संयोजन व में 14 अप्रैल सोमवार से श्रीमदभागवत कथा व मानस प्रवचन का वाचन दोपहर 1 बजे से किया जाएगा। कथा प्रारंभ होने के पूर्व 14 अप्रैल सोमवार को प्रात: 9:30 बजे से पावटा कस्बा सुभाष चौक स्थित केशव सागर धर्मशाला से कार्यक्रम स्थल बाबा भूतनाथ मंदिर जोहडा धाम पावटा तक 2100 महिलाओं द्वारा शाही लवाजमे के साथ स्वास्थ्य शासन एवं नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा, विधायक कुलदीप धनकड व प्रधान प्रतिनिधि जगन चौधरी सहित जनप्रतिनिधियों वे ग्रामीणों की मौजूदगी में भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी तथा 21 अप्रैल सोमवार को भंडारे का आयोजन किया जायेगा।इस अवसर पर बाबा भूतनाथ मंदिर मे बाबा का अलौकिक श्रृंगार किया जायेगा। इस मौके पर बाबा भूतनाथ कमेटी वरिष्ठ कार्यकर्ता रामवतार शर्मा, दिनेश शर्मा, मामराज स्वामी, जम्मन राठी, संतोष गुप्ता, सुशील गौड, गोपाल, अध्यक्ष विकास शर्मा, उपाध्यक्ष विनय गोयल, कोषाध्यक्ष जुगल सोनी, सचिव आकाश शर्मा, कार्यकर्ता लोकेश टांक, विनीत शर्मा, विजय शर्मा, अमन शर्मा, धर्मेंद्र शर्मा ,कालूराम प्रजापत, अमित शर्मा, अमित बटवाल, अमित शर्मा, महेंद्र कुमावत, पूरण कुमावत, प्रदीप टांक सहित कमेटी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बेटियों को स्वावलंबी बनाने के लिये शिक्षा जरूरी : राधा पटेल

■ राजकीय एलबीएस महाविधालय में वार्षिकोत्सव एवं पारितोषिक वितरण समारोह का आयोजन

कोटपूतली। यहाँ के राजकीय एलबीएस पी.जी. महाविद्यालय में बुधवार को वार्षिकोत्सव एवं पारितोषिक वितरण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की मुख्य अतिथि विधायक प्रतिनिधि राधा देवी पटेल ने कहा कि हमें बेटियों की शिक्षा के लिये विशेष रूप से प्रयास और मार्गदर्शन करना चाहिये। बेटियों को स्वावलंबी बनाने के लिये शिक्षा बेहद आवश्यक है। मुख्य वक्ता सेवानिवृत्त पूर्व आचार्य डॉ. महावीर प्रसाद कुमावत ने कहा कि भारत राष्ट्र के प्रति हमारे कर्तव्य है। भारत को जानो, भारत को मानो, भारत के बनो और भारत को बनाओ। भारत के विश्व गुरु के सम्मान और पुरातन गौरव को हमें वापस लाना होगा।

एनएसएस छात्रा को प्रतिक चिन्ह भेंट कर सम्मानित करती राधा पटेल।

हमें स्व के भाव को जागरण करना चाहिये, हमें सकारात्मक सोच को धारण करना चाहिये। विशिष्ठ अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता शंकर लाल कसाना ने विद्यार्थियों से कहा कि महाविद्यालय में सदैव अनुशासन में रहकर गुरुजन का सम्मान करते हुये शिक्षा अर्जित करनी चाहिये। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों से दूर रहकर तकनीकी साधनों का सदुपयोग करते हुये महाविद्यालय की स्वस्थ परम्परा को बनाये रखना चाहिये।

विशिष्ठ अतिथि पूर्व सरपंच जयराम गुर्जर व राजकीय कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर पी गुर्जर ने भी अपने विचार व्यक्त किये। प्राचार्य डॉ. आर के सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने महाविद्यालय की शैक्षिक तथा सह शैक्षिक वार्षिक गतिविधियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। साथ ही सत्र 2024-25 के अंतर्गत महाविद्यालय द्वारा किए गए श्रेष्ठ कार्यों के बारे में बताया। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा महाविद्यालय के अकादमिक क्षेत्र में श्रेष्ठ परिणाम प्राप्त विद्यार्थी, खेलकूद, एनसीसी, एनएसएस, निबंध, आशु भाषण, पोस्टर, भाषण, प्रश्नोत्तरी, गायन, नृत्य आदि प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त विजेता विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह तथा प्रमाण पत्र प्रदान कर पुरूस्कृत किया गया। एक से अधिक प्रतियोगिताओं में भाग लेकर पुरूस्कृत विद्यार्थियों में स्वर्ण पदक विजेता सारिका डाबड़ तथा श्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर भास्कर लांबा, भारती यादव, सीमा कुमारी, मुस्कान कंवर, दीपसिंह शेखावत, अनमोल गोयल आदि विद्यार्थियों को पुरूस्कृत किया गया। देवनारायण एवं कालीबाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी योजना के अंतर्गत लाभान्वित 30 छात्राओं को स्कूटियां वितरित की गई। इस मौके पर विधार्थियों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। जिसमें गायन, नृत्य आदि के माध्यम से महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा बहुत ही शानदार प्रस्तुतियां दी गई। मंच संचालन डॉ. प्रभात शर्मा ने किया। जबकि डॉ. उर्मिल महलावत ने आभार व्यक्त किया। इस दौरान बड़ी संख्या में विधार्थी, स्टॉफ सदस्य व अभिभावकगण मौजूद रहे।

केशवराय मन्दिर में हुई भजन संध्या

निवाई। केशवराय मन्दिर में श्रीराम जन्मोत्सव को लेकर मंगलवार की रात एकादशी पर वार्षिक भजन संध्या का आयोजन हुआ। जिसमें देर रात तक श्रद्धालुओं ने भजनामृत का आनन्द लिया। गायक देवानंद राव उज्जैन ने गाइये गणपति जग वन्दन भजन से गणेश वन्दना के साथ भजन संध्या का शुभारंभ किया। उन्होंने राम जन्म सुन आई, कौशल्या माता दे दो बधाई भजन की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को गाने व नाचे पर विवश कर दिया।

गायिका माधवी शर्मा ने राधे तेरे चरणों की गर धूल जो मिल जाए, सच्च कहता हूं मेरी तकदीर बदल जाए, भूल मत जइयो राधा रानी के चरण सहित कई भजनों की प्रस्तुतियां दी। गायक पारस लाडला ने जब से मेरा बरसाने में आना जाना हो गया, राधे राधे रटते रटते बीती रे उमरिया सहित कई भजनों की प्रस्तुतियां दी। भजन संध्या में रात 12 बजे भगवान की महाआरती में सैकड़ो श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस अवसर पर मंदिर विकास समिति के अध्यक्ष देवराज सिंह, लक्ष्मणसिंह चौहान, सरपंच शिवजीराम जाट, हरिराम गुर्जर, मोहनलाल जैन, राजाराम सिटी पैलेस, भैरूलाल गुर्जर, जगदीश सोनी, सुरेन्द्र पारीक, राजू जायसवाल व भेरूलाल खंगार सहित कई श्रोता मौजूद थे।

सार-समाचार

विधायक पटेल ने की जनसुनवाई

कोटपूतली। विधायक हंसराज पटेल ने बुधवार को कस्बे के कांवर नगर स्थित कार्यालय पर नियमित जनसुनवाई करते हुये आमजन के अभाव-अभियोग सुने। इस मौके पर उन्होंने महात्मा ज्योतिबा फूले की 198 वीं जयन्ती के अवसर पर महात्मा ज्योतिबा फूले संस्थान व सैनी सभा संस्था के संयुक्त तत्वाधान में कस्बे के सब्जी मण्डी से मुख्य चौराहा स्थित महात्मा ज्योतिबा फूले चौक तक निकाली जा रही नगर भ्रमण रैली के बैनर का विमोचन किया। उल्लेखनीय है कि सैनी युवा टीम द्वारा फूले जयंती के अवसर पर कस्बे के डाबला रोड़ स्थित एक निजी गार्डन में 13 वाँ विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर गुरूवार 10 अप्रैल को आयोजित किया जायेगा। इस दौरान पूर्व चौयरमैन एड. महेन्द्र कुमार सैनी व प्रकाश चंद सैनी, पूर्व पार्षद हनुमान सैनी, बिड़दीचंद हवलदार, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष कमल सैनी समेत अन्य मौजूद रहे। वहीं दुसरी ओर पटेल ने विभिन्न गाँवों से आये ग्रामीणों की समस्यायें सुनते हुये उनका निस्तारण किया। ग्राम पंचायत देवता-छारदड़ा के ग्रामीणों ने सरपंच रामनरेन्द्र शर्मा के नेतृत्व में विधायक पटेल का अभिनंदन भी किया।

यात्री विश्रामालय की हुई दुर्दशा

सांभरझील, (निसं)। रोडवेज बसों के ठहराव स्थल पर आने जाने वाले यात्रियों की सुविधार्थ वर्ष 1989 में इंदिरा गांधी प्रियदर्शनी अवार्ड से सम्मानित व नगर कांग्रेस एरिया कमेटी के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय रामगोपाल टाक ने अपने दादाजी की स्मृति में बनवाकर जिस यात्री विश्रामालय जनहितार्थ भेंट किया गया था वह आज पूरी तरह से दुर्दशा का शिकार हो रहा है। नगरपालिका प्रशासन की कारगुजारी का नमूना इस बात से भी प्रकट हो रहा है कि स्वच्छ भारत मिशन अभियान को अपने स्तर पर सफल दिखाने के लिए जगह-जगह दीवारों पर इसके पोस्टर पुतवा दिए गए। लेकिन पालिका प्रशासन के अधिशाषी अधिकारी और स्टाफ ने इतना भी नहीं देखा कि जिस भवन के बाहर वह अपनी स्वच्छता का प्रचार प्रसार कर रहे हैं उसके अंदर के हालात क्या है, केवल दिखाने के लिए कि ऐसा कर आमजन के साथ भ्रम पैदा किया जा रहा है और जयपुर डीएलबी अधिकारियों की आंखों में धूल झोंकने का काम किया जा रहा है। स्थल भवन के अंदर देखकर ऐसा लग रहा है जैसे विगत कई साल से इसके अंदर झाड़ू ही नहीं लगाई। अंदर घुसते ही भयंकर स्मेल आती है। फर्श पूरी तरह से धूल की मोटी चादर में लिपटा हुआ है। रंग रोशन कभी किया गया हो ऐसा भी नहीं लग रहा है । यहां तक की दानदाता की ओर से बनवाए इस भवन पर अब ऊपर नाम भी धूमिल होता जा रहा है। यहां आस-पास के दुकानदारों से वह आमजन से बात करने पर बताया कि नगर पालिका प्रशासन यदि सक्रिय होता तो नगर के हालात कभी के सुधर जाते। यहां का स्टाफ भी मनमानी कर केवल गुमराह करने की स्थिति में रहता है।

कानून की जानकारी दी

नारायणपुर । कस्बे में स्थित मास्टर माइंड स्कूल के विद्यार्थियों को बुधवार को नारायणपुर पुलिस थाने का शैक्षिणक भ्रमण कराया गया। इस दौरान थानाधिकारी ओमप्रकाश मीणा के सानिध्य में बच्चों को पुलिस थाने की कार्यप्रणाली, अपराधों की रोकथाम और कानून व्यवस्था बनाए रखने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। थानाधिकारी ने विद्यार्थियों को साइबर क्राइम, महिला संबंधी अपराध, यातायात नियमों और हाल ही में लागू हुए नए कानूनों की जानकारी देते हुए उन्हें सतर्क रहने की सलाह दी। बच्चों ने उत्सुकता से थाने का प्रत्येक विभाग देखा और अधिकारियों से सवाल-जवाब किए। इधर बासदयाल पुलिस थाने में भी थानाधिकारी प्रदीप सिंह की देखरेख में स्कूली बच्चों को पुलिस की भूमिका और दायित्वों के बारे में अवगत कराया गया। वहां भी बड़ी संख्या में बालक-बालिकाएं उपस्थित रही और उन्होंने थाने के कामकाज को नजदीक से देखा।

युवक ने लगाया फांसी का फंदा

टोंक। बरोनी थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे-52 पर स्थित होटल शिव शक्ति बोरखडीखुर्द उस समय सनसनी फैल गई, जब एक युवक ने होटल के कमरे में महिला के सामने ही पंखे से लटक कर आत्महत्या कर ली। बरोनी थाना अधिकारी बृजेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि एक युवक और महिला निजी होटल में साथ रुके हुए थे, करीब एक घंटे बाद महिला बाथरूम चली गई तो पीछे से युवक ने होटल के रुम में पंखे पर फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक की पत्नी करीब 10 वर्ष से पीहर ही रह रही थी तथा दुसरी महिला को साथ लेकर होटल गया था। घटना की सूचना होटल स्टाफ ने दी, जहां पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सहादत अस्पताल टोंक भेजा, जहां युवक का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द किया। युवक की पहचान शंकर पुत्र बद्री जाती रैगर उम्र 40 वर्ष निवासी डोडरिया थाना पीपलू का होना बताया, आत्महत्या के कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हुआ है, मामले में अनुसंधान जारी है।

पुलिस थाने का करवाया भ्रमण

कोटपूतली। निकटवर्ती ग्राम सरूण्ड स्थित दा विंग्स स्कूल व अन्य स्कूलों के विधार्थियों को बुधवार को प्रधानाध्यापक सुरेन्द्र कुमार व अन्य अध्यापकों द्वारा पुलिस थाना सरूड का भ्रमण करवाया गया। इस दौरान थानाधिकारी बाबूलाल मीणा द्वारा विधार्थियों को साईबर अपराधों, महिला संबंधी अपराधों एवं नये कानून व यातायात नियमों एवं पुलिस कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि पुलिस आमजन के लिये 24 घण्टे सेवा में तत्पर रहती है। कभी भी पुलिस थाने आकर अपनी शिकायत की जा सकती है। पुलिस का ध्यय आमजन में विश्वास और अपराधियों में डर होता है। विद्यालय निदेशक सुरेंद्र कुमार मीणा ने एसएचओ बाबूलाल मीणा समेत सभी पुलिसकर्मियों का आभार व्यक्त किया। इस दौरान एएसआई धूड़मल यादव, शंकर, लोकेश, ओमप्रकाश, जगत समेत अन्य मौजूद रहे। इसी प्रकार विधार्थियों को महिला पुलिस थाना कोटपूतली का भी भ्रमण करवाया गया।

मांग को लेकर सोंपा ज्ञापन

बौंली -बामनवास। क्षेत्र के ग्राम कराडी व गुडला नदी के ग्रामीणों ने राजस्थान किसान सभा के सवाई माधोपुर जिला अध्यक्ष कांजी मीणा के नेतृत्व में एकत्रित होकर अपने गांव को पूर्व की तरह ही निमोद, राठौद ग्राम पंचायत में यथावत रखने की मांग को लेकर एक हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन सवाई माधोपुर जिला कलेक्टर शुभम चौधरी को सोंपा। ज्ञापन में अंकित किया गया है कि राजस्थान सरकार द्वारा ग्राम पंचायत के पुनर्गठन को लेकर की गई कार्रवाई के तहत कराडी व गुडला नदी दोनों गांव को जोड़कर गुडला चंदन को नवीन ग्राम पंचायत घोषित किया गया है इस राजकीय कार्यवाही से दोनों गांव के ग्रामीणों को काफी परेशानी है एवं नाराजगी है ज्ञापन देते समय निमोद, राठौद ग्राम पंचायत सरपंच के पति तुलसीराम गुर्जर, गोकुल, गोवर्धन, चतुर्भुज, नादान, गोपाल, बद्रीलाल, आसाराम, हनुमान, व सियाराम गुर्जर निवासी गुडला नदी एवं मोहनलाल, गजानंद, सोजीराम व फूलसिंह गुर्जर निवासी कराडी सहित अनेको ग्रामीण उपस्थित थे।

गणेश मंदिर से निकली शोभायात्रा

फुलेरा । कस्बे के निकटवर्ती ग्राम पंचायत काचरोदा स्थित श्याम मन्दिर परिसर में श्री श्याम मेला समिति के तत्वावधान में मेला महोत्सव आयोजित किया गया। इस दौरान श्री श्याम पदयात्री जनसेवा समिति द्वारा क्षेत्र की न्यू कॉलोनी स्थित श्री सिद्ध गणेश मन्दिर परिसर से गाजे बाजे के साथ विशाल शोभायात्रा प्रारम्भ की गई। जो कि क्षेत्र के प्रमुख मार्गो से भ्रमण करते हुए मेला स्थल श्याम मन्दिर काचरोदा पहुंची। इस दौरान रास्ते में जगह-जगह धर्मप्रेमियों द्वारा उक्त शोभायात्रा पर पुष्प वर्षा कर स्वागत अभिनन्दन किया गया। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष शिव कुमार, वेदप्रकाश पारीक, सदस्य जीएल टेलर, मनीष सोनी, मदन लाल गोदला, मोहन लाल सैनी, अंकित पारीक, शुभम कुमावत, रोहित सैनी, अंकित कुमावत, दौलत कुमावत, रामपाल कुमावत, सतीश सैनी, दिनेश कुमावत, गोपाल कुमावत सहित अन्य कई लोग उपस्थित रहे।

बेशक दर्शकों की संख्या अच्छी होनी चाहिए, हम आईपीएल से टकरा रहे हैं लेकिन हमारे पास पीएसएल आयोजित करने के लिए केवल यही समय था।

– हसन अली

पाक के तेज गेंदबाज, पीसीएल को लेर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

एमसी मैरीकॉम

भारतीय मुक्केबाज एमसी मैरी कॉम की निजी जिंदगी इन दिनों सुर्खियों में है। वह और पति ओनलर के बीच 20 साल का रिश्ता खत्म होने की खबरें हैं। उनके बीच कुछ व्यक्तिगत और राजनीतिक तनाव चल रहे थे, जबकि इस बीच 42 वर्षीय बॉक्सर के अफेयर की खबरें भी जोरों पर हैं। दरअसल, ऐसा माना जा रहा है कि 2022 में ओनलर के मणिपुर विधानसभा चुनाव में हारने के बाद से उनके रिश्ते में दूरियां आनी शुरू हो गईं थीं। वित्तीय बोझ और मैरी कॉम की राजनीतिक गतिविधितियों में बढ़ती भागीदारी भी अलगाव के कारण बताए जा रहे हैं।

क्या आप जानते हैं ?... अली डेई सबसे पहले 100 अंतरराष्ट्रीय गोल करने वाले खिलाड़ी है।

राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेजर्स बेंगलुरू का 13 अप्रैल को सवाई मानसिंह स्टेडियम में मैच खेला जाना प्रस्तावित है। इसी की तैयारियों को लेकर स्टेडियम को गुलाबी रंगों से रंग दिया गया है। मैदान को पूरी तरह तैयार किया जा चुका है। दर्शकों क्रे बैठने की तैयारियां अपनी चरम सीमा पर है। राजस्थान रॉयल्स की टीम आज दोपहर 2.30 बजे जयपुर एयरपोर्ट पहुंचेगी।

विराट कोहली के फॉर्म में होने से आरसीबी मजबूत, डीसी की बढ़ी चिंता

बेंगलुरु, 9 अप्रैल। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सीजन में गुरुवार को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और शानदार फॉर्म में चल रही दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के बीच मुकाबला होगा। कोहली का फॉर्म में होना डीसी के लिए चिंता का सबब बन सकता है। कल के मैच में इस सीजन में शानदार फॉर्म में चल रहे आरसीबी की धड़कन कहे जाने वाले विराट कोहली पर होंगी। पूर्व भारतीय कप्तान ने अभी तक इस सीजन के चार मैचों में 54.66 की शानदार औसत और 143.85 की स्ट्राइक रेट से 167 रन बनाए हैं। बकौल, चिन्नास्वामी में कोहली की महारत जगजाहिर है। कोहली ने आईपीएल में इस मैदान पर 3,000 से ज़्यादा रन बनाकर शीर्ष क्रम में हैं। इस सीजन में आरसीबी फिलहाल चार मैचों में तीन जीत के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान काबिज है।

राजस्थान रॉयल्स को गुजरात टाइटंस ने 58 रनों से हराया

अहमदाबाद, 9 अप्रैल। साई सुदर्शन (82), जॉस बटलर (36) और शाहरुख खान (36) की शानादर पारियों के बाद पी कृष्णा (तीन विकेट) राशिद खान और साई सुदर्शन (दो-दो विकेट) के दमदार प्रदर्शन की बदौलत गुजराज टाइटंस ने बुधवार को इंडियंस प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 23वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स को 58 रनों से हराया। गुजरात टाइटंस की पांच मैचों में यह चौथी जीत है और तालिका में आठ अंक के साथ वह शीर्ष पर है।

218 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान रॉयल्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 12 के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिये। यशस्वी जयसवाल (छह) और नीतिश राणा (एक) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये रियान पराग ने पारी संभालने का प्रयास किया। सातवें ओवर में कुलवंत खेजरोलिया ने पराग (26) को आउटकर राजस्थान रॉयल्स को बड़ा झटका दिया। ध्रुव जुरेल (पांच) और शिवम दुबे (एक) को राशिद खान ने आउट किया। कप्तान संजू सैमसन को पी कृष्णा ने आउट किया। सैमसन ने 28 गेंदों में चार चौके और दो छक्के लगाते हुए (41) रनों की पारी खेली।

16वें ओवर में पी कृष्णा ने शिमरॉन हेटमायर को आउट कर राजस्थान रॉयल्स के मैच जीतने की उम्मीद को ध्वस्त कर दिया। हेटमायर ने 32 गेंदों में चार चौके और तीन छक्के लगाते हुए (52) रनों की पारी खेली। इसके बाद साई किशोर ने तुषार देशपांडे (तीन) और उसके बाद महीश तीक्षणा (पांच) को आउट कर राजस्थान रॉयल्य की पारी का 19.2 ओवर में 159 के स्कोर पर अंत कर दिया। गुजराज टाइटंस की ओर से पी कृष्णा ने तीन, राशिद खान और साई किशोर ने दो-दो विकेट लिये। मोहम्मद सिराज, अशरद खान और कुलवंत खेजरोलिया ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में आईपीएल को लेकर हो रही तैयारियों के बीच आंधी आने से वेस्ट के वीआईपी लॉज के एक कोने के रूफ टॉप उड़ गये।

स्कॉटलैंड की महिला टीम ने विंडीज को 11 रन से हराया

लाहौर, 9 अप्रैल। वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज (चार विकेट/नाबाद 114) के हरफनमौला प्रदर्शन गया बेकार, स्कॉटलैंड ने बुधवार को आईसीसी महिला विश्वकप क्वालीफायर के दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में वेस्टइंडीज को 11 रनों से हराया। 245 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की

शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने दूसरे ही ओवर में कियाना जोसेफ (शून्य) का विकेट गवां दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी जैदा जेम्स ने हेली मैथ्यूज के साथ दूसरे विकेट लिये 113 रनों की साझेदारी की। 27वें ओवर में क्लो एबेल ने जैदा जेम्स (45) को आउट कर इस साझेदारी का अंत किया। इसके बाद स्कॉटलैंड के गेंदबाजी आक्रमण के आगे वेस्टइंडीज की कोई भी बल्लेबाज अधिक देर तक नहीं टिक सकी और तू चल मैं आया की तर्ज पर पवेलियन लौटती रही।

पाक महिला टीम ने आयरलैंड को 38 रनों से हराया

लाहौर, 9 अप्रैल। सिदरा अमीन (51) और आलिया रियाज (52) की शानदार अर्धशतकीय पारियों के बाद डायना बेग (चार विकेट) और नशरा संधू (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर पाकिस्तान की महिला टीम ने बुधवार को आईसीसी महिला विश्वकप क्वालीफायर के पहले एकदिवसीय मुकाबले में आयरलैंड को 38 रनों से हरा दिया। 218 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आयरलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने अपना पहला विकेट सारा फोर्ब्स (नौ) रन के रूप में गवां दिया। इसके बाद कप्तान गैबी लुईस और एमी हंटर ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 69 रनों की साझेदारी हुई। 24वें ओवर में संधू ने कप्तान गैबी लुईस (44) को आउट कर इस साझेदारी का अंत किया। इसके बाद उन्होंने 28वें ओवर में एमी हंडर (44) को भी आउटकर पवेलियन भेज दिया। ओर्ला प्रेंडरगैस्ट (37) रन बनाकर आउट हुई। बेग और संधू के गेंदबाजी आक्रमण के आगे आयरलैंड की बल्लेबाज अधिक देर तक नहीं टिक सके और पूरी टीम 44 ओवर में 179 के स्कोर पर सिमट गई।

एडवाइजरी : आईपीएल के टिकट अधिकृत वेबसाइट या अधिकृत केंद्रों से ही खरीदें : डीजी प्रियदर्शी

आईपीएल प्रशंसकों के साथ हो रहा है ऑनलाइन स्कैम

जयपुर, 9 अप्रैल। वर्तमान में जारी आईपीएल मैच के शुरू होते ही साइबर धोखाधड़ी के कई मामले सामने आ रहे हैं। साइबर अपराधी विभिन्न तरीकों से लोगों को ठगने की कोशिश कर रहे हैं। राजस्थान पुलिस की साइबर शाखा द्वारा इस संबंध में एडवाइजरी जारी की गई है। मैच के टिकट अधिकृत वेबसाइट एवं अधिकृत केंद्रों से ही खरीद कर स्कैम से बचे। पुलिस महानिदेशक साइबर क्राइम हेमंत प्रियदर्शी ने बताया कि वर्तमान में आईपीएल क्रिकेट मैच का 18वां संस्करण चालू है। साइबर अपराधी ऑनलाइन टिकटों की बिक्री एवं आईपीएल संबंधी जानकारी तथा मैच की लोकप्रियता का फायदा उठाकर विभिन्न स्कैम पेज की मदद से लोगों से ठगी कर रहे हैं।

ऐसी होती है ठगी

- फर्जी वेबसाइट और ऐप से ठग टिकट बुकिंग, फैंटेसी लीग या अन्य आकर्षक ऑफर का दावा कर व्यक्तिगत और वित्तीय जानकारी चुरा लेते हैं, साथी पैसे ऐंठ नकली टिकट थमा देते हैं
- सोशल मीडिया के जरिए फर्जी ऑफर देकर सस्ते टिकट या अन्य पुरस्कार जीतने का दावा किया जाता है।
- आईपीएल टिकट बुकिंग या अन्य जानकारी के लिये ऑनलाइन सर्च में मिले फर्जी हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करने पर ठग पीड़ितों से उनकी यूपीआई या बैंक डिटेल्स मांग कर उनके खाते खाली कर देते हैं।
- इसके अलावा ईमेल और व्हाट्सएप पर नकली टिकट या आईपीएल से संबंधित फर्जी ऑफर भेज और मैच में सट्टा लगाने का लालच देकर ठगी की जाती है।

एडवाइजरी

- आईपीएल टिकट या किसी भी संबंधित गतिविधि के लिए हमेशा आधिकारिक वेबसाइटों और मान्यता प्राप्त प्लेटफॉर्म का ही उपयोग करें।
- किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें और अविश्वसनीय स्त्रोत से प्राप्त डाउनलोड करें। ऑनलाइन टिकट के बारे में जानकारी लेते समय लुभावने ऑफर के झांसे में ना आये। अपनी व्यक्तिगत और वित्तीय जानकारी किसी को भी साझा न करें।
- डीजी प्रियदर्शी ने बताया कि फर्जी लिंक, वेबसाइट या स्कैम पेज की सूचना साइबर मिलने पर या ठगी का शिकार होने पर तुरन्त हेल्प लाईन नम्बर 1930, साइबर क्राईम रिपोर्टिंग पोर्टल एवं निकटतम पुलिस स्टेशन / साइबर पुलिस स्टेशन को देनी चाहिए।

मैक्सवेल पर लगा मैच फीस का 25% जुर्माना

चंडीगढ़, 9 अप्रैल। पंजाब किंग्स के ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल पर चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैच के दौरान आईपीएल आचार संहिता का उल्लंघन करने पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और एक डिमेरिट अंक भी जोड़ गया है। मंगलवार की रात पंजाब और चेन्नई के बीच न्यू पीसीए स्टेडियम में खेले मैच में मैक्सवेल को आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन का दोषी पाया गया था। ग्लेन मैक्सवेल ने आईपीएल आचार संहिता अनुच्छेद 2.2 (मैच के दौरान गाली गलौच और तोड़फोड) लेवल 1 अपराध और मैच रेफरी की सजा को स्वीकार कर लिया हैं।

तुम्हारा आराध्य देव गिरगिट है... को लेकर नवजोद सिंह सिद्धू ने उड़ाया अंबाती रायूडू का मजाक

नई दिल्ली, 9 अप्रैल। पांच बार की चैंपियन टीम चेन्नई सुपर किंग्स का आईपीएल 2025 में सफर खत्म होने की कगार पर है। टीम को एक बार फिर हार झेलनी पड़ी है। पंजाब किंग्स ने उसे 18 रनों से हरा दिया। इस मैच में धोनी पांच नंबर पर बल्लेबाजी करने आए थे। यहां तक कि डेवोन कॉन्वे को रिटायर करके रविंद्र जडेजा को लाया गया। बावजूद सीएसके मैच हार गई। चेन्नई के हारने के बाद सोशल मीडिया पर सीएसके के पूर्व खिलाड़ी अंबाती रायुडू का खूब मजाक उड़ा।

नरोदडा निवासी भारतीय टीम के कोच ओमप्रकाश चौधरी के नेतृत्व में टीम को मिली स्वर्णिम सफलता

शूटिंग प्रतियोगिता में भारतीय खिलाड़ियों ने रचा इतिहास व बनाया कीर्तिमान

लक्ष्मणगढ़, 9 अप्रैल। अंतरराष्ट्रीय शूटिंग स्पोर्ट्स फैडरेशन के तत्वावधान में अर्जेंटीना में आयोजित निशानेबाजी प्रतियोगिता मे भारतीय टीम के कोच मेडलिस्ट नरोदडा निवासी ओमप्रकाश चौधरी के नेतृत्व में भारतीय खिलाड़ियों ने इतिहास रचते हुए कीर्तिमान स्थापित किया है। यह जानकारी देते हुए सामाजिक कार्यकर्ता रघुनंदन भूरिया ने बताया कि प्रतियोगिता में भारतीय खिलाड़ी विजयवीर सिद्धू व सुरूचि सिंह ने स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने बताया कि भारतीय कोच नरोदडा निवासी लक्षमनगढ गौरव ओमप्रकाश चौधरी ने दुरभाष पर बताया कि आईएसएसएफ विश्व कप में

पदक तालिका में भारत शीर्ष पर है। निशानेबाजी में विजयवीर सिद्धू ने अर्जेंटीना के ब्युनस आयर्स में चल रही आईएसएसएफ विश्व कप के पुरूष वर्ग की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण जीतने वाले पहले भारतीय हैं जबकि महिलाओं की श्रेणी में सुरूचि सिंह ने 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में अपना पहला स्वर्ण पदक जीता है। उन्होंने बताया कि दोहरे स्वर्ण पदकों से भारत चार स्वर्ण,एक रजत व एक कांस्य पदक के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया है। उल्लेखनीय है कि नरोदडा निवासी ओमप्रकाश चौधरी को हाल ही में भारत सरकार ने निशानेबाजी का कोच बनाया है।

डायमंड क्लब ने स्टार क्रिकेट क्लब को हराया

जयपुर, 9 अप्रैल। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग में आज खेले गए पूल ए के मैच में डायमंड क्रिकेट क्लब ने स्टार क्रिकेट क्लब को 6 विकेट से हराया। जी आर ग्राउंड पर स्टार क्रिकेट क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए विहान जैन के 62 रन, आर्यमन शर्मा के 38 रन, दर्श पारीक के 22 रन, आशीष चोपड़ा के 59 रन, से 50 ओवर में 9 विकेट पर 249 रन बनाए। डायमंड क्लब के लिए अयान खान ने 34 पर 3, संजय महावार ने 62 पर 2, रुद्र सोनी, मोहम्मद कैफ, कुमार वासु व आदित्य शर्मा ने एक विकेट लिया। जवाबी पारी में डायमंड क्लब ने दिलकुश महावर के 87 रन, मोहम्मद कैफ के 26 रन, कुमार वासु के नाबाद 81 रन व रुद्र सोनी के नाबाद 35 रनों से 40.2 ओवर में 4 विकेट पर 251 रन बनाकर मैच जीत लिया। स्टार क्रिकेट क्लब के लिए आरव कुमार ने 27 पर 3 व नतांश कारिया ने 66 पर 1 विकेट लिया।

कई मैच होने के बाद कौनसी टीम पहुंच सकेगी प्लेऑफ में

नई दिल्ली, 9 अप्रैल। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के सीजन में अबतक 22 मुकाबले खेले जा चुके है। हर मैच के साथ प्लेऑफ में पहुंचने की जंग और अधिक रोमांचक हो रही है। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स इस बार प्लेऑफ में पहुंचने के लिए काफी संघर्ष करती दिख रही है। दोनों ही टीमों ने शुरुआती कुछ मुकाबले हार दिए हैं जिसके बाद प्लेऑफ में पहुंचना टीमों के लिए मुश्किल का सौदा हो गया है।इस बार आईपीएल पॉइंट्स टेबल में जो टीमें शीर्ष पर हैं उनमें से तीन टीमें ऐसी हैं जिनके पास आईपीएल ट्रॉफी नहीं है। इस बार पॉइंट्स टेबल में शीर्ष पर दिल्ली कैपिटल्स है, दूसरे पायदान पर गुजरात टाइटंस, तीसरे पायदान पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और चौथे नंबर पर पंजाब किंग्स ने कब्जा जमाया हुआ है।

एमटी 400 वर्ल्ड टेनिस मास्टर टूर चैम्पियनशिप शुरू

जयपुर, 9 अप्रैल। जय क्ल्ब के टेनिस प्रागण में आज एम टी - 400 वर्ड टेनिस मास्टर्स टेनिस प्रतियोंगिता का प्रारम्भ हुआ । प्रतियोंगिता का आयोजन मोती संस के सोजन्य से ओ.एन. दीक्षित मेंमोरियल सोसायटी के तत्वाधान में जय कल्ब में आयोजित की जा रही है । प्रतियोंगिता में महिला वर्ग एवं पुरूष वर्ग के 30,35,40,45,50,55,60 ,65,70 एवं 75 वर्ष आयु वर्ग के मुकाबले खेले जायेगे व देश के विभिन्न प्रदेशो के लगभग 183 खिलाडी हिस्सा ले रहे है।

प्रतियोंगिता का उद्धाटन समारोह की मुख्य अतिथि रेनु अमिताभ, महा निदेषक आयकर अनवेषण राजस्थान व अन्य विशिष्ट अतिथि सुधान्शु शेखर झा, मुख्य आयकर आयुक्त, अवधेष कुमार प्रधान निदेशक आयकर अनवेषण राजस्थान व आयकर आयुक्त शेलेन्द्र शर्मा, मनोज महर, संजय धारीवाल एवं दिलिप शिवपुरी अध्यक्ष राजस्थान टेनिस संध, व विष्णु चरण मलिक व जय क्ल्ब की सम्पूण कार्यकरीणी के सदस्य उपस्थित थे। प्रतियोंगिता में राजस्थान के जगदीष तंवर, दिलिप शिवपुरी, लक्ष्मी कान्त

तंवर, गुरू दर्षन सिह रमाना, रियाज अहमद, सुधान्शु शेखर झा, दिपक बागौरा, राजेन्द्र सिह सिसोदिया, दिनेश बडगुजर एवं विष्णु चरण मलिक अपना भाग्य आजमाएगे।

आज खेले गए मुकाबलो के प्रथम दौर के परिणाम निम्न प्रकार से है -40 वर्ष आयु वर्ग- में आज गौतम गाडगिल ने अष्वनी कुमार को 6-1, 6-1 से,रमजान ष्वैख ने दिपक कुमार शुक्ला को 6-1, 6-1, से रजत गुप्ता ने संदीप वी को 6-0, 6-0 से, अनिल अग्रवाल ने सुरेष कटारिया को 6-3, 6-3 से, मधुसूदन ने केसरी नन्दन शर्मा को 6-0, 6-1 से हराया।

45 वर्ष आयु वर्ग - अरूण कटारियो ने अमिट एकनाथ अहिर को 6-2,6-2 से, तरूण घुमरी ने कोषिक गागुली को 7-6, 7-5 से, सुनिल गौस्वामी ने दिनेष बडगुजर को 6-1,6-1 से हराया ।

50 वर्ष आयु वर्ग - वेणुगोपाल ने आनन्द जीत लाल को 6-3,6-3 से, आषिष मालपानी ने सुरेष नागर को 6-4,3-6,10-7 से हराया ।

प्रियांश आर्य को तराशने में गौतम गंभीर का हाथ

नई दिल्ली, 9 अप्रैल। आईपीएल के हर सीजन में भारत को कई नगीने मिलते हैं जो अपने प्रदर्शन से सबको अचंभित करते हैं। आईपीएल के 18वें सीजन में पंजाब किंग्स के लिए खेल रहे युवा क्रिकेटर प्रियांश आर्य भी इन दिनों अपने प्रदर्शन को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। वह तूफानी सेंचुरी जड़कर छा गए हैं। प्रियांश आर्य ने मंगलवार को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 42 गेंदों में 103 रन बनाए। उन्होंने 7 चौके और 9 सिक्स भी लगाए। प्रियांश ने महज 39 गेंदों में सेंचुरी पूरी कर ली थी, जो रिकॉर्ड है।

जैक ड्रेपर मोंटे कार्लो के तीसरे दौर में

पेरिस, 9 अप्रैल। ब्रिटेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी जैक ड्रेपर ने सीजन के अपने पहले क्ले कोर्ट मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए मोंटे कार्लो मास्टर्स के तीसरे दौर में जगह बना ली हैं। ड्रेपर ने एक घंटा एक मिनट तक चले मुकाबले में अमेरिका के मार्कोस गिरोन को 6-1, 6-1 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई। ड्रेपर ने मैच के दौरान पांच ऐस और 21 विनर लगाये। पहले दौर में बाई पाने वाले 23 वर्षीय ड्रेपर का अगले दौर में स्पेन के एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना और अर्जेंटीना के टॉमस मार्टिन एचेवेरी के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा।

डीएसजे इलेवन ने राजवीर सिंह के शतक से बढ़त बनाई

जयपुर, 9 अप्रैल। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित के एम रूंगटा चैलेंजर ट्रॉफी में आज खेले गए मैचों में के एल सैनी स्टेडियम पर खेले गए मैच में डी एस जे टीम ने कल के स्कोर 14 रन से आगे खेलते हुए मनन सिंह शेखावत के 84 रन, मानेंद्र सिंह के 70 रन, राजवीर सिंह के 114 रन, तोषित भाटिया के 50 रन, कुणाल गौतम के नाबाद 18 रन व हिमांशु राणा के नाबाद 21 रनों से दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 95 ओवर में 6 विकेट पर 377 रन बनाए। एम जे जे इलेवन के लिया रोहन सिंह ने 57 पर 3, आयुष गुर्जर ने 115 पर 2 व प्रखर शर्मा ने 76 पर एक विकेट लिया।

दूसरे मैच में जयपुरिया ग्राउंड पर

आर एच सी एल एस एस टीम ने कल के स्कोर 7 विकेट पर 132 रन रन से आगे खेलते हुए प्रशांत यादव के 70 रन व हिमान्य भारद्वाज के 29 रन से 46.3 ओवर में 170 रन बनाकर आउट हो गई। एस के आई टी इलेवन को पहली पारी में 65 रनों की बढ़त प्राप्त हुई। एस के आई टी इलेवन के लिए निखिल कोहली ने 27 पर 4, अनुज मीणा ने 39 पर 2, सौरभ यादव ने 52 पर 2 व मोहम्मद कैफ व सार्थक सैनी ने एक - एक विकेट लिया।

दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक एस के आई टी इलेवन ने अविनाश शर्मा के 45 रन, वरदान शर्मा के 22 रन, सिद्धांत जायसवाल के 34 रन, केशव डीडवानिया के 79 रन, मनीष गोस्वामी के 68 रनों से 69.1 ओवर में 9 विकेट पर 279 रन बना लिए थे। आर एच सी एल एस एस के लिए गोविंद चोपड़ा ने 49 पर 3, मिहित अग्रवाल ने 86 पर 3, आयुष आमेरिया, रोहन राजभर व हिमान्य भारद्वाज ने एक विकेट लिया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दो दिवसीय दौरे के दूसरे दिन श्रीगंगानगर जिले में गंगनहर परियोजना के अन्तर्गत शिवपुर हैड का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने किसानों से मुलाकात कर उनकी कुशलक्षेम भी पूछी।

'अंतिम छोर तक भरपूर नहरी पानी पहुँचाने के लिए राज्य सरकार कर रही कार्य'

आईजीएनपी, भाखड़ा नहर और गंगनहर प्रणाली के सुदृढ़ीकरण के लिए दोनों बजट में महत्वपूर्ण प्रावधान किए हैं- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि किसानों की लम्बे समय से चली आ रही माँग को पूरा करने के लिये गंगनहर प्रणाली की क्षतिग्रस्त लाइनिंग की मरम्मत, सी.पी. लाइनिंग, फीडर पुर्ननिर्माण व ऑटोमेशन के लिये 1195 करोड़ रूपये के कार्य कराये जायेंगे।**

जयपुर/श्रीगंगानगर, 9 अप्रैल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हनुमानगढ- श्रीगंगानगर के अपने दो दिवसीय प्रवास के दूसरे दिन बुधवार को श्रीगंगानगर जिले में गंगनहर परियोजना के अन्तर्गत शिवपुर हैड का निरीक्षण किया।

निरीक्षण करने के बाद, मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंचाई व्यवस्था को बेहतर बनाना सरकार की प्राथमिकताओं में सबसे ऊपर है, ताकि अंतिम छोर पर स्थित खेतों तक भी पर्याप्त नहरी पानी पहुंचा कर किसानों को लाभान्वित किया जा सके। उन्होंने कहा कि श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ जिलों में नहरी जल पर निर्भरता को देखते हुए राज्य सरकार ने आईजीएनपी, भाखड़ा नहर और गंगनहर प्रणाली के सुदृढ़ीकरण के लिए गत दोनों बजट में कई महत्वपूर्ण योजनाएं शुरू की हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि किसानों की लम्बे समय से चली आ रही मांग को पूरा करते हुए गंगनहर प्रणाली में क्षतिग्रस्त लाइनिंग की मरम्मत, सीसी लाइनिंग, फीडर पुनर्निर्माण, ऑटोमेशन आदि के 1195 करोड़ रुपए के कार्य करवाएं जाएंगे, जिससे सीपेज लॉस में कमी आएगी और किसानों को उनके हक का पूरा पानी मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए गंग कैनाल ऐप और गंगनहर रेग्युलेशन पोर्टल का निर्माण भी किया गया है, जिससे नहर खुलने और बंद होने की जानकारी उनके मोबाइल पर उपलब्ध हो सकेगी।

शर्मा ने कहा कि इंदिरा गांधी नहर परियोजना के द्वितीय चरण की नहरों के जीर्णोद्धार, आधुनिकीकरण, पक्के खालों के निर्माण, बैलेन्सिंग रिजर्वायर आदि कार्यों के लिए इस वर्ष के बजट में 1108 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

उन्होंने कहा कि सिद्धमुख सिंचाई परियोजना के अंतर्गत, नोहर व भादरा तहसीलों में नहरों के जीर्णोद्धार के 128 करोड़ रुपए के कार्य शुरू करवाए जा चुके हैं और 45 करोड़ रुपए के कार्य शीघ्र प्रारम्भ करवाए जाएंगे।

शर्मा शिवपुर हैड स्थित महाराजा गंगासिंह जी की प्रतिमा पर गए तथा संग्रहालय का अवलोकन किया। शर्मा ने गंगनहर तथा शिवपुर हैड के निर्माण में महाराजा गंगासिंह जी के ऐतिहासिक योगदान को नमन किया। इसके बाद, शर्मा ने शिवपुर हैड के नजदीक आयोजित प्रदर्शनी में बागवानी पद्धति, कृषि यंत्र सहित विभिन्न स्टॉल्स का अवलोकन किया।

कैशलैस इलाज योजना में देरी, सुप्रीम कोर्ट नाराज

नई दिल्ली, 09 अप्रैल। मोटर दुर्घटना पीड़ितों के लिए कैशलेस चिकित्सा उपचार में देरी को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र सरकार को फटकार लगाई। साथ ही अदालत ने सड़क परिवहन मंत्रालय के सचिव को वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए स्पष्टीकरण देने के लिए तलब किया। मामले में सुनावई के दौरान जस्टिस अभय एस ओका और उज्जल भुइयां की पीठ ने इस बातपर आपत्ति जताई कि 8 जनवरी के आदेश के बावजूद केन्द्र सरकार ने इसका अनुपालन नहीं किया।

कोर्ट ने आगे कहा कि 8 जनवरी को दिए गए आदेश के बावजूद केन्द्र ने योजना को लागू नहीं किया, जो कि एक गंभीर

- **सुप्रीम कोर्ट ने देरी के लिए केन्द्र सरकार से स्पष्टीकरण मांगा है।**

उल्लंघन है। सुनवाई के दौरान जस्टिस अभय एस ओका और उज्जल भुइयां की पीठ ने इस पर आपत्ति जताई। साथ ही कहा कि यह न केवल अदालत के आदेश का उल्लंघन है, बल्कि एक लाभकारी कानून को लागू करने में भी देरी हो रही है। अदालत ने केन्द्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल विक्रमजीत बनर्जी से कहा कि यह उनका खुद का कानून है और यदि योजना लागू नहीं की जाती तो लोग अपनी जान गंवा सकते हैं। कोर्ट ने सड़क परिवहन मंत्रालय के सचिव को 28 अप्रैल को स्पष्टीकरण देने के लिए बुलाया।

अमेरिका ने 26/11 के आरोपी तहव्वुर राणा को भारत भेजा

तहव्वुर राणा को भारत ला रहा विमान देर रात तक भारत पहुंचेगा

- **भारत से एक विशेष टीम तहव्वुर को लेने अमेरिका गई है।**
- **राणा के भारत आगमन के सम्बंध में बुधवार को गृहमंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ अहम मीटिंग की।**
- **राणा का विमान कहां लैंड करेगा, उसे कहां रखा जाएगा इस बारे में अभी कोई जानकारी नहीं है**

नयी दिल्ली, 09 अप्रैल। मुंबई में 26/11 के आतंकवादी हमले के मुख्य साजिशकर्ता पाकिस्तानी तुहव्वुर राणा को न्यायिक प्रक्रिया के तहत कार्यवाही के लिए अमेरिका से प्रत्यर्पित कर बुधवार को भारत के लिए रवाना किया गया। उसे लाने के लिए भारत से एक विशेष टीम गई है।

अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार राणा को एक विशेष विमान से भारत के लिए रवाना कर दिया गया है। राणा को लेकर आ रहे विमान के भारतीय समयानुसार आज देर रात यहां पहुंचने की संभावना है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि उसका विमान भारत में कहां उतारा जाएगा और राणा को किस स्थान पर रखा जाएगा। वह शुरू में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की हिरासत में रहेगा, जो कानूनी औपचारिकताएं पूरी करेगा।

तहव्वुर राणा के भारत आने से पहले हलचल तेज हो गई है। बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल के साथ एक अहम बैठक की। यह बैठक तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण के बाद की रणनीति पर चर्चा के लिए की गई।

इससे पहले अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने राणा की उस याचिका को खरिज कर दिया था जिसमें उसने खुद को भारतीय अधिकारियों को सौंपे जाने का विरोध किया था। मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स की अदालत ने इस याचिका को खारिज कर दिया था। इसके बाद उसे भारत की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंपने का रास्ता साफ हो गया था।

राणा ने प्रत्यर्पण की कार्रवाई के विरुद्ध 13 फरवरी को दायर याचिका में कहा था कि उसके खिलाफ अमेरिका में सभी अपीलों पर अदालती कार्यवाही पूरी होने तक उसे भारत को न सौंपा जाए। उसने तर्क दिया कि उसे भारत को प्रत्यर्पित किया जाना अमेरिकी कानून और संयुक्त राष्ट्र की यातना विरोधी संधि का उल्लंघन है। राणा का कहना था कि उसे भारत में यातनाएं दी जा सकती हैं।

अमेरिकी शीर्ष अदालत द्वारा सोमवार को भारत को उसके प्रत्यर्पण के खिलाफ उसकी याचिका को खारिज कर दिये जाने के बाद उसे भारत भेजे जाने की प्रक्रिया शुरू हो गयी थी। प्रत्यर्पण प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए भारत से एक मल्टी-एजेंसी टीम अमेरिका गई थी और उसने अमेरिकी अधिकारियों के साथ सभी कागजी कार्रवाई और कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने में मदद की।

रिपोर्टों के अनुसार, 64 वर्षीय पाकिस्तानी-कनाडाई नागरिक राणा, पाकिस्तान स्थित इस्लामी आतंकवादी समूह, लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा था। राणा लॉस एंजिल्स में अमेरिकी मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर में 14 साल तक कैद रहा। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने पहली बार 2023 में भारत को उसके प्रत्यर्पण को मंजूरी दी थी, लेकिन उसने शीर्ष अदालत में बार-बार प्रत्यर्पण रोकने के लिए याचिकाएं दायर कीं थीं, पर उसे सफलता नहीं मिली। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने वाइट हाउस में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक के बाद संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में एक सवाल के जवाब में राणा के भारत में प्रत्यर्पण की घोषणा की थी।

राणा ने आतंकवादी हमले से पहले मुंबई में आतंकी हमलों के स्थानों को चिह्नित करने के लिए व्यक्तिगत रूप से रेकी और जासूसी की थी, उसने जिहादी साथी दाऊद गिलानी उर्फ डेविड कोलमैन हेडली को पाकिस्तानी-अमेरिकी पासपोर्ट का उपयोग करके भारत की यात्रा करने में भी मदद की थी।

'अब दांव पर वाणिज्य और व्यापार नहीं, वरन् ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यदि बीज़िंग पीछे नहीं हटता तो अतिरिक्त 50 प्रतिशत टैरिफ बुधवार तक लागू किया जाएगा। "जैसे को तैसा" की इस प्रक्रिया की शुरुआत पिछले सप्ताह ट्रंप द्वारा चीन पर 34 प्रतिशत टैरिफ लगाने से हुई, जिसका चीन ने तुरंत वैसा ही जवाब दिया था। अमेरिकी टैरिफ चीनी सामानों पर औसतन 76 प्रतिशत के करीब पहुंचने वाला है, व्यापार परिदृश्य अब आर्थिक तर्क के बजाय राजनीतिक इच्छा के द्वारा तय किया जा रहा है।

बाजारों ने पहले ही घबराहट भरी प्रतिक्रिया दी है।

हाँगकाँग का हैंगसेंग इंडेक्स सोमवार को सभी को चौंकाते हुए 13.2 प्रतिशत तक गिर गया जो एशियाई वित्तीय संकट के बाद से एक ही दिन की सबसे बड़ी गिरावट थी, हालांकि मंगलवार को कुछ हद तक सुधार हुआ।

फिर भी कुछ अर्थशास्त्री पूछ रहे हैं: यह स्थिति कब तक रहेगी,

इकोनॉमिस्ट इंटैलिजेंस के वरिष्ठ अर्थशास्त्री शू तियानचेन ने कहा, "चीन पहले से ही 60 प्रतिशत से अधिक के टैरिफ दर का सामना कर रहा है- अगर यह 50 या 500 प्रतिशत तक बढ़ जाए तो भी कोई फर्क नहीं पड़ता", इसके बजाय, शु ने चेतावनी दी, चीन भी इसी तरह से प्रतिशोध ले सकता है।

दांव अब सिर्फ व्यापार के बारे में नहीं रह गए हैं। बल्कि गर्व, ताकत और विश्व में अपनी स्थिति दर्शाने का जरिया बन गए हैं।

भारत ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिसके अन्तर्गत बाँग्लादेश ने भारत के सिलीगुड़ी कॉरिडोर के नजदीक एक एयरबेस को नया रुप देने के लिये चीनी सहायता माँगी है। लालमोनिर्हट - स्थित यह एयरबेस, जो चिकन नैक के नाम मशहूर सँकरी सिलीगुड़ी पट्टी के नजदीक है, भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के लिये एक संकटपूर्ण द्वार (क्रिटिकल गेटवे) है। रिपोर्ट बता रही हैं कि बाँग्लादेश इस क्षेत्र में चीन के साथ सामरिक सहयोग की संभावनाएं खँगाल रहा है।

निर्यात सुविधा निरस्त करने के भारत के निर्णय का असर भूटान तथा नेपाल पर भी पड़ सकता है। ये देश लैन्डलॉक्ड (जमीन से घिरे हुये) हैं तथा व्यापारिक पहुँच के लिये पूरी तरह भारत के जमीनी रास्तों पर निर्भर हैं। भारत सरकार का यह निर्णय "जनरल एग्रीमेन्ट ऑन टैरिफ एंड ट्रेड (जीएटीटी) के अनुच्छेद 5 के परस्पर प्रयोजनों (क्रॉस परपज) से जुड़ा प्रतीत होता है।

लेकिन ये नियम व्यापक रुप से लागू होते हैं तथा ये अप्रतिबद्ध एवं अबाधित (ऐब्सॉल्यूट) नहीं हैं। एक अधिकारी ने बताया कि "कुछ विशेष मामलों में राष्ट्रीय सुरक्षा सरोकारों का हवाला दिया जा सकता है।" अधिकारी ने आगे कहा: "भारत के लिये यह जरुरी है कि वह अपनी दलीलें विशेषरुप से भूटान और नेपाल समझा दे।

पायलट को और अधिक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि जूली कहाँ है, वे यहाँ हैं या नहीं? इस पर राजस्थान के नेता प्रतिपक्ष (जूली) की तलाश हुई, लेकिन वे नहीं मिले, वे संभवतः जा चुके थे। जूली से संबंधित मुद्दे पर राहुल ने कहा, "भाजपा दलितों को मंदिर में नहीं जाने देती है और अगर कोई चला जाये, तो वे मंदिर को धुलवाते हैं। ये हमारा धर्म नहीं है। हमारा धर्म वो है, जो सबको इज़्ज़त देता है, हर व्यक्ति का आदर करता हैं।"

"कांग्रेस और भाजपा में यही फर्क है, हमारे दिलों में सबके लिये मोहब्बत और इज़्ज़त है, जबकि उनके दिलों में सिर्फ नफ़रत। हम इस देश को नफ़रत का बाज़ार नहीं बनने देंगे- मोहब्बत की दुकान खोलकर न्याय का हिन्दुस्तान बनाएंगे।"

राहुल गांधी ने विधिवत घोषणा की कि उन्होंने जिला कांग्रेस कमेटियों (डीसीसी) को सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। डीसीसी टिकट चयन की प्रक्रिया का हिस्सा होंगी। डीसीसी के चयन के लिये कुछ गाइडलाइन तैयार की गई हैं।

पार्टी की पहली मीटिंग 15 अप्रेल को अहमदाबाद में तथा दूसरी मीटिंग 28 अप्रेल को जयपुर में होगी। इन मीटिंगों में मल्लिकार्जुन खड़गे मौजूद रहेंगे ही, राहुल गांधी भी शामिल हो सकते हैं। राहुल गांधी विभिन्न राज्यों में होने वाली इन मीटिंगों में उपस्थित होने की हर संभव कोशिश करेंगे। डीसीसी के चयन के तौर-तरीके और नियम-कायदे तय हो गये हैं तथा गुजरात में होने वाली पहली मीटिंग से इनका क्रियान्वयन शुरु हो जायेगा।

रिज़र्व बैंक ने ब्याज दर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से ब्याज दरों में नरमी के एक चरण की शुरुआत है। यह बात महत्वपूर्ण है। रिज़र्व बैंक के नए गवर्नर, संजय मल्होत्रा ने अपने पॉलिसी स्टेटमैंट में कहा है कि रिज़र्व बैंक ने अब अपनी मॉनिटरी पॉलिसी (मौद्रिक नीति) में "न्यूट्रल" (तटस्थ) रुख की जगह "अकॉमोडेटिव" (उदार) रुख अपनाया है। मूल बात यही है।

प्रमुख खिलाड़ी अब यह उम्मीद कर सकते हैं कि रिज़र्व बैंक की नीति भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि को प्रोत्साहित करने की दिशा में अधिक होगी, बजाय मूल्य के मोर्चे पर निगरानी रखने की अपनी मुख्य चिंता के। वर्तमान संदर्भ में शायद यह एक उचित रुख है, जबकि भारत की ग्रोथ रेट "निराशा" के दौर से उबरी है। रिज़र्व बैंक मौजूदा संदर्भ में महंगाई प्रबंधन से ज्यादा ग्रोथ को अधिक प्रोत्साहन देना चाहता है।

कम से कम दो कमजोरियां हैं, जिन्हें रिज़र्व बैंक ने अपेक्षाकृत स्थिर और सुविधापूर्ण के रुप में स्वीकार कर लिया है। पहली, भारत का सेवा निर्यात (सर्विसेज़ एक्सपोर्ट) और दूसरी, ग्लोबल फायनैंशियल मार्केट्स के उतार-चढ़ाव से उत्पन्न वित्तीय अस्थिरता की संभावना।

ट्रंप के शुल्कों ने सेवा क्षेत्र (सर्विसेज़ एक्सपोर्ट) को ध्यान में नहीं रखा है और शुल्क मुख्य रुप से माल निर्यात पर लगाए गए हैं। अगर ट्रंप अचानक सेवाओं के निर्यात पर कार्रवाई करने के बारे में सोचते हैं, तो भारत को भारी झटका लग सकता है। हमारा माल निर्यात जी.डी.पी. का केवल 2 प्रतिशत है। सेवा निर्यात का हिस्सा कहीं अधिक है। सर्विसेज़ एक्सपोर्ट को कम करने वाला कोई भी कदम भारतीय अर्थव्यवस्था को पैरलाइज़ कर सकता है, पंगु बना सकता है। वैसे भी भारत का सर्विसेज़ एक्सपोर्ट, आर्टिफिशल इन्टैलिजैंस की प्रगति के कारण, अस्तित्व का संकट झेल रहा है। इन निर्यातों में कई ऐसी सेवाएं हैं, जो एआई उपकरणों द्वारा दी जा सकती हैं, तथा निचले स्तर के सॉफ्टवेयर डवलपर्स और कोडर्स द्वारा किए गए काम को उपयोग में लिया जा सकता है।

कांग्रेस अधिवेशन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि करीब-करीब यही कहानी शेष भारत की भी है। जहाँ मोदी ने जातिगत जनगणना के लिये सहमत होने से इनकार कर दिया है, वहीं राहुल गांधी का कहना है कि वे यह सुनिश्चित करेंगे कि जातिगत जनगणना हो।

मजे की बात यह है कि राहुल के भाषण के ज्यादतर हिस्से का निशाना मोदी और उनकी सरकार रहीं, लेकिन उन्होंने इस अवसर का उपयोग उस रोड मैप पर प्रकाश डालने के लिये नहीं किया कि वे चुनाव कैसे जीतेंगे तथा भाजपा को सत्ता से बाहर कैसे करेंगे।

उनका जोर केवल डीसीसी के प्रस्तावित सशक्तीकरण पर तथा यह सुनिश्चित करने पर रहा कि संगठन को मजबूत बनाने के लिये पार्टी के पुनर्निर्माण की प्रक्रिया जमीनी स्तर से शुरु की जायेगी।

मल्लिकार्जुन खड़गे संगठन को मजबूत बनाने की बात कहते आ रहे हैं। उनका कहना था कि केवल संगठन की मजबूती ही पार्टी के बने रहने तथा आगे बढ़ते रहने में मददगार होती है।

सूत्रों का कहना है कि यह गांधी परिवार के अंदरुनी संकट का संकेत है।

253 सिख श्रद्धालु ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जाने का वीजा मिला है। उन्होंने बताया कि यह जत्था 10 अप्रैल को सुबह छह बजे वाघा बॉर्डर के रास्ते पाकिस्तान में प्रवेश करेगा। आधा समूह गुरुद्वारा पंजा साहिब और आधा गुरुद्वारा करतारपुर साहिब जायेगा।

उन्होंने बताया कि 12 अप्रैल को दोनों जत्थे ननकाना साहिब में एकत्र होंगे और 12, 13 और 14 अप्रैल को बैसाखी मनाएंगे। जो श्रद्धालु पहले पंजा साहिब गए हैं, वे करतारपुर साहिब जाएंगे और जो करतारपुर साहिब गए हैं, वे पंजा साहिब जाएंगे।

उन्होंने कहा कि 16 अप्रैल को यह जत्था लाहौर पहुंचेगा और वहां गुरुद्वारा साहिब के दर्शन करने के बाद 19 अप्रैल को भारत वापस लौटेगा। सरदार दलजीत सिंह सरना को जत्थे का प्रभारी बनाया गया है।

'बंगाल में वक्फ बिल लागू नही करेंगे'

प.बंगाल की मु.मंत्री ममता बनर्जी ने मुसलमानों से कहा, दीदी आपकी संपत्ति की रक्षा करेगी

- **ममता बनर्जी ने कहा, हमारा संदेश है "जियो और जीने दो" अगर किसी को मेरी संपत्ति लेने का हक नहीं है तो मैं कैसे कह सकती हूँ दूसरे की संपत्ति ली जा सकती है।**

कोलकाता, 09 अप्रैल। पश्चिम बंगाल में वक्फ कानून को लेकर जारी विरोध प्रदर्शन के बीच, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य के मुस्लिम समुदाय को आश्वासन दिया कि उनकी सरकार उनकी संपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी। जैन समुदाय की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा, और राज्य में एकता बनाए रखने की वकालत की। ममता ने अपने संबोधन में कहा कि हम बंगाल में वक्फ बिल लागू नहीं होने देंगे। मेरी सरकार धार्मिक आधार पर बंगाल का विभाजन नहीं होने देगी। मैं जानती हूं कि वक्फ अधिनियम के लागू होने से आप दुखी हैं, मगर भरोसा रखें, बंगाल में ऐसा कुछ नहीं होगा।

टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने आगे कहा कि बंगाल में "फूट डालो और राज करो" की नीति नहीं चलेगी। आपको "जियो और जीने दो" का संदेश देना चाहिए। बंगाल में रहने वालों को सुरक्षा देना हमारा काम है। मैं आप सभी से अपील करती हूं कि अगर कोई आपको राजनीतिक रूप से इकट्ठा होने के लिए उकसाता है, तो कृपया ऐसा न करें। कृपया याद रखें कि दीदी आपकी और आपकी संपत्ति की रक्षा करेंगी। अगर हम साथ रहेंगे, तो हम दुनिया जीत सकते हैं।

सीएम बनर्जी ने आगे कहा कि कुछ लोग पूछते हैं कि मैं सभी धर्मों के स्थानों पर क्यों जाती हूं। मैंने कहा कि मैं अपने पूरे जीवनकाल में वहां जाती रहूंगी। भले ही आप मुझे गोली मार दें, आप मुझे एकता से अलग नहीं कर पाएंगे। बांग्लादेश की स्थिति देखिए, मेरा मानना है कि इसे अभी पारित नहीं किया जाना चाहिए था। बंगाल में विभाजन नहीं होगा, जियो और जीने दो। अगर किसी को मेरी संपत्ति लेने का अधिकार नहीं है, तो मैं कैसे कह सकती हूं कि किसी और की संपत्ति ली जा सकती है? हमें 30 फीसदी (मुसलमानों) को साथ लेकर चलना होगा। याद रखिए, दीदी आपकी संपत्ति की रक्षा करेंगी।

उन्होंने आगे कहा कि हमारा मकसद जोड़ना है, बांटना नहीं। जब हम एकजुट रहेंगे, तो देश आगे बढ़ेगा। हमारी नीति है कि जियो और जीने दो। कुछ लोग बंगाल को बदनाम कर रहे हैं, कह रहे हैं कि मैं राज्य में हिंदू धर्म को संरक्षण नहीं देती। फिर सबको संरक्षण कौन देता है? मुझे बंगाल के अल्पसंख्यकों को श्रेय देना चाहिए, जो राज्य में हिंदू त्योहार भी मनाते हैं। मुझे यह कहते हुए गर्व होता है कि यह बंगाल है और हम सभी धर्मों का सम्मान करते हैं।

26 राफेल विमान खरीदे जाएंगे

नयी दिल्ली, 09 अप्रैल। नौसेना को अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों से लैस करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए, सरकार ने फ्रांस से 63 हजार करोड़ रूपये की लागत से 26 मरीन राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद को मंजूरी दे दी है। सूत्रों ने बुधवार को बताया कि सरकार ने मंगलवार को इन विमानों की खरीद को मंजूरी दी। इन लड़ाकू विमानों के मिलने के बाद नौसेना की मारक

- **सरकार ने 63 हजार करोड़ रु. के इस सौदे को स्वीकृति प्रदान कर दी है।**

क्षमता कई गुना बढ जायेगी। अभी वायु सेना के बेड़े में 36 राफेल लड़ाकू विमान हैं।

सूत्रों ने बताया कि इस अनुबंध पर जल्द ही हस्ताक्षर होने की संभावना है और विमानों की आपूर्ति में चार से पांच वर्ष का समय लग सकता है। अनुबंध के पैकेज में विमानों का रख रखाव , प्रशिक्षण और कलपुर्जों का देश में ही निर्माण भी शामिल है।

पेपर लीक में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पाएगा। फतेहगढ़ एसडीएम हनुमानाराम के पकड़े जाने की सूचना से जिले में चर्चा का बाजार गर्म हो गया है।

सूत्रों के अनुसार एस.आई. भर्ती परीक्षा में नरपत की जगह एस.डी.एम हनुमानाराम डमी परीक्षार्थी बनकर बैठे थे। हालांकि नरपत मेरिट लिस्ट में नहीं आ पाया। बाकी जानकारी एस.डी.एम हनुमानाराम से पूछताछ के बाद सामने आ पायेगी।

पैकेज़्ड फूड पर चेतावनी लेबल लगाया जाए

नई दिल्ली, 09 अप्रैल। पैकेज्ड फूट पर चेतावनी लेबल लगाने की याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को निर्देश दिया है कि वह अगले तीन महीनों में सिफारिशों को लागू करे। एससी ने केंद्र से तीन महीने के भीतर एफएसएस लेबलिंग और डिस्प्ले रेगुलेशन 2020 में संशोधन पर फैसला लेने को कहा है। जस्टिस जेबी पारदीवाला ने पैकेज्ड फूड

- **सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र सरकार को तीन महीने में फैसला करने का निर्देश दिया।**

के पैकेट पर चेतावनी की मांग करने वाली जनहित में दायर याचिका पर ये टिप्पणी की है। जस्टिस जेबी पारदीवाला ने सुनवाई के दौरान पूछा कि आप सभी के पोते- पोतियां हैं? इस याचिका पर फैसला करने दें,आपको पता चल जाएगा कि कुरकुरे या मैगी क्या हैं और किस तरह का रैपर होना चाहिए। उन्हें पैकेट पर कोई जानकारी नहीं दिखती। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और एफएसएसएआई को तीन महीने के भीतर नए नियम में संशोधन पूरा करने का निर्देश देते हुए याचिका का निपटारा कर दिया है।

भगोड़े कारोबारी माल्या पर भारतीय बैंकों की बड़ी जीत

भारतीय बैंकों की अपील पर ब्रिटेन के कोर्ट ने माल्या को दिवालिया घोषित किया

- **अब भारतीय बैंक माल्या की ब्रिटेन की सम्पत्ति बेचकर बकाया लोन वसूल कर सकते हैं।**

नई दिल्ली, 09 अप्रैल। बंद हो चुकी किंगफिशर एयरलाइंस वाले भगोड़े कारोबारी विजय माल्या को बड़ा झटका लगा है। एसबीआई के नेतृत्व वाले भारतीय बैंको के एक कंसोर्टियम ने माल्या के खिलाफ ब्रिटेन में दिवालियापन के आदेश को बरकरार रखने के लिए अदालती अपील का केस जीत लिया है।

इस तरह लंबे समय से चल रही कानूनी लड़ाई में भारतीय बैंकों को बड़ी जीत मिली है। भारतीय बैंक किंगफिशर एयरलाइंस पर बकाया लोन की अदायगी की मांग कर रहे हैं। भारतीय बैंकों ने ब्रिटेन के कोर्ट में माल्या को दिवालिया घोषित करने के लिए याचिका दायर की थी, जिससे वे उनकी ब्रिटेन स्थिति संपत्तियों से अपने कर्ज की वसूली कर सकें। अब ब्रिटेन के कोर्ट ने भारतीय बैंकों के पक्ष में फैसला सुनाया है।

लंदन उच्च न्यायालय के न्यायाधीश एंथनी मान ने भारतीय बैंकों के पक्ष में फैसला सुनाया है। जबकि विजय माल्या की तरफ से दायर अपील की अनुमति मांगने वाले दो आवेदनों को खारिज कर दिया है। माल्या को भारत में धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों के लिए भगोड़ा घोषित किया जा चुका है।

न्यायमूर्ति मान ने कहा, बैंकों की दलील ऐसी थी, जिसे उन्हें स्वीकार करना ही था। इस संबंध में मुख्य बात यह है कि दिवाला कार्यवाही का आदेश कायम है।

भारतीय बैंकों का प्रतिनिधित्व करने वाली कानूनी फर्म टीएलटी एलएलपी ने कहा कि इस फैसले से यह पुष्टि होती है कि बैंकों के पास माल्या की संपत्तियों पर कोई सुरक्षा नहीं है और दिवाला अर्जी सही थी। अदालत ने भी यह पाया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जब्त की गई संपत्तियों से प्राप्तियां सशर्त थीं और अंग्रेजी कानून के तहत कर्ज से मुक्ति नहीं देती थीं। टीएलटी एलएलपी के कानूनी निदेशक निक कर्लिंग ने कहा, यह बैंकों के लिए एक महत्वपूर्ण फैसला है।

'हम पनामा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राजनैतिक व आर्थिक धाराओं में भी यह बयान, जैसा कि यह सुनने में कड़ा लगता है, कार्रवाई का वादा नहीं, बल्कि एक रेखा खींचने का संकेत है। पनामा रेखा को माने या न माने, या उसे इसकी आवश्यकता है या नहीं- यह एक अलग सवाल है।

बिहार में बिजली गिरने से 15 की मौत

पटना, 09 अप्रैल। बिहार में बेगूसराय, दरभंगा, मधुबनी और समस्तीपुर जिले में बुधवार को बिजली गिरने की घटना में 15 लोगों की झुलसकर मौत हो गयी। पुलिस सूत्रों के अनुसार बेगूसराय और दरभंगा में पांच-पांच, मधुबनी में तीन और समस्तीपुर में दो व्यक्ति की बिजली गिरने से मौत हुयी है।

बेगूसराय से प्राप्त समाचार के अनुसार जिले में बिजली गिरने से मरने वाले पांच लोगों में एक महिला, एक

- **सूत्रों के अनुसार बेगुसराय, दरभंगा, मछुबनी व समस्तीपुर में तेज बारिश के साथ बिजली गिरने से ये हादसे हुए हैं।**

तीन वर्षीय बालिका शामिल है। इसके अलावा एक महिला गंभीर रूप से झुलस गई है। दरभंगा में भी 5 लोगों के मरने की खबर है। इनमें एक दस वर्षीय बालक व एक महिला भी शामिल है। मधुबनी में तीन लोगों के मरने की जानकारी मिली है। इनमें से एक 19 वर्षीय युवती है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908